@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

बुधवार, 28 अक्टूबर 2026

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 355 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

चक्रवात अर्नब तेजी से आंध्र प्रदेश की तरफ बढ़ रहा

• 16 जिलों में अलर्ट, ओडिशा में बारिश, स्कूल बंद

एमपी-यूपी, बिहार में तेज बारिश की चेतावनी

एजेंसी

मैसूरु। बंगाल की खाड़ी में चक्रवात अर्नब तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसके 28 अक्टूबर की सुबह यनम के पास बापटला और विशाखापत्तनम के बीच तट से टकराने की आशंका है। इसे देखते हुए आंध्र प्रदेश के तटीय इलाकों में बचाव की तैयारियां की जा रही हैं।आंध्र प्रदेश के 16 जिलों में अलर्ट जारी किया गया है। विशाखापत्तनम में ऑरेंज अलर्ट है। श्रीकाकुलम, विजयनगरम और अनकापल्ली में तेज हवाओं और हल्की बारिश की आशंका है। ओडिशा के पुरी में भारी बारिश से जलभराव हुआ है। खुर्दा में भी बारिश हुई है। सुरक्षा के मद्देनजर नावों का संचालन तीन दिन के लिए बंद कर दिया गया है और स्कूल भी बंद हैं।

मौसम विभाग ने तेलंगाना, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, पुडुचेरी, बिहार और उत्तर प्रदेश में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। अंडमान-निकोबार में मंगलवार तक स्कूल बंद रहेंगे। चक्रवात के खतरे को देखते हुए तटीय इलाकों में सतर्कता बढ़ा दी गई है।

चक्रवात 'अर्नब' का असरः रांची में दो दिन बंद रहेंगे केजी से 12वीं तक के स्कूल, हावड़ा-जगदलपुर समेत 14 ट्रेनें रद्द

मुख्य एक्सप्रेस ट्रेनों में हावड़ा-जगदलपुर एक्सप्रेस (18005) 27 से 30 अक्टूबर तक, जगदलपुर-हावड़ा एक्सप्रेस (18006) 28 से 31 अक्टूबर तक, राउरकेला-जगदलपुर एक्सप्रेस (18107) 29 अक्टूबर से 4 नवंबर तक, जगदलपुर-राउरकेला एक्सप्रेस (18108) 30 अक्टूबर से 5 नवंबर तक, भुवनेश्वर-जगदलपुर एक्सप्रेस (18447) 27 से 30 अक्टूबर तक तथा विशाखापत्तनम-किरंदुल एक्सप्रेस (18515) 29 अक्टूबर से 4 नवंबर तक पूरी तरह रद्द रहेंगी।

इसके अतिरिक्त विशाखापत्तनम-कोरापुट एक्सप्रेस और कई पैसेंजर ट्रेनें भी प्रभावित रहेंगी। त्योहारी सीजन के दौरान ट्रेनों के रद्द होने से यात्रियों की सहूलियत को देखते हुए रेलवे प्रशासन ने अपील की है कि लोग स्टेशन के लिए निकलने से पहले पूछताछ काउंटर, हेल्पलाइन नंबर या नेशनल ट्रेन इंक्वायरी सिस्टम ऐप के जरिए अपनी ट्रेन की वर्तमान स्थिति अवश्य जांच लें।

'कुछ तो तमाशा होगा, अब मेरी बारी'

• किताब आने से पहले सोनिया गांधी का बयान, क्या कहा?

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी ने अपनी आने वाली किताब को लेकर पोस्ट किया है। उन्होंने कहा, यह किताब जब सामने आएगी, तो कुछ तमाशा होना तय है। उन्होंने कहा, दूसरे लोग दशकों से मेरी 'कहानी' बताते आ रहे हैं। अब मेरी बारी है। एक्स पर पोस्ट किए गए वीडियो में सोनिया गांधी ने कहा, मुझे नहीं पता कि मुझे पूरी कहानी बतानी चाहिए या नहीं। जब मेरे पति से प्रधानमंत्री बनने के लिए कहा गया, तो मैं इसके पूरी तरह खिलाफ थी।

उन्होंने आगे कहा, मुझे लगा कि मेरे बारे में बहुत कुछ लिखा जा चुका है। उसमें से बहुत-सी बातें सही नहीं थीं। कुछ बातें या तो गढ़ी गई थीं या बढ़ा-चढ़ाकर पेश की गई थीं। इसलिए मुझे लगा कि अब मैं अपनी कहानी लिख सकती हूं।

'यह मेरा पक्ष नहीं, बल्कि मेरी कहानी है'

उन्होंने कहा, मैं तथ्यों और घटनाओं को वैसा बता सकती हूं, जैसी वे वास्तव में थीं। यह मेरा पक्ष नहीं है। मैं इसे अपना पक्ष नहीं कहूंगी, बल्कि यह मेरी कहानी है। लोगों के अलग-अलग विचार होते हैं। कांग्रेस नेता ने कहा, कुछ लोगों की मेरे बारे में राय बदल सकती है। कुछ लोगों की राय पहले से भी खराब हो सकती है। लेकिन ऐसा ही है। जब आप कोई किताब लिखते हैं या सार्वजनिक जीवन में होते हैं, तो ऐसा होता है। यहां की भाषा में कहें, तो तमाशा होना तय है।

कब रिलीज होगी किताब?

सोनिया गांधी की पहली

किताब, 'बिलॉन्गिंग - अ जर्नी ऑफ लव' 10 नवंबर को लॉन्च होगी। इसमें उन्होंने राजीव गांधी के साथ अपनी यादें और अपने शुरुआती दिनों से लेकर अब तक के सफर के बारे में बताया है। इससे पहले 24 अक्टूबर अपने लगभग दो मिनट के वीडियो में, उन्होंने बताया था कि कैसे उनकी मुलाकात कैम्ब्रिज में (पूर्व प्रधानमंत्री) राजीव गांधी से हुई थी। उन्होंने अपनी और राजीव गांधी की तस्वीरें दिखाईं, साथ ही उस रेस्तरां की तस्वीर भी दिखाई जहां वे पहली बार मिले थे।

पहली बार कहां हुई राजीव गांधी से मुलाकात?

अपने पहले 'एक्स' पोस्ट में उन्होंने बताया था, 'कैम्ब्रिज के एक छोटे से ग्रीक रेस्तरां में मेरे प्यार का सफर शुरू हुआ। राजीव और मैंने प्यार, हंसी और यादों से भरी एक दुनिया बनाई। 10 नवंबर को, मैं उस दुनिया को आपके साथ साझा करूंगी।' वीडियो में तस्वीरें दिखाते हुए कांग्रेस नेता ने राजीव गांधी को एक बहुत ही आकर्षक और सौम्य इंसान बताया। जब उनसे पूछा गया कि राजीव गांधी से प्यार होना कैसा था, तो उन्होंने कहा कि उन दिनों इंग्लैंड में खाना बहुत खराब होता था। तब आज की तरह इतने सारे रेस्तरां नहीं हुआ करते थे। इसलिए, मैं हमेशा ऐसी जगह की तलाश में रहती थी जहां मुझे अपने पसंद का खाना मिल सके। यानी इतालवी खाना। फिर हमें यह जगह (वर्सिटी रेस्तरां) मिली। यह एक ग्रीक रेस्तरां था, जहां कई यूरोपीय और भारतीय छात्र खाना खाने आते थे। और इसी रेस्तरां में मेरी मुलाकात राजीव से हुई।

सुप्रीम कोर्ट ने एसआईआर पर कहा-हमें सब पता, जांच करेंगे

याचिकाकर्ता 10 दिन में जवाब दें, कल ईसी ने कहा था- फैसलों में सबकी सहमति थी

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को SIR और चुनाव आयोग के कामकाज पर दायर राहुल गांधी और विपक्षी नेताओं की याचिका पर सुनवाई की। कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं से कहा कि आप 10 दिन में चुनाव आयोग के हलफनामे का जवाब दें। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई की अगली तारीख 17 नवंबर तय की। दरअसल, याचिकाकर्ताओं की ओर

से अभिषेक मनु सिंघवी ने अपील की थी कि चुनाव आयोग ने सोमवार को ही अपना जवाब दिया है। हमें जवाब देने के लिए वक्त चाहिए। सिंघवी ने दलील दी कि कोर्ट फिलहाल आयोग में हो रही मीटिंग्स और कम्युनिकेशंस का ब्योरा सुरक्षित रखने का आदेश दे। इस पर CJI सूर्यकांत ने कहा, 'हमें सब पता है। हम जांच करेंगे।' चुनाव आयोग ने सोमवार को ही कहा था कि SIR से जुड़े सभी फैसले तीनों चुनाव आयुक्तों की सर्वसम्मति से लिए गए थे।

चुनाव आयोग ने कहा था- SIR का फॉर्म 6 नहीं बदला

चुनाव आयोग ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि हमने SIR के फॉर्म 6 में कोई बदलाव नहीं किया है। नियमों के अनुसार इस पर बदलाव का अधिकार केंद्र के पास है। फैसलों पर CEC ज्ञानेश कुमार, कमिश्नर सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी तीनों की सहमति थी। कोर्ट में दाखिल एफिडेविट पर भी तीनों के दस्तखत हैं।

राष्ट्रीय राजमार्ग के 20 किमी के दायरे में रहने वाले वाहन चालकों के लिए रियायती लोकल पास शुरू करेगी सरकार

यह पास उन स्थानों पर भी जारी नहीं किया जाएगा, जहां यात्रियों के इस्तेमाल के लिए सर्विस रोड या वैकल्पिक सड़क उपलब्ध है। '

एजेंसी

नई दिल्ली। मोदी सरकार ने मंगलवार को राष्ट्रीय राजमार्ग के टोल प्लाजा के 20 किलोमीटर के दायरे में रहने वाले पात्र गैर-वाणिज्यिक वाहन मालिकों के लिए 'रियायती लोकल पास' की शुरुआत की है। इसका फायदा एक नवंबर से उठाया जा सकेगा। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के अनुसार, नगरपालिका या स्थानीय नगर क्षेत्र के बाहर स्थित टोल प्लाजा के लिए रियायती लोकल पास का वार्षिक शुल्क 1,500 रुपए होगा, जबकि इन सीमाओं के भीतर स्थित टोल प्लाजा के लिए यह शुल्क 3,000 रुपए होगा। इस नई व्यवस्था का उद्देश्य टोल प्लाजा के आसपास रहने वाले पात्र निवासियों को यात्रा किफायती बनाने का विकल्प देना और स्थानीय लोगों के लिए आवागमन को आसान

बनाना है। 20 किलोमीटर के दायरे में रहने वाले पात्र गैर-वाणिज्यिक वाहन मालिक, जिनके पास वैध और चालू फास्टैग है, किसी विशेष टोल प्लाजा से आवागमन के लिए मौजूदा मासिक पास और रियायती लोकल पास में से किसी एक को चुन सकते हैं। यह पास केवल संबंधित टोल प्लाजा के लिए मान्य होगा और इसे किसी अन्य टोल प्लाजा के लिए इस्तेमाल नहीं किया जा सकेगा। आधिकारिक बयान में कहा गया, 'रियायती लोकल पास उन राष्ट्रीय राजमार्गों या एक्सप्रेसवे पर उपलब्ध नहीं होगा, जहां टोल शुल्क की वसूली क्लोज्ड यूजर-फी कलेक्शन सिस्टम के आधार पर की जाती है। यह पास उन स्थानों पर भी जारी नहीं किया जाएगा, जहां यात्रियों के इस्तेमाल के लिए सर्विस रोड या वैकल्पिक सड़क उपलब्ध है।' वार्षिक लोकल पास 1 नवंबर से पात्र टोल प्लाजा पर उपलब्ध होगा। इसे राजमार्ग यात्रा ऐप के माध्यम से भी प्राप्त किया जा सकेगा। इस संशोधन को राष्ट्रीय राजमार्ग अधिनियम, 1956 के तहत प्राप्त शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग शुल्क (दर निर्धारण और संग्रह) (पांचवां संशोधन) नियम, 2026 के माध्यम से अधिसूचित किया गया है।

मध्यप्रदेश कैबिनेट में बड़े फैसले

3378 करोड़ रुपए की 4 सिंचाई परियोजनाओं को मंजूरी

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में किसानों, सामाजिक कल्याण, शिक्षा, भ्रष्टाचार पर नियंत्रण और बुनियादी ढांचे से जुड़े कई महत्वपूर्ण फैसले किए गए। बैठक के बाद एमएसएमई मंत्री चेतन्य कश्यप ने बताया कि नर्मदा घाटी विकास की चार सिंचाई परियोजनाओं की निरंतरता के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। इन परियोजनाओं पर कुल 3,378 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। ये परियोजनाएं छिंदवाड़ा, मुरैना, सागर और सिवनी से संबंधित हैं। इसके साथ ही वर्ष 2026 को किसान कल्याण वर्ष के रूप में मनाने की तैयारियों और इसके विभिन्न आयामों पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण भी दिया गया। चेतन्य कश्यप ने बताया कि मुख्यमंत्री ने वर्ष 2026 को किसान कल्याण वर्ष के रूप में मनाने को लेकर विस्तृत जानकारी दी। प्रदेश के करीब 12 जिलों में वर्षा का स्तर निर्धारित मापदंड के अनुसार 80

प्रतिशत से कम बताया जा रहा है, हालांकि सूखे की स्थिति का आकलन करने के लिए अभी प्रभावित क्षेत्रफल की समीक्षा की जा रही है। मंत्री ने कहा कि सूखा घोषित करने के दो मापदंड होते हैं। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया है कि प्रत्येक जिले की स्थिति का अलग-अलग आकलन किया जाए और उसके आधार पर किसानों को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जाए। मंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में प्रशासनिक कार्यकाल के 25 वर्ष पूरे होने पर

> आईटीआई में नेशन ट्रेड की पढ़ाई कर रहे अहिरवार वेल्ड जोड़ने की कौशल प्रतियोगिता में भारत में प्रथम स्थान पर रहे। इसके अलावा पश्चिमी क्षेत्र की बिजली पारेषण कंपनी का ट्रांसमिशन लॉस 2.6 प्रतिशत रहा।

सेवा संकल्प अभियान चलाया गया। इसके विभिन्न कार्यक्रम प्रदेश में सफलतापूर्वक आयोजित किए गए। सेवा सेतु अभियान के अंतर्गत 1,345 शिविर लगाए गए, जिनमें 17 लाख से अधिक आवेदन प्राप्त हुए।इसी तरह, सेवा ज्योति यात्रा के तहत 1,600 से ज्यादा यात्राएं निकाली गईं। 'सेवा में मेरा योगदान' कार्यक्रम में 11 प्रकार की सेवाओं को चिन्हित कर जन-जागरूकता बढ़ाई गई और 50 लाख से अधिक लोगों की भागीदारी रही। 'नमो सेवा नुक्कड़' के माध्यम से ट्रॉलियों पर देश के विकास की गाथा प्रस्तुत की गई। इसमें वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की परिकल्पना के बारे में लोगों को जागरूक किया गया। कश्यप ने कहा कि पिछले डेढ़ सप्ताह के दौरान मध्य प्रदेश को तीन से चार क्षेत्रों में पुरस्कार मिले हैं। प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना और पर्यटन से संबंधित पुरस्कारों का भी उल्लेख किया गया। प्रदेश के पर्यटन विभाग को स्टेट टूरिज्म ऑफ इंडिया का पुरस्कार मिला। विश्व कौशल प्रतियोगिता में पन्ना जिले के युवा अजय अहिरवार ने भी देश का प्रतिनिधित्व किया।

मुख्यमंत्री ने जी0सी0सी0 इनोवेशन समिट-2026 में 05 निवेशकों को लेटर ऑफ कम्फर्ट प्रदान किए

कौमी पत्रिका

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि राज्य सरकार ग्लोबल कैपेबिलिटी सेण्टर्स (जी0सी0सी0) के विकास के माध्यम से उत्तर प्रदेश को वैश्विक तकनीकी एवं सेवा क्षेत्र के प्रमुख केन्द्र के रूप में आगे ब?ाने के लिए प्रतिबद्ध है। राज्य सरकार का लक्ष्य वर्ष 2030-31 तक प्रदेश में 04 करो? वर्ग फुट विश्वस्तरीय ग्रेड-ए ऑफिस स्पेस के विकास में सहयोग करना तथा 500 नए ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर स्थापित करने की दिशा में कार्य करना है। तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, प्रोडक्ट इंजीनियरिंग, फाइनेंस, एनालिटिक्स और साझा सेवाओं जैसे क्षेत्रों में जी0सी0सी0 के विकास से प्रदेश में वैश्विक स्तर के कार्यों और रोजगार के अवसरों का विस्तार हो सकता है। मुख्यमंत्री जी आज यहां जी0सी0सी0 इनोवेशन समिट-2026 को सम्बोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने 05 निवेशकों को लेटर ऑफ कम्फर्ट प्रदान किए। उनके समक्ष विभिन्न कम्पनियों के प्रतिनिधियों व प्रदेश सरकार के अधिकारियों ने आपस में 15 एम0ओ0यू0 का आदान-प्रदान किया। साथ ही, इस अवसर पर प्रदेश के 13 प्रमुख विश्वविद्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों के साथ एम0ओ0यू0 सम्पन्न हुए। मुख्यमंत्री जी ने आई0आई0टी0 कानपुर और

एच0सी0एल0 टेक द्वारा तैयार किए गए 'व्हाइट पेपर' का विमोचन किया। इसके पूर्व, मुख्यमंत्री जी ने कार्यक्रम स्थल पर लगायी गयी प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश की पहचान केवल आधुनिक औद्योगिक विकास से नहीं, बल्कि उसकी समृद्ध सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और ज्ञान परम्परा से भी जुड़ी हुई है। माँ गंगा और यमुना जी की संगम स्थली प्रयागराज, प्रभु श्रीराम की जन्मभूमि अयोध्या, भगवान श्रीकृष्ण की लीलाभूमि मथुरा तथा नैमिषारण्य जैसी ज्ञान परम्परा से जुड़ी स्थली उत्तर प्रदेश की ऐतिहासिक महत्ता को दर्शाती हैं। भारतीय ज्ञान परम्परा ने सदैव विभिन्न स्रोतों से ज्ञान ग्रहण करने और विचारों के आदान-प्रदान को महत्व दिया है। 'आ नो भद्राः क्रतवो यन्तु विश्वतः' का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि प्रगति के लिए ज्ञान के सभी मार्ग खुले रहने चाहिए। प्रयागराज में कुम्भ और महाकुम्भ की परम्परा तथा काशी की ज्ञान परम्परा भारत में विचार-विमर्श, ज्ञान-विज्ञान और आदान-प्रदान के प्रमुख केंद्र रहे हैं। इसी परम्परा को आधुनिक सन्दर्भ में ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर, अनुसंधान एवं विकास और नवाचार के माध्यम से आगे बढ़ाया जा सकता है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में डिजिटल इण्डिया, स्किल इण्डिया, मेक इन इण्डिया, सेमीकंडक्टर मिशन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मिशन जैसे कार्यक्रमों को गति मिली है। भारत ने वैश्विक अर्थव्यवस्था में अपनी स्थिति मजबूत की है और देश में ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर के विकास के लिए व्यापक अवसर उपलब्ध हैं। उत्तर प्रदेश भी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी आर्थिक एवं औद्योगिक स्थिति को मजबूत कर रहा है। प्रदेश में तकनीकी, औद्योगिक और सेवा क्षेत्र के विकास के लिए आवश्यक आधार तैयार किया गया है। उन्होंने उद्योग जगत से इन अवसरों का लाभ उठाने और प्रदेश के विकास में भागीदार बनने का आह्वान किया।

शेष पृष्ठ 3 पर

'किसानों को परेशान किया तो होगी कार्रवाई', जबरन वसूली पर ऋणदाताओं को शिंदे की चेतावनी

'तुरंत सरकारी अधिकारियों से संपर्क करें। राज्य सरकार आपके साथ खड़ी है।'

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मंगलवार को सूक्ष्म वित्त संस्थानों, निजी साहूकारों, गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) और बैंकों को सूखा प्रभावित किसानों से ऋण चुकाने के लिए दबाव डालने के खिलाफ कड़ी चेतावनी जारी की।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि राज्य सरकार मानसिक उत्पीड़न या जबरन वसूली को बर्दाश्त नहीं करेगी, जिससे परेशान किसान चरम कदम उठाने पर मजबूर हो जाते हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि प्रशासन किसान समुदाय के साथ मजबूती से खड़ा है। मुंबई में पत्रकारों को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री ने राज्य के जीरो टोलरेंस के रुख पर जोर दिया।उन्होंने नांदेड़ में हाल ही

में हुई आक्रामक ऋण वसूली की घटना का जिक्र करते हुए कहा कि चाहे वह सूक्ष्म वित्त फर्म हो, वित्त कंपनी हो, बैंक हो या निजी साहूकार, किसान को परेशान करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

उन्होंने चेतावनी दी कि किसानों को डराने-धमकाने या उन्हें दफ्तरों में हिरासत में लेने की कोशिश करने वाले वसूली एजेंटों या संस्थानों के खिलाफ सख्त आपराधिक मामले दर्ज किए जाएंगे। शिंदे ने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई), वाणिज्यिक बैंकों और वित्तीय संस्थानों के साथ चर्चा के बाद आवश्यक निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

उन्होंने किसानों से अपील की कि वसूली एजेंटों द्वारा निशाना बनाए जाने पर वे घबराएं नहीं। उन्होंने कहा कि अगर कोई आपको मुआवजा दिलाने के लिए दबाव डाले, तो डरें नहीं।

मुख्यमंत्री ने दौलत राम कॉलेज में शताब्दी शैक्षणिक भवन और कंप्यूटर सेंटर का किया उद्घाटन

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता मंगलवार को दिल्ली विश्वविद्यालय के दौलत राम कॉलेज में शताब्दी शैक्षणिक भवन, कंप्यूटर केंद्र और कौशल विकास केंद्र का उद्घाटन किया। छात्राओं से संवाद करते हुए मुख्यमंत्री ने उन्हें आत्मविश्वास, साहस और दृढ़ संकल्प के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली की बेटियों को अपनी क्षमता पर भरोसा रखना चाहिए। उन्हें किसी भी परिस्थिति में घबराने की जरूरत नहीं है, क्योंकि उनकी सुरक्षा, सम्मान और अधिकारों के लिए दिल्ली सरकार उनके साथ खड़ी है।
मुख्यमंत्री ने कॉलेज परिसर में फैकल्टी रीडिंग रूम, सेमिनार रूम, पुस्तकालय में श्री रामालय, रीसाइक्लिंग यूनिट और बेकरी यूनिट का निरीक्षण कर शैक्षणिक, व्यावहारिक प्रशिक्षण एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों की जानकारी ली। उन्होंने ऑडिटोरियम के नवीनीकरण की आवश्यकता पर चर्चा करते हुए सहयोग का आश्वासन दिया। साथ ही, 'मिस डीआरसी टैलेंट हंट' का शुभारंभ कर छात्राओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने और आत्मविश्वास के साथ मंच पर आगे आने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह, दौलत राम कॉलेज की प्राचार्या प्रो. सविता रॉय, कॉलेज की गवर्निंग बॉडी के अध्यक्ष मुकुल गुप्ता, विजय शंकर तिवारी सहित अन्य शिक्षकगण और छात्राएं उपस्थित रहीं। दौलत राम कॉलेज की पूर्व छात्रा होने के नाते मुख्यमंत्री के लिए यह अवसर भावनात्मक रहा। परिसर में उन्होंने छात्र जीवन की यादें साझा करते हुए बताया कि कॉलेज छात्रसंघ की जनरल सेक्रेटरी बनने के साथ उनके सार्वजनिक जीवन की शुरुआत हुई। छात्र राजनीति में मिली जिम्मेदारियों ने उन्हें लोगों की समस्याओं को समझने और उनके समाधान के लिए काम करने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि छात्र जीवन में छात्राओं और विद्यार्थियों के हित में उठाए गए मुद्दों को आज व्यापक स्तर पर हल करने का अवसर मिलना उनके लिए संतोष का विषय है।
मुख्यमंत्री ने बताया कि दिल्ली में एक लाख स्मार्ट स्ट्रीट लाइट लगाने और उन्हें कंट्रोल एंड कमांड सेंटर से जोड़ने की दिशा में काम किया जा रहा है। साथ ही 50 हजार नए सीसीटीवी कैमरे लगाने की योजना पर भी काम हो रहा है। उन्होंने कहा कि इन पहलों का उद्देश्य निगरानी व्यवस्था मजबूत करना और महिलाओं सहित सभी नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। उन्होंने जोर दिया कि लड़कियों की सुरक्षा की जिम्मेदारी केवल उन पर डालना उचित नहीं है। समाज को अपनी सोच बदलनी होगी और लड़कियों पर प्रतिबंध लगाने के बजाय लड़कों और पुरुषों को महिलाओं का सम्मान करना सिखाना होगा।
कार्यक्रम के दौरान महिला विकास समिति की छात्राओं ने आत्मरक्षा का प्रदर्शन किया। मुख्यमंत्री ने छात्राओं के साहस, आत्मविश्वास और तत्परता की सराहना करते हुए कहा कि आत्मरक्षा प्रशिक्षण लड़कियों को संकट की स्थिति में अपनी सुरक्षा करने के लिए तैयार करने के साथ उनमें आत्मविश्वास और निर्भीकता भी विकसित करता है। उन्होंने छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा कि यदि कोई उनके साथ दुर्व्यवहार करता है या उन्हें डराने की कोशिश करता है, तो उन्हें अपनी सुरक्षा के लिए आवाज उठानी चाहिए।

दिल्ली भाजपा ने मदनलाल खुराना की पुण्य तिथि पर अर्पित की श्रद्धांजली

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने मंगलवार को प्रदेश कार्यालय में पूर्व राज्यपाल, मुख्यमंत्री एवं प्रदेश अध्यक्ष मदनलाल खुराना की पुण्य तिथि पर दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता एवं पार्टी की प्रदेश सह प्रभारी दर्शना जरदोश, सांसद योगेन्द्र चांदलिया, वरिष्ठ नेताओं एवं पदाधिकारियों के साथ उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर मदनलाल खुराना की पत्नी राज खुराना, पुत्र विधायक हरीश खुराना, पुत्रवधू वंदना विमल खुराना एवं नाती संयम छाबड़ा ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने पूर्व राज्यपाल मदनलाल खुराना की पुण्य तिथि पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि खुराना कर्मठता, स्पष्टवादिता और जनसेवा के प्रतीक थे। मल्होत्रा ने कहा कि मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने दिल्ली को नई दिशा दी फ्लाईओवर, बिजली, पानी और जनकल्याणकारी योजनाओं से राजधानी को आधुनिक बनाया। हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि उनका जीवन सादगी, राष्ट्रभक्ति और गरीबों के प्रति समर्पण का उदाहरण है। उन्होंने कहा कि आज हम संकल्प लेते हैं कि उनके आदर्शों पर चलकर दिल्ली को विकसित और सशक्त बनाएंगे। इस अवसर पर वरिष्ठ नेता पूर्व राज्यपाल प्रो. जगदीश मुखी, ओ.पी. बब्बर एवं वेदव्यास महाजन, पूर्व अध्यक्ष आदेश गुप्ता, प्रदेश पदाधिकारियों विष्णु मित्तल, सतीश गर्ग, प्रवीण शंकर कपूर, रंजीत कश्यप और सारिका जैन आदि ने भी मदनलाल खुराना के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

भाजपा सांसद के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी को म्यूट करने का निर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने पूर्व वित्त सचिव सुभाष गर्ग को भाजपा सांसद निशिकांत दुबे के खिलाफ एक पॉडकास्ट में की गई कथित मानहानिकारक टिप्पणियों को म्यूट या बीप करने के निर्देश दिए हैं। अदालत ने कहा कि किसी के लिए अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। अदालत में टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा के वकील ने भी 'एक्स' से संबंधित कुछ कथित मानहानिकारक पोस्ट हटाने का आश्वासन दिया। न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने मंगलवार को दुबे की ओर से दायर मानहानि याचिका पर सुनवाई करते हुए सुभाष और महुआ को समन जारी किया। दुबे ने दोनों के खिलाफ स्थायी और अनिवार्य रोक लगाने, माफी मंगवाने और दो करोड़ रुपये हर्जाना दिलाने की मांग की है। अदालत ने दोनों से अपना जवाब दाखिल करने को कहा। सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष के वकीलों ने जवाब देने के लिए समय मांगा और कहा कि याचिका में पूरे मामले की सही तस्वीर नहीं रखी गई है। इस पर अदालत ने पूछा कि क्या वे फिलहाल संबंधित सामग्री को आगे प्रसारित करने से रोक सकते हैं। अदालत ने कहा कि वह जानती है कि याचिकाकर्ता और पूर्व वित्त सचिव, दोनों प्रतिष्ठित व्यक्ति हैं, लेकिन पॉडकास्ट में इस्तेमाल किया गया एक शब्द अनुचित था। अदालत ने मौखिक टिप्पणी में कहा कि किसी को ऐसे अपमानजनक शब्द से नहीं बुलाया जा सकता। सुभाष के वकील ने अदालत को बताया कि वह पॉडकास्ट के मेजबान से संपर्क कर संबंधित टिप्पणियों को म्यूट कराने की कोशिश करेंगे। दुबे का आरोप है कि गर्ग ने 17 सितंबर को एक पॉडकास्ट में उनके खिलाफ झूठे और दुर्भावनापूर्ण आरोप लगाए थे। यह कंटेंट यूट्यूब, फेसबुक और अन्य डिजिटल मंचों पर प्रसारित हुआ।

त्रिलोकपुरी के ब्लॉक-16 में गंदा पानी आने से परेशानी, बीमारियों का खतरा बढ़ा; निवासियों ने की शिकायत

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्वी दिल्ली के त्रिलोकपुरी स्थित ब्लॉक-16 में पिछले पांच दिनों से गंदे और बदबूदार पानी की आपूर्ति से स्थानीय निवासी परेशान हैं। लोगों का आरोप है कि घरों के नलों से ऐसा पानी आ रहा है, जिसका इस्तेमाल पीने के लिए नहीं किया जा सकता। स्थानीय निवासियों ने जलापूर्ति व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए दिल्ली जल बोर्ड और स्थानीय प्रतिनिधियों से समस्या के स्थायी समाधान की मांग की है। निवासियों के मुताबिक, नलों से आने वाले पानी में सीवर के पानी जैसी गंदगी और बदबू है। उनका कहना है कि क्षेत्र में सीवर ओवरफ्लो की समस्या के कारण गंदा पानी आ रहा है। हालांकि, पानी के दूषित होने की वास्तविक वजह की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। ऐसे में पाइपलाइनों और सीवर व्यवस्था की जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। स्थानीय लोगों का कहना है कि गंदे पानी की आपूर्ति के कारण रोजमर्रा के कामकाज पर असर पड़ रहा है। पीने और खाना बनाने के लिए उन्हें वैकल्पिक इंतजाम करने पड़ रहे हैं। बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को लेकर लोगों की चिंता अधिक है। दूषित पानी के इस्तेमाल से उल्टी-दस्त समेत जलजनित बीमारियों का खतरा हो सकता है। स्थानीय निवासियों ने बताया कि दिल्ली जल बोर्ड में इसकी शिकायत की गई है।

विधायक बोले- जानकारी नहीं, समस्या हुई तो कराएंगे समाधान

इस संबंध में स्थानीय विधायक रवि कांत से बात की गई तो उन्होंने कहा कि उन्हें इस समस्या की जानकारी नहीं है। उन्होंने इलाके में इस तरह की परेशानी की जानकारी होने से इनकार किया। विधायक ने कहा कि यदि क्षेत्र में ऐसी समस्या है तो उसका जल्द समाधान कराया जाएगा। वहीं, जब इस मामले में जेई से बात करने की कोशिश की गई तो उनसे संपर्क नहीं हो पाया।

ऑपरेशन चक्र-2 में 185 चोरी के वाहन बरामद

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिमी दिल्ली पुलिस ने वाहन चोरी के खिलाफ विशेष अभियान चलाकर 72 घंटे में 185 चोरी के वाहन बरामद किए और 44 आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों में 10 घोषित बदमाश शामिल हैं। पिछले अभियान की तुलना में इस बार वाहन बरामदगी में 59 प्रतिशत की वृद्धि हुई। बरामद वाहनों में 117 स्कूटी, 65 मोटरसाइकिल, 1 तिपहिया और 2 चारपहिया वाहन शामिल हैं। इनमें 17 तेज गति वाली मोटरसाइकिलें भी हैं। अभियान पुलिस उपायुक्त हरेश्वर वी. स्वामी के नेतृत्व में चलाया गया, जिसमें जिले के सभी थानों और विशेष पुलिस दलों ने भाग लिया। पुलिस के अनुसार, बरामद वाहनों में 91 पश्चिमी जिले और 94 अन्य जिलों में दर्ज चोरी के मामलों से संबंधित हैं। पहले अभियान के दौरान 72 घंटे में 116 वाहन बरामद किए गए थे। इस बार कार्रवाई के दौरान दो आरोपियों को अलग-अलग थानों में दो-दो बार गिरफ्तार किया गया, जिससे गिरफ्तारी की कुल संख्या 46 दर्ज हुई। पुलिस ने बताया कि अभियान का मुख्य उद्देश्य वाहन चोरों पर अंकुश लगाना और बार-बार अपराध करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करना है। इस दौरान एक आरोपित सुमित को गिरफ्तार किया गया, जिसके खिलाफ 38 आपराधिक मामले दर्ज हैं। वहीं, जनकपुरी पुलिस ने दिनेश लालू को गिरफ्तार किया, जिसके खिलाफ 33 मामले दर्ज हैं।

महिला पत्रकार को झटका, जांच जारी रखने का आदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने सहायक पुलिस आयुक्त विवेक भगत की शिकायत पर महिला पत्रकार के खिलाफ दर्ज जातिगत अत्याचार के मामले में जांच पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। अदालत ने दिल्ली पुलिस और शिकायतकर्ता को नोटिस जारी कर 16 नवंबर को अगली सुनवाई निर्धारित की है। न्यायमूर्ति मिनी पुष्करणा की पीठ ने महिला पत्रकार की प्राथमिकी रद्द करने की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। पत्रकार के वकील ने आरोप लगाया कि मामला उन्हें डराने और पुलिस की छवि खराब करने की शिकायत वापस लेने का दबाव बनाने के उद्देश्य से दर्ज कराया गया है। हालांकि, अदालत ने फिलहाल जांच जारी रखने पर रोक नहीं लगाई। मामला जंतर-मंतर के पास हुए एक विरोध प्रदर्शन से जुड़ा है। आरोप है कि प्रदर्शन के दौरान पुलिस अधिकारी के खिलाफ जातिसूचक टिप्पणियां की गईं और उन्हें सार्वजनिक रूप से अपमानित किया गया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर महिला पत्रकार और अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इससे पहले महिला पत्रकार ने एसीपी विवेक भगत के खिलाफ यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज कराई थी, जिसकी जांच अपराध शाखा कर रही है। मामले में दोनों पक्षों की ओर से लगाए गए आरोपों पर अभी अंतिम न्यायिक निर्णय नहीं हुआ है। अदालत ने दिल्ली पुलिस और शिकायतकर्ता को अगली सुनवाई से पहले अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है।

वाल्मीकि जयंती पर 'राष्ट्र साधना के सौ वर्ष' काव्य गोष्ठी में गूंजे राष्ट्रभक्ति के स्वर

नई दिल्ली (एजेंसी)। आदिकवि महार्षि वाल्मीकि जयंती एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में इंद्रप्रस्थ साहित्य भारती, दिल्ली के नैऋत्य केंद्र के भास्कराचार्य कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज में 'राष्ट्र साधना के सौ वर्ष' काव्य गोष्ठी का आयोजन किया। इस अवसर पर कवियों ने अपनी रचनाओं से वाल्मीकि का स्मरण कर संघ की सौ वर्षों की यात्रा के विविध आयामों को काव्यात्मक अभिव्यक्ति दी।

गोष्ठी में राष्ट्रीय संघ की सौ वर्षों की यात्रा से जुड़े विविध विषयों पर कवियों ने अपनी रचनाएं प्रस्तुत कीं। इनमें संघ के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार, द्वितीय सरसंघचालक गुरुजी, हिंदू संगठन, दैनिक शाखा के संस्कार केंद्र के रूप में महत्त्व, भगवा ध्वज को गुरु मानने की परंपरा, पथ संचलन, प्रचारकों का समर्पित जीवन, प्रशिक्षण वर्ग का आनंद, विभाजन की विभीषिका के समय किए गए राहत कार्य, प्राकृतिक आपदाओं में सेवा कार्य, आपातकाल की संघर्ष गाथा, विविध संगठनों की भूमिका, सेवा कार्य, सामाजिक समरसता, गौ सेवा, ग्राम विकास, परिवार प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, नागरिक अनुशासन तथा स्वबोध जैसे विषय प्रमुख रहे।

इस अवसर पर दिल्ली राज्य के अध्यक्ष विनोद बब्बर ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि संस्कृत साहित्यकारों के पूर्वज हैं, जिनकी अमर कृति रामायण भारतीय साहित्य की अमूल्य धरोहर है। उनकी रचनाएं करुणा, संवेदना और मानवीय मूल्यों की प्रेरणा देती हैं। संघ के सौ वर्ष की यात्रा का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि यह जागरण, संगठन, संस्कार और समाज निर्माण के प्रति असंख्य स्वयंसेवकों द्वारा किया गया कार्य है।

उन्होंने अखिल भारतीय साहित्य परिषद की छह दशकों की यात्रा को भी महत्त्वपूर्ण बताते हुए कहा कि परिषद भारतीय भाषाओं और साहित्य के संवर्धन के लिए निरंतर कार्य कर रही है। युवाओं को साहित्य से जुड़ने का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि साहित्य केवल किसी एक विषय के विद्यार्थियों तक सीमित

नहीं है, बल्कि यह जन्म से लेकर जीवन के अंतिम पड़ाव तक हमारे साथ रहता है। साहित्य समाज को जोड़ने, का सशक्त माध्यम है। द्वारका नगर के संघचालक प्रदीप देसवाल ने संघ स्थापना के पृष्ठभूमि पर अपनी कविता प्रस्तुत की।

देशभर के व्यापारियों को एआई, साइबर सुरक्षा व डिजिटल मार्केटिंग का मिलेगा प्रशिक्षण

नई दिल्ली (एजेंसी)। ई-कॉमर्स प्लेटफार्म से मिल रही चुनौतियों से निबटने और देश के व्यापारियों को डिजिटल तौर पर मजबूत बनाने के लिए व्यापारिक संगठन कैट (कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स) व नैसकॉम (नेशनल एसोसिएशन ऑफ सॉफ्टवेयर एंड सर्विस कंपनीज) मिलकर काम करेंगे। इसके लिए दोनों संगठनों के बीच मंगलवार को दिल्ली में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स व सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री जितिन प्रसाद, कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल और नैसकॉम के अध्यक्ष राजेश नांबियार की मौजूदगी में हुए एमओयू का मकसद देशभर के करोड़ों व्यापारियों व एमएसएमई उद्यमियों को आधुनिक डिजिटल तकनीकों, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), साइबर सुरक्षा और डिजिटल मार्केटिंग का प्रशिक्षण देकर उन्हें भविष्य की अर्थव्यवस्था के लिए तैयार करना है। इस दौरान केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद ने कहा कि यह समझौता देश के छोटे व्यापारियों और एमएसएमई क्षेत्र के लिए परिवर्तनकारी सिद्ध होगा। वर्तमान समय में डिजिटल तकनीकों को अपनाना केवल विकल्प नहीं बल्कि जरूरत बन गया है। उम्मीद है कि इस पहल से छोटे व्यापारी तकनीक का बेहतर उपयोग कर अपने व्यापार का विस्तार कर सकेंगे और बाजार की नई संभावनाओं तक पहुंच बनाएंगे। आधुनिक तकनीक में दक्षता के बाद व्यापारियों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में भी मजबूत पहचान मिल सकेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने अपने संबोधनों में निरंतर डिजिटल इंडिया, आत्मनिर्भर भारत, नवाचार और तकनीक आधारित विकास पर जोर दिया है। यह पहल व्यापारियों को विशेष रूप से तीन महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सक्षम बनाएगी जिससे दैनिक व्यापारिक गतिविधियों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) टूल्स का व्यावहारिक उपयोग, साइबर सुरक्षा व डिजिटल धोखाधड़ी से बचाव, डिजिटल मार्केटिंग व ऑनलाइन व्यापार विस्तार के रास्ते खुलेंगे। इन क्षेत्रों में प्रशिक्षण लेकर व्यापारी अपने कारोबार की उत्पादकता बढ़ा सकेंगे, ग्राहकों तक अधिक प्रभावी ढंग से पहुंच पाएंगे। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने कहा कि बदलते समय के साथ व्यापारियों के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म को अपनाना जरूरी हो गया है। वर्तमान समय में उपभोक्ता तेजी से डिजिटल माध्यमों की ओर बढ़ रहा है और अगर व्यापारी समय रहते नई तकनीकों को नहीं अपनाएंगे तो वे प्रतिस्पर्धा में पीछे रह सकते हैं।

दिल्ली में 416 मतदाताओं के नाम हटाने का दावा

–त्रिलोकपुरी के 4 मतदान केंद्रों का मामला उठाकर राहुल गांधी ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त पर साधा निशाना, इस्तीफे तक आंदोलन जारी रखने की चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी।
कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने दिल्ली के त्रिलोकपुरी क्षेत्र में मतदाता सूची से कथित तौर पर 416 मतदाताओं के नाम गलत तरीके से हटाए जाने का दावा करते हुए चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं।
मंगलवार को आयोजित जन सुनवाई के दौरान उन्होंने कहा कि क्षेत्र के 4 मतदान केंद्रों पर मतदाताओं के नाम हटाए जाने का मामला सामने आया है। उन्होंने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर विपक्ष के सवालों का जवाब नहीं देने का आरोप लगाते हुए कहा कि मताधिकार से जुड़े मुद्दों पर विपक्ष अपनी लड़ाई जारी रखेगा।
राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि देश में उच्च स्तर पर मताधिकार से खिलवाड़ किया जा रहा है और इसका सबसे अधिक नुकसान गरीब तथा वंचित वर्गों को उठाना पड़ रहा है। हालांकि, मतदाता सूची से नाम हटाए जाने के संबंध में उनके द्वारा लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि और संबंधित निर्वाचन अधिकारियों का पक्ष इस मामले में महत्वपूर्ण होगा।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त पर लगाए गंभीर आरोप

त्रिलोकपुरी में आयोजित जन सुनवाई को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि क्षेत्र के 4 मतदान केंद्रों से 416 मतदाताओं के नाम कथित तौर पर गैरकानूनी तरीके से हटाए गए हैं। उन्होंने बताया कि जन सुनवाई के दौरान उन लोगों से बातचीत की गई, जिनके नाम मतदाता सूची से हटाए जाने का दावा किया जा रहा है।
राहुल गांधी ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर विपक्ष की ओर से उठाए जा रहे सवालों से बचने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि विपक्ष लगातार चुनावी प्रक्रिया और मतदाता सूची से जुड़े मुद्दों पर जवाब मांग रहा है, लेकिन उसे संतोषजनक उत्तर नहीं मिल रहे हैं।
कांग्रेस नेता ने स्पष्ट किया कि विपक्ष इस मुद्दे को लेकर पीछे हटने वाला नहीं है। उन्होंने कहा कि जब तक मुख्य निर्वाचन आयुक्त अपने पद से इस्तीफा नहीं देते या प्रधानमंत्री उन्हें पद से नहीं हटाते, तब तक उनकी पार्टी और विपक्षी दलों का संघर्ष जारी रहेगा।

जन सुनवाई में विपक्षी नेताओं की मौजूदगी

त्रिलोकपुरी में आयोजित इस जन सुनवाई में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) के नेता दीपांकर भट्टाचार्य और स्वराज इंडिया के योगेंद्र यादव भी मौजूद रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य कथित तौर पर मतदाता सूची से नाम हटाए जाने के मामलों को सामने लाना और प्रभावित मतदाताओं की समस्याओं को उठाना था।
राहुल गांधी ने इस दौरान मतदाता सूची की शुद्धता और चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में प्रत्येक पात्र नागरिक को मतदान का अधिकार मिलना चाहिए और किसी भी व्यक्ति को इस अधिकार से वंचित नहीं किया जाना चाहिए।

गरीबों के अधिकारों को लेकर सरकार पर निशाना

राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर भी निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ऐसी व्यवस्था को बढ़ावा दे रही है, जिसमें आम नागरिकों और गरीबों के हितों की तुलना में चुनिंदा बड़े उद्योगपतियों के हितों को प्राथमिकता दी जा रही है।
उन्होंने सवाल उठाया कि यदि मतदाता सूची से गरीबों के नाम हटाए जा रहे हैं, तो इसके पीछे की वजह क्या है और इसके लिए कौन जिम्मेदार है। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि देश में ऐसी व्यवस्था बनाने की कोशिश हो रही है, जिसमें आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के अधिकार प्रभावित हों और संपन्न लोगों का प्रभाव बढ़े।

मतदाता सूची और चुनावी पारदर्शिता पर बढ़ेगा राजनीतिक टकराव

राहुल गांधी के ताजा बयान से मतदाता सूची में नाम जोड़ने और हटाने की प्रक्रिया को लेकर राजनीतिक बहस तेज होने के संकेत हैं। कांग्रेस इस मुद्दे को लोकतांत्रिक अधिकारों और चुनावी पारदर्शिता से जोड़कर उठा रही है, जबकि त्रिलोकपुरी के 4 मतदान केंद्रों से 416 नाम हटाए जाने के दावे की वास्तविक स्थिति स्पष्ट करने के लिए निर्वाचन अधिकारियों का पक्ष और संबंधित अभिलेख महत्वपूर्ण होंगे। मतदाता सूची से किसी पात्र नागरिक का नाम गलत तरीके से हटाया जाना गंभीर विषय है। ऐसे मामलों में नाम हटाने के कारणों, संबंधित आवेदन और निर्वाचन अधिकारियों की कार्रवाई की जांच के आधार पर ही वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। फिलहाल, राहुल गांधी ने इस मामले को लेकर चुनाव आयोग पर सवाल उठाए हैं और विपक्ष की ओर से आंदोलन जारी रखने की घोषणा की है।

दिल्ली में तीन साल की सबसे ठंडी सुबह

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में मौसम ने करवट लेनी शुरू कर दी है। मंगलवार को अक्टूबर की पिछले तीन वर्षों की सबसे ठंडी सुबह दर्ज की गई। सफदरजंग में न्यूनतम तापमान 15.3 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 1.9 डिग्री कम है। सुबह और शाम के समय ठंड का अहसास बढ़ने लगा है। मौसम विभाग के अनुसार, पालम में न्यूनतम तापमान 15.5 डिग्री, लोधी रोड में 15.6 डिग्री, रिज क्षेत्र में 16.2 डिग्री और आयानगर में 15.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इससे पहले 27 अक्टूबर 2023 को दिल्ली में न्यूनतम तापमान 15.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ था। वहीं, राजधानी का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 168 दर्ज किया गया, जो मध्यम श्रेणी में आता है। इससे संकेत मिलता है कि वायु प्रदूषण का स्तर अभी भी चिंता का विषय बना हुआ है। मौसम विभाग ने मंगलवार को आसमान में मुख्य रूप से बादल छाए रहने का अनुमान जताया है। दिन का अधिकतम तापमान लगभग 31 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। आने वाले दिनों में सुबह और शाम की ठंड बढ़ने के साथ मौसम में बदलाव महसूस हो सकता है।

पूर्वी दिल्ली के एसडीएम कार्यालय में बवाल, तहसीलदार से मारपीट के बाद कामकाज ठप; 10 वकीलों पर केस दर्ज

नई दिल्ली (एजेंसी)। गीता कॉलोनी स्थित एसडीएम कार्यालय में तहसीलदार के साथ मारपीट और गाली-गलौज करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि दस वकीलों ने जबरन तहसीलदार कार्यालय में घुसकर पटपड़गंज के तहसीलदार मनोज कुमार सिंह को बुरी तरह से पीटा। इस मामले में दिल्ली के सभी तहसीलदार लामबंद है। दिल्ली के सभी तहसीलदार कार्यालय में कामकाज ठप हड़ताल है। पीड़ित तहसीलदार की शिक़ायत पर लक्ष्मी नगर थाना पुलिस ने वकील अभय वोहरा, उनके पिता और अन्य वकीलों पर सरकारी कामकाज के दौरान मारपीट करने, धमकी देने और काम में बाधा डालने का आरोप में केस दर्ज किया है। मंगलवार को डीएम कार्यालय में दिल्ली के सभी तहसीलदार जमा हुए और वकीलों के खिलाफ प्रदर्शन किया। पुलिस को दी गई शिकायत के अनुसार, 23 अक्टूबर को तहसीलदार एसएन सिंह एसडीएम कार्यालय के कमरा नंबर 17 में सरकारी कामकाज कर रहे थे। इसी दौरान अधिवक्ता अभय वोहरा अपने पिता और अन्य अधिवक्ताओं के साथ वहां पहुंचे। आरोप है कि एक मुवक्किल के एसएमसी आवेदन को रद करने के मुद्दे पर अधिवक्ता की तहसीलदार से कहासुनी हो गई। तहसीलदार ने शिकायत में बताया कि दो सगे भाइयों की उम्र के अंतर से संबंधित मामले में उन्होंने प्रमाणपत्र जारी करने से इंकार कर दिया था। इसी बात को लेकर विवाद हुआ।

शाहदरा थाने में वकीलों से मारपीट पर भड़के सौरभ भारद्वाज, बोले-पुलिस की बर्बरता और सरकार के खिलाफ एकजुट हों अधिवक्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। शाहदरा पुलिस स्टेशन में वकीलों के साथ मारपीट का मामला सामने आने के बाद अधिवक्ताओं की हड़ताल और पुलिस की कार्रवाई को लेकर विवाद गहरा गया है। आम आदमी पार्टी के नेता सौरभ भारद्वाज ने इस मामले में अधिवक्ताओं से एकजुट होने की अपील करते हुए पुलिस की कार्यशैली और सरकार के रवैये पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस की बर्बरता और सरकार के अहंकार के खिलाफ सभी अधिवक्ताओं को एक साथ खड़ा होना चाहिए। सौरभ भारद्वाज के मुताबिक, शाहदरा थाने में वकीलों के साथ कथित मारपीट की घटना के विरोध में अधिवक्ता हड़ताल पर हैं। वकीलों का आरोप है कि पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार नहीं करने के बदले रिश्वत ली थी। भारद्वाज ने आरोप लगाया कि वकीलों की शिकायत पर थाना प्रभारी (एसएचओ) के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के बजाय पुलिस ने अधिवक्ताओं के खिलाफ ही एफआईआर दर्ज कर दी। उन्होंने इस कार्रवाई को लेकर सवाल उठाते हुए कहा कि जब कानून के रखवाले ही न्याय की मांग कर रहे हों और उनके खिलाफ ही कार्रवाई होने लगे, तो यह गंभीर चिंता का विषय है।

व्यापारिक संगठनों ने की रामलीला मैदान को धरना स्थल की लिस्ट से हटाने की मांग

–रामलीला मैदान में प्रदर्शन हुआ तो 5 किलोमीटर के दायरे में 20 से ज्यादा बाजार होंगे प्रभावित

–सीटीआई ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को पत्र भेजकर की रैली स्थगित करने की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी।
त्योहारी सीजन के बीच रामलीला मैदान को धरना स्थल घोषित किए जाने पर व्यापारिक संगठनों ने विरोध जताते हुए इसे डिनोटिफाई करने की मांग की है। वहीं, व्यापारिक संगठन सीटीआई और सदर बाजार के व्यापारियों ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को पत्र भेज रैली को दीपावली तक के लिए स्थगित करने की मांग की है। सीटीआई का कहना है कि बीते 25 दिनों के धरने-प्रदर्शनों के कारण दिल्ली में 3,000 करोड़ रुपए के कारोबार का नुकसान हो चुका है। दिवाली तक धरने-प्रदर्शन जारी रहे तो 10,000 करोड़ रुपए से ज्यादा के नुकसान की संभावना है। सीटीआई के चेयरमैन बृजेश गोयल का कहना है कि कांग्रेस अध्यक्ष ने दिल्ली के व्यापारियों की इस मांग को लेकर सकारात्मक जवाब दिया है, लेकिन अब कांग्रेस एक नवंबर को ही रैली करने की तैयारी कर रही है। उन्होंने बताया कि त्योहारी सीजन में रैली हुई तो धनतेरस और दीपावली पर होने वाला कारोबार ठप हो जाएगा। रूट डायवर्जन और जाम के कारण ग्राहक बाजारों में नहीं पहुंच सकेंगे। सीटीआई का कहना है कि धनतेरस पर दिल्ली में सभी सेक्टरों में लगभग 25 हजार करोड़ का कारोबार होता है। 8 नवंबर को दीपावली और 11 नवंबर को भैया दूज तक पीक सीजन रहता है।
उनका कहना है कि रामलीला मैदान में रैली हुई तो इसके पांच किलोमीटर के दायरे में आने वाले 20 बड़े बाजार, 3 लाख व्यापारी और 15 लाख लोगों की रोजी-रोटी प्रभावित होगी। इनमें चांदनी चौक, सदर बाजार, कश्मीरी गेट, चावड़ी बाजार, दरियागंज, कमला मार्केट, भागीरथ पैलेस, खारी बावली, नया बाजार, आजाद मार्केट, दरीबा ज्वैलरी मार्केट, किनारी बाजार, नबी करीम, करोल बाग, झंडेवालान, जामा मस्जिद समेत अन्य बाजार बुरी तरह प्रभावित होंगे।

सदर बाजार के व्यापारियों ने भी की रैली स्थगित करने की मांग

सदर बाजार बारी मार्केट ट्रेड एसोसिएशन के अध्यक्ष परमजीत सिंह पम्मा ने राहुल गांधी की एक नवंबर को प्रस्तावित रैली स्थगित करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि त्योहारों के दौरान दिल्ली के बाजारों में बड़ी संख्या में खरीदार पहुंचते हैं। ऐसे में रैली के कारण यातायात प्रभावित होने से व्यापारियों को करोड़ों रुपये का नुकसान हो सकता है। रास्तों में बदलाव और जाम से ग्राहकों को बाजार पहुंचने में परेशानी हो सकती है। उन्होंने राहुल गांधी और रैली के आयोजकों से व्यापारियों की आजीविका और आम लोगों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए तारीख पर पुनर्विचार करने की अपील की।

फैज रोड, करोल बाग में 100 साल पुराने मंदिर के रास्ते में सीवर का पानी भरने का आरोप,

स्थायी समाधान की मांग को लेकर आमरण अनशन की चेतावनी

नई दिल्ली। समाज सेवी चरणजीव मल्होत्रा ने संवाददाताओं को बताया कि राजधानी दिल्ली के करोल बाग क्षेत्र में फैज रोड की गली नंबर 15 से पुरानी एमसीडी वर्कशॉप की ओर जाने वाले रास्ते पर स्थित लगभग 100 साल पुराने मंदिर तक पहुंचने में लोगों को परेशानी होने का आरोप लगाया गया है। स्थानीय स्तर पर उठाई गई शिकायतों के अनुसार, मंदिर के रास्ते में बार-बार सीवर का गंदा पानी भर जाता है, जिससे श्रद्धालुओं को आवागमन में कठिनाइयों का सामना करना प ?ता है। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो पाया है। इस स्थिति को लेकर अब आमरण अनशन की मांग और चेतावनी सामने आई है। उन्होंने कहा कि मंदिर तक पहुंचने वाले रास्ते पर सीवर का पानी जमा होने, स ?क की स्थिति खराब होने और दोनों ओर की पटरियों पर अतिक्रमण की शिकायतें स्थानीय नागरिकों की चिंता बढ़ा दी है। शिकायतकर्ताओं ने संबंधित विभागों, नगर निगम के अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से तत्काल हस्तक्षेप कर समस्या का स्थायी समाधान निकालने की अपील की है। मंदिर के रास्ते में गंदा पानी भरने से श्रद्धालु परेशान- स्थानीय श्रद्धालु द्वारा उठाए गए मुद्दे के अनुसार, फैज रोड की गली नंबर 15 से पुरानी एमसीडी वर्कशॉप की ओर जाने वाले मार्ग पर स्थित पुराने मंदिर तक पहुंचने के रास्ते में सीवर का पानी जमा होने की समस्या बार-बार सामने आती है। श्रद्धालुओं के लिए मंदिर तक पहुंचने का रास्ता साफ और सुरक्षित होना जरूरी है, लेकिन गंदे पानी के कारण उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ता है। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि सुबह के समय भी सीवर ओवरफ्लो होने की समस्या देखने को मिलती है। यदि ऐसा नियमित रूप से हो रहा है, तो इसकी तकनीकी जांच कर यह पता लगाना आवश्यक है कि सीवर लाइन में रुकावट, क्षमता की कमी, खराब निकासी व्यवस्था या किसी अन्य कारण से पानी सड़क पर आ रहा है। चरणजीव मल्होत्रा ने कहा कि स्थानीय नागरिकों का कहना है कि समस्या का समाधान केवल कुछ समय के लिए पानी हटाने से नहीं होगा। इसके लिए सीवर व्यवस्था की जांच, नियमित सफाई और आवश्यक मरम्मत जैसे कदम उठाने होंगे, ताकि लोगों को बार-बार उसी परेशानी से न गुजरना पड़े। जब संबंधित विभागों तक समस्या की जानकारी पहुंचाई जा चुकी है, तो अब तक इसका स्थायी समाधान क्यों नहीं किया गया। उनका कहना है कि नागरिकों को अपनी बुनियादी समस्याओं के समाधान के लिए बार-बार शिकायत करने के लिए मजबूर नहीं होना चाहिए। सीवर का गंदा पानी स ?क पर जमा होने से दुर्गंध, फिसलन और स्वच्छता संबंधी परेशानियां पैदा हो सकती हैं। लंबे समय तक ऐसी स्थिति बनी रहने पर आसपास रहने वाले

लोगों, दुकानदारों, राहगीरों और मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं को अतिरिक्त कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी है कि वे मौके का निरीक्षण करें, समस्या की वास्तविक वजह का पता लगाएं और समाधान के लिए समयबद्ध कार्रवाई करें। साथ ही, शिकायत पर की गई कार्रवाई की जानकारी स्थानीय लोगों को भी दी जानी चाहिए, जिससे लोगों को यह भरोसा हो कि उनकी समस्या को गंभीरता से लिया जा रहा है। सड़क और पटरियों पर अतिक्रमण की शिकायत- सीवर की समस्या के साथ-साथ स्थानीय लोगों ने सड़क के दोनों ओर की पटरियों पर अतिक्रमण होने की शिकायत भी उठाई है। उनका कहना है कि अतिक्रमण के कारण पैदल चलने वालों को परेशानी होती है और रास्ते से गुजरना कठिन हो सकता है। सड़क और फुटपाथ सार्वजनिक उपयोग के लिए होते हैं। ऐसे में संबंधित विभागों को मौके का निरीक्षण करके यह देखना चाहिए कि कहां अतिक्रमण है, उससे पैदल यात्रियों के आवागमन पर कितना असर पड़ रहा है और नियमों के अनुसार क्या कार्रवाई की जा सकती है। अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई निष्पक्ष और नियमसम्मत होनी चाहिए। इसके साथ ही यह सुनिश्चित करना भी जरूरी है कि सड़क की मरम्मत, सीवर की सफाई और जल निकासी के कार्यों में किसी प्रकार की बाधा न आए। प्रशासन से समयबद्ध कार्रवाई की मांग- फैज रोड, करोल बाग की इस समस्या को लेकर उठाई गई शिकायतों का समाधान केवल आश्वासन देने से नहीं, बल्कि जमीन पर कार्रवाई से संभव होगा। संबंधित विभागों को सीवर लाइन का निरीक्षण, आवश्यक सफाई और मरम्मत, सड़क की स्थिति का आकलन तथा अतिक्रमण संबंधी शिकायतों की जांच करनी चाहिए। इसके साथ ही, शिकायतकर्ताओं को यह बताया जाना चाहिए कि समस्या दूर करने के लिए कौन-सा विभाग जिम्मेदार है, कार्रवाई कब तक पूरी होगी और भविष्य में सीवर ओवरफ्लो रोकने के लिए क्या व्यवस्था की जाएगी। मल्होत्रा ने बताया कि करीब 100 साल पुराने मंदिर तक पहुंचने वाला रास्ता स्थानीय नागरिकों और श्रद्धालुओं के लिए महत्वपूर्ण है। धार्मिक स्थल तक जाने वाले मार्ग की स्वच्छता और सुगमता सुनिश्चित करना प्रशासनिक व्यवस्था का अहम हिस्सा है। इस मामले में किसी भी तरह की लापरवाही सामने आने पर उचित कार्रवाई होनी चाहिए।

पशु चोरी करने वालों ने की थी कारोबारी से छिनैती की वारदात

कौशांबी। सीमांत विहार निवासी बेकरी कारोबारी राजेश को पिस्टल व चाकू दिखाकर चेन छिनैती करने वाले कार सवार आरोपियों को पुलिस ने रविवार सुबह मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया मामले का खुलासा किया। आरोपी दिल्ली के राजपार्क स्थित मंगोलपुरी निवासी सुजल, बेगमपुरी के कैलाश विहार का रहने वाले संदीप और विशाल हैं। मुठभेड़ में आरोपी सुजल के पैर में गोली लगने से वह घायल हो गया। पूछताछ में तीनों आरोपियों ने 25 अगस्त की सुबह बेकरी कारोबारी से छिनैती करने की बात स्वीकार की है। तीनों के पास से वारदात में इस्तेमाल हुई कार, चाकू, तमंचा व कुछ नकदी बरामद हुई है। एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि सात सितंबर की सुबह 2/5 की पुलिया पर पुलिस चेकिंग कर रही थी। इस दौरान एक कार को चेकिंग के लिए रोकने का प्रयास किया था। कार चालक ने गाड़ी रोकने की जगह दूसरे रास्ते पर दौड़ा दिया लेकिन कुछ दूरी पर ही कार टकराने की वजह से रुक गई। तीनों आरोपी गाड़ी से निकलकर फायरिंग करते हुए भागे। जवाबी कार्रवाई में एक गोली आरोपी सुजल के पैर में लगी। इसके बाद पुलिस ने तीनों को दबोच लिया। पुलिस की पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि तीनों मिलकर गाजियाबाद व दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में लूट, छिनैती और चोरी की वारदातों को अंजाम देने की बात स्वीकार की है। एसीपी ने बताया कि तीनों आरोपी मुख्यरूप से पशु चोर हैं। अधिकतर घरों के बाहर बंधे पशुओं को चुराकर उन्हें बेचने का काम करते हैं। पशु चोरी के कई मामले तीनों के खिलाफ दर्ज हैं। जिस कार में आरोपी घूम रहे थे वह कार आरोपी सुजल की थी, जिस पर नकली नंबर प्लेट लगाकर वारदातों को अंजाम देते थे। बताया कि सुजल के खिलाफ लूट, छिनैती व चोरी का माल बरामद होने व आर्म्स एक्ट में एक दर्जन मामले दर्ज हैं। आरोपी संदीप के खिलाफ आधा दर्जन और विशाल पर भी इन अपराधों में आधा दर्जन मुकदमे हैं।

हिसाब गलत बताकर होटल कारोबारी को धमकाया

इंदिरापुरम। वसुंधरा सेक्टर तीन स्थित होटल हवेली पैलेस के मालिक विकास जैन ने पेंटर के भाई पर अकरम नाम के व्यक्ति पर धमकी देने और दबाव बनाकर ज्यादा रुपये मांगने का आरोप लगाया है। आरोप है कि तीन सितंबर को आरोपी ने उनके कार्यालय पहुंचकर उनके कर्मचारी को भी धमकी दी। छह सितंबर को पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। दर्ज मुकदमे में होटल कारोबारी विकास जैन ने बताया कि उनका पेंटर के साथ रुपयों का हिसाब-किताब चल रहा है। बताया कि वह सही हिसाब मानने से इन्कार करते हुए ज्यादा रुपयों की मांग कर रहा है। आरोप है कि एक सितंबर को उसका भाई अकरम उनके कार्यालय पहुंचा

मुख्यमंत्री ने जी0सी0सी0 इनोवेशन समिट-2026 में 05 निवेशकों को लेटर ऑफ कम्फर्ट प्रदान किए

प्रथम पृष्ठ का शेष

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश की जी0सी0सी0 नीति-2024 ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर स्थापित करने वाली कम्पनियों के लिए विभिन्न प्रोत्साहन उपलब्ध कराती है। इनमें भूमि सम्बन्धी प्रोत्साहन, परिचालन व्यय सहायता, पेरोल इंसेंटिव और एस0जी0एस0टी0 रीइम्बर्समेंट जैसे प्रावधान शामिल हैं। उन्होंने उद्योग जगत के प्रतिनिधियों से उत्तर प्रदेश में उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाने तथा प्रदेश के जी0सी0सी0 ईकोसिस्टम को विकसित करने में सहभागी बनने का आह्वान किया। प्रदेश सरकार निवेशकों को आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। यह आयोजन उत्तर प्रदेश में निवेश, नवाचार, तकनीक और रोजगार के नए अवसरों के विस्तार में सहायक होगा। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में आई0टी0, आई0टी0-सक्षम सेवाओं और इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम डिजाइन एवं विनिर्माण से जुड़ी 230 से अधिक कम्पनियां कार्यरत हैं। उन्होंने Microsoft, IBM, Adobe, NXP, TCS, HCL Technologies औरU L&T Semiconductor Technologies जैसी कम्पनियों का उल्लेख किया। उन्होंने LG Electronics, Haier, Di&on Technologies, Addverb और U Vivo और टपअव जैसी कम्पनियों की मौजूदगी का भी उल्लेख करते हुए कहा कि प्रदेश में इलेक्ट्रॉनिक्स और उन्नत विनिर्माण का ईकोसिस्टम विकसित हुआ है। आई0आई0टी0 कानपुर के सहयोग से नोएडा में तथा आई0आई0आई0टी0 लखनऊ और आई0आई0एम0 लखनऊ के सहयोग से लखनऊ में डीपटेक हब स्थापित करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश स्टार्टअप मिशन, नई स्टार्टअप नीति और स्टेट ए0आई0 मिशन के माध्यम से नवाचार आधारित अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जी0सी0सी0 क्षेत्र के विकास के लिए कुशल, तकनीकी रूप से सक्षम और भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार मानव संसाधन महत्वपूर्ण है। प्रदेश में प्रतिवर्ष लगभग 02 लाख स्त्रझश्वरू स्नातक तैयार हो रहे हैं। राज्य सरकार युवाओं को कौशल, नवाचार और तकनीक से जोड़कर उद्योगों के अनुरूप कार्यबल तैयार करने पर जोर दे रही। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, क्लाउड कम्प्यूटिंग, थ्री-डी प्रिंटिंग, रोबोटिक्स, डेटा एनालिटिक्स, साइबर सिक्योरिटी, इण्टरनेट ऑफ थिंग्स, ड्रोन टेक्नोलॉजी और ग्रीन हाइड्रोजन जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देने के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किए जा रहे हैं। प्रदेश में सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्कों का विस्तार भी किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश में स्टार्टअप की संख्या वर्ष 2017 से पहले लगभग 120 थी, जो बढ़कर 25,000 हो गई है। तकनीकी शिक्षा संस्थानों, कौशल विकास कार्यक्रमों और उद्योगों के बीच सहयोग से युवाओं को भविष्य की तकनीकों के लिए तैयार किया जा रहा है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि नोएडा और ग्रेटर नोएडा क्षेत्र आई0टी0, इलेक्ट्रॉनिक्स, मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस सेक्टर के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित हुआ है। यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) क्षेत्र में लगभग 25,000 हेक्टेयर का लैण्ड बैंक उपलब्ध है। इस क्षेत्र में फिल्म सिटी, टॉय पार्क, अपैरल पार्क, मेडिकल डिवाइस पार्क, एम0एस0एम0ई0 पार्क, डेटा सेंटर पार्क, हैंडीक्राफ्ट पार्क और लॉजिस्टिक्स हब जैसी परियोजनाओं का विकास किया जा रहा है। नोएडा इण्टरनेशनल एयरपोर्ट परियोजना तथा उत्तर भारत की पहली सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग यूनिट की स्थापना से इस क्षेत्र के विकास में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। इन परियोजनाओं से उन्नत विनिर्माण, तकनीक, लॉजिस्टिक्स और सेवा क्षेत्र में निवेश की संभावनाएं बढ़ेंगी। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि लखनऊ, कानपुर, झांसी, आगरा, अलीगढ़ और चित्रकूट में उत्तर प्रदेश डिफेंस इण्डस्ट्रियल कॉरिडोर विकसित किया जा रहा है। प्रदेश में रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में नई संभावनाएं विकसित हुई हैं। उन्होंने लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल निर्माण इकाई का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य सरकार ने देश की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए परियोजना के लिए निःशुल्क भूमि उपलब्ध कराई। इस परियोजना में युवाओं को रोजगार देने के उद्देश्य से शैक्षणिक संस्थानों के माध्यम से कैम्पस चयन की व्यवस्था भी की गई। ब्रह्मोस परियोजना में लगभग 500 युवा इंजीनियर जुड़े हैं। प्रदेश में रक्षा विनिर्माण क्षेत्र के लिए 35,000 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इसके अतिरिक्त 27 इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग एण्ड लॉजिस्टिक्स क्लस्टर विकसित किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश असीम सम्भावनाओं का प्रदेश है।

NAME CHANGE

I, hitherto known as Viresh Kumar alias Vijendra Sharma S/O: Sheel Chand Sharma, R/O E-285, Sector-15, Noida, Noida, Gautam Buddha Nagar, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh, 201301, have changed my name and shall hereafter be known as Viresh Kumar.

NAME CHANGE

I, JC-708650P, Rank- NB SUB, Name- SIRINIVASARAO KILLI residing at H NO- 1-26, VILL- REVALLU, PO-LAKKAVARAM, TEHSIL-CHODAVARAM, DIST- VISAKHAPATNAM, ANDHRA PRADESH- 531075, have changed my father's name from DEMUDU to KILLI DEMUDU for all future purposes and in my service records my father's date of birth wrongly mentioned as 01/07/1958 instead of his correct date of birth as 08/09/1957, vide Affidavit dated 27/10/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, JC-708650P, Rank- NB SUB, Name- SIRINIVASARAO KILLI residing at H NO- 1-26, VILL- REVALLU, PO-LAKKAVARAM, TEHSIL-CHODAVARAM, DIST- VISAKHAPATNAM, ANDHRA PRADESH- 531075, have changed my mother's name from SURYANARAYANAMMA to KILLI SURYANARAYANAMMA for all future purposes, vide Affidavit dated 27/10/2026 before Notary Public, Delhi.

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्री बलवीर कुमार (पुत्र श्री बंसी लाल) संपत्ति संख्या 23, 24 और 25 (कुल क्षेत्रफल 75 वर्ग गज) पर बने अपर ग्राउंड फ्लोर के मालिक हैं। यह संपत्ति खसरा नंबर 33/18 के अंतर्गत आती है और गांव निलोधी, गुरु नानक विहार एक्सटेंशन, निलोधी एक्सटेंशन, नई दिल्ली-110041 में स्थित है। वे इसके मालिक तक्क्ष स्क्क्र,ञ्चस् ओर 05.08.2020 की वसीयत के आधार पर बने हैं, जिसे सरदार शलिंदर सिंह (पुत्र सरदार कुलदीप सिंह) ने श्री बलवीर कुमार (पुत्र श्री बंसी लाल) के पक्ष में निष्पादित किया था। संपत्ति के दस्तावेजों की मूल प्रतियां खो गई हैं, जिसके संबंध में 26.10.2026 को ऑनलाइन स्न्रढ्ढक्र (स्क्र नंबर- 751145/2026) दर्ज कराई जा चुकी है। इस संपत्ति के लिए शुभम हाउसिंग डेवलपमेंट फाइनेंस कंपनी लिमिटेड से फाइनेंस लिया गया है। आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति का इस संपत्ति पर कोई दावा, अधिकार, हक या कोई विवाद है, तो कृपया इस सूचना के 07 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पते पर लिखित रूप में सूचित करें.

Rahul Raj, Advocate,
SGRR Associates LLP
B-01, Plot no. 20,
Koushambhi near HDFC Bank, U.P.
E-MAIL:
sgrrassociatesllp@gmail.com
Ph: 8130309204

NAME CHANGE

I hitherto known as YASHU D/O KULJEET BHATI R/O kaimrala chakrasenpur, PO: Dadri, District Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-203207, have changed my name and shall hereafter be known as HARSHITA BHATI.

NAME CHANGE

I hitherto known as Priyanshu S/o Lal Chand R/o H No-6 Ganeshpura, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201001 have changed my name and shall hereafter be known as Priyanshu Singh.

NAME CHANGE

I, SANDESH UPADHYAY S/O DEVESH UPADHYAY R/O PLOT NO 132/F2, VIKRAM ENCLAVE, SAHIBABAD GHAZIABAD UTTAR PRADESH-201005, have changed the name of my minor daughter RADHIKA UPADHYAY aged 07 years and She shall hereafter be known as DRITI UPADHYAY.

NAME CHANGE

I NAJMA KHATUN legally wife of Army No -15230071M, Rank - Hav Name - Md Safai Mirza
Presently Residing At, Post- Ekpaharia, Teh - kandi,
Dist - Murshidabad
State- West Bengal, Pin - 742132 have changed my name from NAJMA KHATUN to NAJMA MD SAFAI MIRZA for all future purposes, Vide affidavit dated 27/10/2026 before Notary Delhi.

PUBLIC NOTICE

GENERAL PUBLIC IS HEREBY INFORMED THAT MR. NITIN KUMAR IS OWNER AND IN POSSESSION OF PLOT AREA MEASURING 150 SQ. YDS., OUT OF KHASRA NO. 123, SITUATED IN THE AREA OF VILLAGE WAZIRABAD, DELHI STATE DELHI (SAID PROPERTY) AND ACQUIRED THE SAID PROPERTY VIDE NOTARIZED GPA, ATS AND WILL DEED DATED 05.01.2025 EXECUTED BY MR. RAJESH GOEL IN FAVOUR OF MR. NITIN KUMAR. NOW MR. HEMANT SINGH IS GOING TO PURCHASE THE SAID PROPERTY, FROM OWNER / SELLER MR. NITIN KUMAR, WHICH WILL BE MORTGAGED WITH TRU HOME FINANCE LIMITED AS SECURITY AGAINST HOUSING LOAN FOR PURCHASING OF SAID PROPERTY. PLEASE CONTACT WITH WRITTEN OBJECTION LETTER AND RELEVANT DOCUMENTS TO UNDERSIGNED IF ANYONE HAS AN OBJECTION IN RESPECT OF SAID PROPERTY WITHIN 10 DAYS OF THIS PUBLICATION.

ADITYA VERMA, ADVOCATE
E-16, E-BLOCK, MANSAROVAR PARK, SHAHDARA, DELHI-110032.
MOBILE NO. 9958996685.

NAME CHANGE

I, MONICA GUPTA W/o RAJA EDWARD R/o B-3 Takshshila Apartments 57 IP Extensions Patparganj, New Delhi, Delhi-110092 have changed my name from MONICA GUPTA to MONICA EDWARD for all purposes.

NAME CHANGE

I, Muhammad Yusuf S/o Muhammad Ishaq R/o E-20/7A GALI NO.7 SUBHASH VIHAR NORTH GHONDA NORTH EAST DELHI - 110053 have changed my name to MOHD YUSUF permanently.

NAME CHANGE

I, Mohammad Haroon Khan S/o Mohammad Ishaq Khan R/o E-20/7A GALI NO.7 SUBHASH VIHAR NORTH GHONDA NORTH EAST DELHI - 110053 have changed my name to MOHD HAROON KHAN permanently.

NAME CHANGE

I, SONU S/O RAJ KUMAR R/O 108, GALI NO 3, SAIDUL AZAIB, NEW DELHI 110030 have changed my name from MOHD SHAHNWAZ to SONU and henceforth I shall be known as SONU for all future purposes.

NAME CHANGE

I hitherto know as MEHANDI S/O BASHIR R/O B-51 Shiv Vatika Banaita Hajeepur Loni, Ghaziabad Ghaziabad, Uttar Pradesh 201102 have change my name and shall hereafter be known as KAYAM MEHNDI

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि हमारे मुवक्किल श्री अलीसैन (पुत्र श्री सकरीदीन) एक आवासीय भूखंड के मालिक हैं। यह भूखंड खसरा नंबर 147-148 के अंतर्गत आता है और इसका क्षेत्रफल 35 वर्ग गज (यानी 29.26 वर्ग मीटर / 315 वर्ग फुट) है। यह संपत्ति केशव नगर (हडबस्त ग्राम बेहताहाजीपुर), परगना व तहसील लोनी, जिला गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) में स्थित है। इसके मालिकाना हक का आधार 25.09.2023 की सेल डीड (दस्तावेज संख्या 14268, एस.आर. लोनी) है। इसके अलावा, 07.06.2010 की एक मूल सेल डीड (दस्तावेज संख्या 15201) भी है, जिसे स्वर्गीय श्री हबीब की पत्नी श्रीमती हमीदान ने मोहम्मद अय्यूब (पुत्र अब्दुल रशीद) के पक्ष में निष्पादित किया था। हमारे मुवक्किल इस संपत्ति को हिंदुजा हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (HHFL) के पास गिरवी रखकर वित्तीय सहायता प्राप्त करना चाहते हैं। बैंक/NBFC की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, हम यह सार्वजनिक सूचना जारी कर रहे हैं कि यदि किसी व्यक्ति को इस संपत्ति के स्वामित्व, किसी तीसरे पक्ष के हित, किसी विवाद, दावे, अधिकार या इसे गिरवी रखने को लेकर कोई आपत्ति है, तो कृपया 07 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पते पर लिखित रूप में सूचित करें।

विनायक लॉ एसोसिएट्स
एडवोकेट्स एंड कंसल्टेंट्स
11-ए, दूसरी मंजिल, जी.टी. रोड, कटोरी मिल, मोहन नगर, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश (पिन-201007)
मोबाइल नंबर- 8287791054, 9891522694

NAME CHANGE

I, hitherto known as Aqsa Usmani W/O Mohd Rameez, R/O
65, kajiwada dakshini,
VTC: Budhana,
PO: Budhana,
Sub District: Budhana,
District: Muzaffarnagar,: Uttar Pradesh, 251309, have changed my name and shall hereafter be known as Afsha.

NAME CHANGE

I hitherto known as Ashfaque Ahsan Ali Qureshi S/O Ahsan Ali Qureshi, R/O House No.-315, 100-Futa Road Prem Nagar, Loni Dehat, Ghaziabad, Loni, Uttar Pradesh, 201102, have changed my name and shall hereafter be known as ASHFAQUE ALI AHSAN ALI QURESHI.

NAME CHANGE

I, ZAFAR SULTAN BATLA S/o Mohd Sultan Batla R/o H.NO.2061, Qasim Jan Street, Ballimaran, Chandni Chowk, Delhi-110006, declare that the name of my father is wrongly written as Sultan Batla in my passport no.T5640632 The actual name of my father is Mohd Sultan Batla which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE

Information is hereby given to the general public that our client Mr. Sanjay Kumar & Mr. Rakesh Kumar both Ss/o Mr. Shyam Lal are the owner and in possession of a Freehold Residential (Property ID No. 3P8WBAL7) House No. EP-685-687, Built on Property No. 1177-A, (land area measuring 126.22 Sq. Yds. As Per Property Certificate) Situated at Lal Dora Mohalla Khol Kalan, District Palwal, Haryana. -121102., Our client acquired the said property by virtue of a Will Dated 08.08.2007., in the chain documents below mentioned documents not available i.e. CTC of Probate Order of Will dated 08.08.2007., Therefore, our client hereby declares that except him, no other person has any right, title, interest, claim or objection in respect of the above-mentioned property., and same property sold to be Mr. Dhiraj and the said property to be financed/ mortgaged with People Home Finance Ltd. Branch: FARIDABAD. Haryana. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
1/566-A, Ground Floor,
Sector-1, Vaishali,
Ghaziabad, Uttar
Pradesh-201010.
Contact at
09958871432

NAME CHANGE

I , Sachin Singh S/O Late Sh.Charan Singh,R/O II B/55-B,, Sector-2, Vaishali,, I.E.Sahibabad, PO: I.e.sahibabad, DIST: Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201010, have changed the name of my minor daughter Raghavi Parcha aged 4 years and she shall hereafter be known as Raghavi Singh.

NAME CHANGE

It is for general information that I, BHAGWAT JINDAL, S/o BHIM SAIN JINDAL, residing at Flat No 31, Tower-1 Project Palm Olympia, Plot No Gh-02, Sector-16c, Po: Roza Yakubpur, District: Gautam Buddha Nagar, State: Uttar Pradesh-201009 declare that name of mine & my father has been wrongly written as BHAGWAT DAYAL and BHIM SINGH in my Aadhar card, Pan Card, Voter Card, and Passport The actual name of mine & my father are Bhagwat Jindal and Bhim Sain Jindal respectively, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE

Information is hereby given to the general public that our client Mrs. Pinki W/o Mr. Yashpal Singh is the owner and in possession of a Freehold Residential Land area measuring 0.023048 Hect. i.e. 275.56 sq. yds., out of Bhumi no. 189 Situated at Village Muradgarhi Pargana & Tehsil Jewar, District Gautam Budh Nagar, U. P.. Our client acquired the said property by virtue of a Sale Deed dated 24.01.2024 duly Regd. as Docs. No. 1190 in Book No. 1, Volume No. 6719 on Pages No. 171-186 on dated 24.01.2024 in SR- Jewar, Gautam Budh Nagar.., in the chain documents below mentioned documents not available i.e. Original Sale Deed dated 06.02.2023 executed by Mr. Dharampal Singh in favour of Mr. Deepak Bhati duly Regd. as Docs. No. 1036 in Book No. 1, Volume No. 6240 on Pages No. 123-138 on dated 06.02.2023 in SR- Jewar, Gautam Budh Nagar., & Death Certificate & SMC of Late. Mr. Bheema., Therefore, our client hereby declares that except him, no other person has any right, title, interest, claim or objection in respect of the above-mentioned property., and the said property to be financed/ mortgaged with Piramal Finance Ltd., Branch: Kaushambi Ghaziabad Uttar Pradesh. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
1/566-A, Ground Floor,
Sector-1, Vaishali,
Ghaziabad, Uttar
Pradesh-201010.
Contact at
09958871432

NAME CHANGE

I, KRISHNA GAUR S/O RAMJI GOND R/O 66 4TH FLOOR, GALI NO.1, A N D COLLEGE, GOVINDPURI, KALKAJI, DELHI-110019 HAVE CHANGED MY NAME TO KRISHNA GOND FOR ALL FUTURE PURPOSES.

NAME CHANGE

It is for general information that I SNEH SHERAWAT W/O SONU SINGHAL R/O House no- 607, nai Mohalla, Jhod Devli, South Delhi, Delhi-110062 declare that name of mine has been wrongly written as SNEH SINGHAL in my minor Daughter LEHAR SINGHAL aged 15 years in his school record. The actual name of mine is SNEH SHERAWAT which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, Ruksana W/O Rajesh Kumar, Ward No.09 Sunaro Wali Gali, Pana Chajjan, V.P.O Beri, Dist Jhajjar State Haryana Pin:124201 Have Changed My Name To Rashi Verma For All The Future Purposes.

NAME CHANGE

I, SHAM LAL ARORA S/o GOVERDHAN DASS ARORA R/o H.No. – F –D – 36 F F , Tagore , Garden , Tagore Gorden , West Delhi , Delhi – 110027 have changed my name to SHYAM LAL ARORA for all future purpose

NAME CHANGE

I, MOHAMMAD RAFIF AHMAD KHAN S/O SAFI AHMAD KHAN R/O 819, THIRD FLOOR, GALI NO.22, NEAR MOTI MASJID ZAKIR NAGAR, OKHLA, DELHI-110025 HAVE CHANGED MY NAME TO MD RAFIK AHMED KHAN.

NAME CHANGE

It is for general information that I, PRIYA AGGARWAL D/o PRADEEP AGGARWAL Ex W/o VISHNU RASTOGI, R/o B-14 T1 3rd Floor Phase-1 Vivek Vihar East Delhi-110095, declare that I got divorce from my ex-husband Vishnu Rastogi vide Karkardooma Family Court HMA No 855/19 2019 on 07.08.2019 further, changed the name of my minor Son Priyansh, aged about 9 years and he shall hereafter be known as PRIYANSH AGGARWAL, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I TARUN BHATNAGAR S/O SHYAM SUNDER BHATNAGAR R/O B-160 4TH FLOOR VIVEK VIHAR PHASE I DELHI 110095 HAVE CHANGED MY NAME TO TARUN BHATNAGGAR

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 CrPC / 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **अमन उर्फ मोंगली पुत्र** वसीम उर्फ वासिवल्ला **निवासी** मकान नं0 262, आर्य नगर, गली नं0-1, लोनी, गाजियाबाद (उ.प्र.), **यहां भी:** बी-एम/35सी, भूतल, गली नं0-11, अब्दुल्ला मॉडल स्कूल के पास, सुभाष मोहल्ला, दिल्ली, ने **E-FIR No. 024240/18, U/S 379/411/34 IPC, पुलिस स्टेशन भजनपुरा, उत्तर-पूर्व जिला, दिल्ली,** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किया गया गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **अमन उर्फ मोंगली** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **अमन उर्फ मोंगली** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)
इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **E-FIR No. 024240/18, U/S 379/411/34 IPC, पुलिस स्टेशन भजनपुरा, उत्तर-पूर्व जिला, दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त **अमन उर्फ मोंगली** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **01.12.2026** को या इससे पहले हाज़िर हो।

आदेशानुसार
सुश्री किरणदीप कौर
DP/15517/NE/2026 (Court Matter) **न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी-01, (उत्तर-पूर्व), कोर्ट नं0-5, द्वितीय तल, कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली**

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी/84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **कमल मनचंदा, निदेशक, M/s GTHS रिटेल्स प्राइवेट लिमिटेड, निवासी: डी-285, सेक्टर 47, नोएडा, उत्तर प्रदेश ने सीसी संख्या 9039/17 धारा 138 एनआई एक्ट के तहत** थाना: कोतवाली, दिल्ली के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **कमल मनचंदा** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **कमल मनचंदा** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। अतः इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **सीसी संख्या 9039/17 धारा 138 एनआई एक्ट के तहत थाना कोतवाली, दिल्ली के उक्त कमल मनचंदा** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **30.11.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
अरविंद तोमर
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-07
एनआई एक्ट-07, कोर्ट नं.507, एक्सटेंशन ब्लॉक तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली
DP/15491/N/2026

PUBLIC NOTICE

This is to notify the general public that My client Mr.Suraj Bhan and Smt.Baby, R/o: R-353, J.J. Colony, Raghubir Nagar, Tagore Garden, New Delhi -110027 has debarred her Son Manish Kumar and his wife Manisha Kataria from all her movable & Immovable properties with immediate effect. Anybody dealing with them in any manner shall do so at his/her own cost, risk & responsibility. My client shall be in no way responsible for any acts, deeds & things done by them.

Sanjay Kapoor & Associates
788, Tis Hazari Court, Delhi

सार्वजनिक सूचना

यह सामान्य जानकारी के लिए है कि मुझे पहले अनुजा टंडन, पुत्री वीरेंद्र नारायण टंडन के रूप में जाना जाता था, सी 31/1,पेपर मिल, निशातगंज लखनऊ 226006 और दिल्ली में पंजीकृत चिकित्सक की देखरेख में लिंग परिवर्तन चिकित्सा के बाद, मैंने अपना लिंग पुरुष के रूप में बदल लिया है, अब मुझे अनुजय टंडन पुत्र वीरेंद्र नारायण टंडन सी 31/1, पेपर मिल निशातगंज,लखनऊ 226006 के रूप में जाना जाता है। यह प्रमाणित किया जाता है कि मैंने इस संबंध में अन्य कानूनी आवश्यकताओं का अनुपालन किया है। मेरे द्वारा दिया गया उपरोक्त कथन मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार सत्य और सही है। यदि किसी भी स्तर पर इस संबंध में कोई कानूनी मुद्दा उठता है तो मैं व्यक्तिगत रूप से इसके लिए जिम्मेदार रहूंगा और प्रकाशन विभाग इसके परिणामस्वरूप उत्पन्न होने वाले किसी भी परिणाम के लिए उत्तरदायी नहीं होगा।

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्री राजा राम प्रजापति (पिता- श्री बाबू राम प्रजापति) एक संपत्ति खरीदने जा रहे हैं। यह संपत्ति C-ब्लॉक, सेवा सदन समिति, संगम विहार, गाँव देवली, तहसील हौज खास, महरौली, नई दिल्ली में स्थित है। इसका नंबर C-10/177 है और क्षेत्रफल 62 वर्ग गज है, जो खसरा नंबर 22/14/1 और 17/1 के अंतर्गत आती है। वे इसे श्री पवन कुमार चौरसिया (पिता- श्री शुकुल कुमार चौरसिया) से खरीद रहे हैं। श्री पवन कुमार चौरसिया, श्री मुकेश (पिता- श्री राम स्नेह) द्वारा 29.09.2000 को निष्पादित नोटरीकृत GPA, ATS और वसीयत के माध्यम से इस संपत्ति के मालिक बने थे। यह संपत्ति सभी प्रकार के भार, कानूनी दावों, बंधक (मॉर्गेज) या किसी तीसरे पक्ष के दावों से मुक्त है। इस संपत्ति की खरीद के लिए वास्तु हाउसिंग फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड (शाखा- नोएडा, उत्तर प्रदेश) द्वारा फाइनेंस (ऋण) उपलब्ध कराया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को इस संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति है, तो कृपया नोटिस की तिथि से 7 दिनों के भीतर लिखित में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति को कृपया नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक द्वारा और ईमेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजें। ऐसा न करने पर, उक्त दावा संबंधित संपत्ति के संबंध में अमान्य माना जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

संक्षिप्त डायरी

मानेसर में सफाई के लिए छह महीने में खर्च होंगे 7.60 करोड़ रुपये

एजेंसी

मानेसर। सड़कों की सफाई के लिए नगर निगम अगले छह महीने में 7.60 करोड़ रुपये खर्च करेगा। बड़ी सफाई एजेंसी को मंजूरी मिलने तक छोटी एजेंसी से काम कराया जाएगा। नगर निगम ने इसके लिए प्रक्रिया पूरी कर ली है।ल्ल नगर निगम ने सड़कों की सफाई के लिए पांच साल का करीब 107 करोड़ रुपये का टेंडर जारी किया है। इसे मंजूरी के लिए मुख्यालय भेजा गया है। मंजूरी मिलने तक छोटे टेंडर के जरिए सफाई का काम जारी रहेगा। मानेसर में सफाई व्यवस्था को लेकर लगातार शिकायतें मिल रही हैं। कई जगह कूड़े के ढेर लगे हैं। सड़कों के किनारे मिट्टी जमा है और कूड़ा जलाने की घटनाएं भी हो रही हैं। इससे प्रदूषण बढ़ने का खतरा बना हुआ है। नगर निगम में फिलहाल पेस्टटेक सोलुशन एजेंसी सफाई का काम कर रही है। कम कर्मचारी लगाने के आरोप में निगम ने एजेंसी को नोटिस भी दिया है। प्रदूषण के बीच सफाई की चुनौती सेक्टर-2 में प्रदूषण मापने की मशीन लगी हुई है। इसके आसपास भी सफाई व्यवस्था ठीक नहीं होने की बात सामने आई है। ग्रेप लागू होने के बावजूद सड़कों के किनारे धूल दिखाई देती है। ऐसे में नगर निगम के सामने सफाई व्यवस्था सुधारने की चुनौती है। नगर निगम के कार्यकारी अभियंता निजेश कुमार के बताया कि नई एजेंसी को काम सौंप दिया गया है। जल्द ही क्षेत्र में सफाई व्यवस्था को बेहतर किया जाएगा।

गुलाबी ठंड का दिखने लगा असर, सुबह-शाम मौसम सुहाना

एजेंसी

मानेसर। मिलेनियम सिटी में अब गुलाबी ठंड का असर दिखने लगा है। सुबह और शाम के समय हल्की ठंड महसूस हो रही है। इससे लोगों को गर्मी से राहत मिल रही है, हालांकि दोपहर में तेज धूप लग रही है। सोमवार को अधिकतम तापमान 32.3 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 16.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। रात के तापमान में गिरावट से ठंडक बढ़ी है। मौसम विभाग ने 29 और 30 अक्तूबर को मौसम बदलने की संभावना जताई है। इन दिनों आंधी-तूफान और बिजली कड़कने के साथ हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। बारिश से तापमान में गिरावट आएगी और दिन की गर्मी से भी राहत मिलेगी। आने वाले दिनों में ठंड का असर और बढ़ने की उम्मीद है।

इफ्को चौक से एसपीआर तक 7.5 किमी सड़क का होगा जीर्णोद्धार

एजेंसी

गुरुग्राम। इफ्को चौक से सदर्न पेरिफेरल रोड (एसपीआर) स्थित राजेश पायलट चौक तक सड़क का जीर्णोद्धार जल्द शुरू होगा। गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) ने करीब 7.5 किलोमीटर लंबी सड़क की विशेष मरम्मत का काम एक एजेंसी को आवंटित कर दिया है। सड़क की मरम्मत के साथ सतही नालियों, फुटपाथ और अन्य संबंधित कार्य भी कराए जाएंगे। दिल्ली-जयपुर हाईवे (एनएच-48) स्थित इफ्को चौक से मिलेनियम सिटी सेंटर मेट्रो स्टेशन, कन्हई चौक और वजीराबाद होते हुए एसपीआर को जोड़ने वाली सड़क शहर के प्रमुख मार्गों में शामिल है। सड़क की जर्जर हालत के कारण वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। सड़क पर यातायात का दबाव अधिक होने के कारण कई बार जाम की स्थिति भी बन जाती है। इस मार्ग पर दिल्ली मेट्रो के दो स्टेशन भी स्थित हैं, जिससे यहां लोगों की आवाजाही बनी रहती है। जीएमडीए की योजना के तहत इफ्को चौक, सेक्टर-28/29, सेक्टर-43/44, सेक्टर-52/52ए और सेक्टर-56/57 की डिवाइडिंग रोड होते हुए एसपीआर तक सड़क की विशेष मरम्मत कराई जाएगी। इसके साथ जल निकासी व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए सतही नालियों का निर्माण और मरम्मत तथा फुटपाथों का विकास भी किया जाएगा। जीएमडीए के मुख्य अभियंता प्रवीन चौधरी ने बताया कि इफ्को चौक से एसपीआर तक सड़क की विशेष मरम्मत कराई जाएगी। इसके साथ जल निकासी व्यवस्था और फुटपाथों से जुड़े कार्य भी किए जाएंगे। काम एक एजेंसी को आवंटित कर दिया गया है।

एसआईआर के खिलाफ प्रदर्शन में भाग लेंगे रेहड़ी पटरी विक्रेता

एजेंसी

गुरुग्राम । रेहड़ी-पटरी मजदूर यूनियन (सीटू) के पदाधिकारियों की सोमवार को महत्वपूर्ण बैठक हुई। इसमें पथ विक्रेताओं की बढ़ती समस्याओं, गुरुग्राम नगर निगम की कार्रवाई और संगठन की आगामी रणनीति पर विचार-विमर्श किया गया। यूनियन ने पथ विक्रेताओं के अधिकारों और आजीविका की सुरक्षा के लिए संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया। यूनियन के महासचिव चुरामन ने कहा कि नगर निगम गुरुग्राम द्वारा अतिक्रमण हटाने के नाम पर की जा रही मनमानी कार्रवाई अस्वीकार्य है। लंबे समय से टाउन वेंडिंग कमेटी (टीवीसी) की बैठक नहीं हुई है। पथ विक्रेताओं के वेंडिंग प्रमाणपत्र (सीओवी) के नवीनीकरण सहित कई समस्याएं लंबित हैं। चुरामन ने 4 नवंबर को निगमायुक्त से मुलाकात का प्रस्ताव रखा। इस दौरान टीवीसी की बैठक तत्काल आयोजित करने की मांग की जाएगी। सीओवी नवीनीकरण प्रक्रिया शुरू करने और मनमानी कार्रवाई रोकने पर जोर दिया जाएगा। बैठक में एक नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में प्रदर्शन पर भी चर्चा हुई। यह प्रदर्शन एसआईआर के विरोध में सीटू के साथ मिलकर आयोजित होगा। महासचिव चुरामन ने सभी पदाधिकारियों और कार्यकताओं से इसमें बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया।

गुरुग्राम में लगेंगी 2480 स्ट्रीट लाइटें, बढ़ेगी सुरक्षा

एजेंसी

गुरुग्राम। नगर निगम गुरुग्राम शहर में सड़क सुरक्षा और बेहतर रोशनी के लिए पहल कर रहा है। इसके तहत पहले चरण में 19 प्रमुख सड़कों पर कुल 2480 स्ट्रीट लाइटें लगाई जाएंगी। इस परियोजना का उद्देश्य रात में दृश्यता बढ़ाना और दुर्घटनाओं की आशंका कम करना है। पहले चरण में 10 सड़कों के फुटपाथों पर 2050 स्ट्रीट लाइटें स्थापित होंगी। इनमें हुडा सिटी सेंटर से सिग्नेचर चौक और हीरो होंडा चौक से बख्तावर चौक जैसी सड़कें शामिल हैं। मेदांता रोड के फुटपाथ पर लाइट लगाने का कार्य पहले ही पूरा हो चुका है। इसके अतिरिक्त, नौ सड़कों के सेंट्रल वर्ज पर 430 स्ट्रीट लाइटें लगाई जाएंगी। इनमें सेक्टर डिवाइडिंग रोड 45-46 और गुरुग्राम विश्वविद्यालय रोड प्रमुख हैं। इससे अंधेरे वाले स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होगी। दूसरे चरण के लिए सुझाव आमंत्रित सेंट्रल वर्ज पर लाइटें लगने से यातायात प्रबंधन और सुरक्षा में सुधार होगा। नगर निगम ने नागरिकों से दूसरे चरण के लिए सुझाव मांगे हैं। यदि उनके क्षेत्र की कोई सड़क सूची में नहीं है, तो वे निगम को सूचित कर सकते हैं। प्राप्त सुझावों पर विचार कर छूटी हुई सड़कों को दूसरे चरण में शामिल किया जाएगा। इस पहल से गुरुग्राम की सड़कों पर रोशनी की व्यवस्था और बेहतर होगी।

दक्षिण कोरिया के निवेश से 5 हजार से अधिक युवाओं को रोजगार की उम्मीद

एजेंसी

गुरुग्राम। जिले में निवेश बढ़ाने और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए दक्षिण कोरिया की कंपनियों से बातचीत चल रही है। इन कंपनियों के आने से जिले में 1000 करोड़ रुपये तक का निवेश आने की संभावना है। इससे 5 हजार से अधिक युवाओं को रोजगार मिलने की उम्मीद है। हरियाणा राज्य औद्योगिक एवं आधारभूत संरचना विकास निगम (एचएसआईआईडीसी) निवेश के लिए जमीन की तलाश कर रहा है। एचएसआईआईडीसी के उपमहाप्रबंधक अरुण गर्ग ने बताया कि कंपनियों की जरूरतों के अनुसार प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है।

डी एस एम पब्लिक स्कूल में खेल दिवस एवं वार्षिक उत्सव धूमधाम से मनाया गया

खेलों से होता है बच्चों का शारीरिक एवं मानसिक विकास : राम अवतार जिंदल

नोएडा। आज बहलोलपुर स्थित डी एस एम स्कूल में खेल दिवस एवं वार्षिक उत्सव बड़े हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने खेलकूद प्रतियोगिताओं और रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ खेल दिवस के मुख्य अतिथि, इंडिपेंडेंट स्कूल फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष एवं प्रख्यात शिक्षाविद् राम अवतार जिंदल ने विधिवत रिबन काटकर एवं नारियल फोड़कर किया। इस अवसर पर राम अवतार जिंदल ने कहा कि खेल हमारी आने वाली पीढ़ी के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। खेलों से बच्चों का शारीरिक एवं मानसिक विकास होता है और वे स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित होते हैं। उन्होंने प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले सभी

विजेता खिलाड़ियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। खेल दिवस के अवसर पर कक्षा नर्सरी से बारहवीं तक के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। हुला हूप रेस, लेमन रेस, रिले रेस, कबड्डी, खो-खो, वॉलीबॉल एवं टग ऑफ वॉर सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया और पदक जीते। इसके अतिरिक्त डम्बल ड्रिल, एरोबिक्स, ह्यूमन पिरामिड एवं कराटे ड्रिल जैसी आकर्षक प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। प्रतियोगिताओं में रेड हाउस ने सर्वाधिक पदक जीतकर अपना परचम लहराया। विद्यालय के प्रधानाचार्य पवन गुप्ता ने विजेता खिलाड़ियों को पदक एवं हाउस ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। उन्होंने खेल अध्यापक महक प्रजापति एवं प्रगति सिंह सिसोदिया सहित सभी सहयोगी शिक्षकों जिनमें कामनी गुप्ता, निशा वर्मा, वंदना, सीमा झा, नीलू, मीनाक्षी भारद्वाज, मीनाक्षी दयाल, सुनीता रावत, मोनिका, प्रियंका राजपूत, रोशनी, अनुष्का भास्कर, गीता राघव, प्रतिभा, निशा तंवर, वर्षा शर्मा, नीलू आदि के प्रयासों की भूरि-भूरि प्रशंसा की। रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मोहा दर्शकों का मन शाम को विद्यालय का वार्षिक उत्सव भी बड़े धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विजय कौशिक रहे। उन्होंने विधिवत रूप से कार्यक्रम का शुभारंभ किया। वार्षिक उत्सव में विद्यार्थियों ने एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में 'माई फ्रेंड गणेशा', 'ओ मात-पिता तुम्हें वंदन', 'गुरु वंदना', 'शेर-ए-बलूच', 'सोशल मीडिया एक्ट', 'सच्चे हिंदुस्तानी', 'बागवान एक्ट', 'नारी शक्ति' एवं 'मोबाइल की लत' जैसी प्रस्तुतियां विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। इन प्रस्तुतियों के माध्यम से विद्यार्थियों ने भारतीय संस्कृति, माता-पिता के प्रति सम्मान, गुरु की महिमा, देशभक्ति, नारी सशक्तीकरण तथा मोबाइल और सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव जैसे महत्वपूर्ण विषयों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। बच्चों की शानदार प्रस्तुतियों पर उपस्थित अतिथियों एवं अभिभावकों ने तालियां बजाकर उनका उत्साहवर्धन किया। मुख्य अतिथि विजय कौशिक ने बच्चों की प्रतिभा और उनके मंच प्रदर्शन की सराहना करते हुए सभी प्रतिभागियों एवं शिक्षकों को बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के सांस्कृतिक आयोजन बच्चों के आत्मविश्वास, रचनात्मकता और व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक नवीन यादव ने मुख्य अतिथि विजय कौशिक को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। साथ ही प्रबंधक महोदय ने आये हुए सभी अभिभावकों एवं अन्य अतिथियों का स्वागत एवं आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के प्रधानाचार्य पवन गुप्ता, शिक्षकों जिनमें बीनू सिंह, रिंकी गुप्ता, अनिता मिश्रा, भारती, खुशी, मोनिका, आर पी यादव, गोपाल कुमार, नितिन आदि एवं समस्त विद्यालय परिवार का महत्वपूर्ण योगदान रहा। खेलकूद प्रतियोगिताओं से लेकर सांस्कृतिक प्रस्तुतियों तक विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा, अनुशासन और आत्मविश्वास का शानदार परिचय दिया। पूरा विद्यालय परिसर उत्साह, उमंग और उल्लास से सराबोर रहा। इस अवसर पर स्कूल के संस्थापक रामी यादव, डॉ राजीव कुमार पुलिस अधीक्षक विजिलेंस मेरठ एवं बाहुबली नेता राष्ट्रीय परिवर्तन दल के अध्यक्ष डी पी यादव ने विशेष शुभकानाएं एवं बधाई दी।

पूर्व कर्मचारी पर लैपटॉप चुराने का आरोप

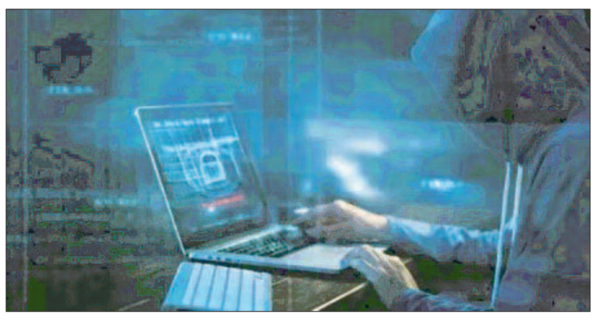

एजेंसी

नोएडा। सेक्टर-दो में लोन देने वाली कंपनी कार्यालय से लैपटॉप चोरी चुराने का मामला सामने आया है। आरोप पूर्व कर्मचारी पर लगा है। कंपनी प्रबंधक ने आरोपी और उसके दोस्त के खिलाफ सोमवार को फेज-वन थाने में केस दर्ज कराया है। कंपनी के प्रबंधक अफजल अली ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि सेक्टर-दो में फिनटेक क्लाउड कंपनी का कार्यालय है। इसकी सहायक कंपनी डिजायर लोन का कार्यालय दिल्ली के कीर्ति नगर और खिचड़ीपुर में है। कंपनी प्रबंधन लोन देने का काम करता है। 23 अक्तूबर की सुबह करीब नौ बजे एक संदिग्ध कंपनी कार्यालय में आया। वह कार्यालय से दो लैपटॉप अपने बैग में रखकर ले गया। सीसीटीवी कैमरों की फुटेज देखने पर पता चला कि चोरी करने वाला आरोपी बिहार के सुपौल के कदमपुरा का अजमतुल्लाह है। वह कार्यालय में पूर्व में काम करता था। इतना ही नहीं उसने अपने दोस्त शिवम के साथ मिलकर 19 अक्तूबर को कीर्ति नगर और 25 अक्तूबर को खिचड़ीपुर कार्यालय से दो-दो लैपटॉप चोरी किए। पुलिस से शिकायत की गई। पुलिस का कहना है कि शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच कराई जा रही है।

अंतरराष्ट्रीय शैक्षिक सम्मेलन में डॉ. आशा शर्मा ने साझा किए नवाचारपूर्ण शिक्षण के अनुभव

दादरी, गौतमबुद्ध नगर। सेंट हूड कॉन्वेंट स्कूल, दादरी की प्रधानाचार्या डॉ. आशा शर्मा ने भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) नागपुर में आयोजित 9वें इंटरनेशनल प्रिंसिपल्स एजुकेशनल कॉन्फ्रेंस में प्रतिभाग कर विद्यालय एवं क्षेत्र का गौरव बढ़ाया। इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में देश-विदेश के शिक्षाविदों, विद्यालय प्रमुखों तथा शिक्षा जगत से जुड़े प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों ने सहभागिता की। सम्मेलन में शिक्षा के बदलते स्वरूप, नवीन शिक्षण पद्धतियों और शैक्षिक नवाचारों पर विचार-विमर्श किया गया। सम्मेलन की थीम रही। इसका मुख्य उद्देश्य विभिन्न पीढ़ियों के अनुभवों, आधुनिक शैक्षिक दृष्टिकोणों और नवाचारों के बीच संवाद स्थापित कर शिक्षा को अधिक प्रभावी, समावेशी एवं विद्यार्थी-केंद्रित बनाने की संभावनाओं पर चर्चा करना था। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र

मोदी के संबोधन का भी उल्लेख किया गया। इस प्रतिष्ठित सम्मेलन में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, पूर्व सांसद डॉ. नीतीश भारद्वाज, राज्य मंत्री डॉ. पंकज राजेश भोयर तथा प्रोफेसर देबाशीष चटर्जी सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों एवं वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति रही। सम्मेलन में डॉ. आशा शर्मा को अपने शैक्षिक अनुभवों, विद्यालय में अपनाई जा रही प्रभावी शिक्षण पद्धतियों तथा शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों से संबंधित विचार साझा करने का अवसर मिला। उनकी सहभागिता के लिए उन्हें प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस आयोजन ने विभिन्न शैक्षिक संस्थानों के प्रतिनिधियों के साथ विचारों के आदान-प्रदान तथा नवीन शिक्षण दृष्टिकोणों को समझने का अवसर भी प्रदान किया। डॉ. आशा शर्मा की इस सहभागिता से प्राप्त अनुभव विद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों को और अधिक प्रभावी, आधुनिक एवं गुणवत्तापूर्ण बनाने में सहायक सिद्ध होंगे। साथ ही, नवीन शिक्षण तकनीकों और विद्यार्थी-केंद्रित दृष्टिकोणों को प्रोत्साहित कर विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को नई दिशा देने में मदद मिलेगी। सेंट हूड कॉन्वेंट स्कूल परिवार ने डॉ. आशा शर्मा की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे विद्यालय के लिए गौरवपूर्ण अवसर बताया। विद्यालय परिवार ने आशा व्यक्त की कि उनके अनुभवों एवं नवाचारपूर्ण विचारों से संस्थान की शैक्षणिक गुणवत्ता को और सुदृढ़ करने में सहायता मिलेगी।

पुलिस टीम पर हमले के सात आरोपी बरी

एजेंसी

नोएडा। उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर जिले के जेवर कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत मेंहदीपुर गांव में वर्ष 2012 में पुलिस टीम पर हुए हमले के एक चर्चित मामले में स्थानीय अदालत ने एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। अदालत ने पर्याप्त साक्ष्यों और विशिष्ट पहचान के अभाव में मामले के सभी सात आरोपियों को संदेह का लाभ देते हुए पूरी तरह से दोषमुक्त कर दिया है। इस फैसले के बाद आरोपियों को बड़ी राहत मिली है, जबकि इतने वर्ष पुराने इस मामले में न्याय प्रक्रिया का एक अहम दौर पूरा हुआ है। क्या था पूरा मामला? अभियोजन पक्ष की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, यह घटना 18 अप्रैल 2012 की है। इसी वांछित अपराधी सोहलीन की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने के लिए उपनिरीक्षक राजेंद्र प्रसाद सारस्वत अपनी पुलिस टीम के साथ जेवर कोतवाली क्षेत्र के मेंहदीपुर गांव पहुंचे थे। पुलिस टीम जब मेंहदीपुर गांव में दबिश दे रही थी, तभी स्थिति अचानक तनावपूर्ण हो गई। आरोप था कि गांव के करीब 30 लोगों की एक भीड़ ने पुलिस टीम पर हमला बोल दिया। इस दौरान पुलिस की

गिरफ्त में आए मुख्य वांछित आरोपी सोहलीन को भीड़ द्वारा जबरन छुड़ाकर भगा ले जाया गया। सरकारी कामकाज में बाधा डालने, पुलिस बल पर हमला करने और आरोपी को छुड़ा ले जाने के इस गंभीर कृत्य के संबंध में तुरंत जेवर कोतवाली में एक नया मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस ने मामले की गहन विवेचना करते हुए आरोपपत्र अदालत में दाखिल किया था। अदालत में क्यों नहीं टिक सका मामला? सुनवाई के दौरान अदालत ने दोनों पक्षों के तर्कों, हालांकि, अदालत ने यह भी गौर किया कि हमलावर भीड़ की कुल संख्या करीब 30 थी, लेकिन उस उग्र भीड़ के बीच इन सात विशिष्ट आरोपियों की मौजूदगी को साबित करने के लिए अभियोजन पक्ष कोई ठोस या विशिष्ट साक्ष्य प्रस्तुत नहीं कर सका। मामले की सुनवाई के दौरान मुख्य वादी यानी उपनिरीक्षक ने अपनी जिरह (क्रॉस-एग्जामिनेशन) के दौरान एक बड़ा खुलासा करते हुए स्वीकार किया कि आरोपियों के नाम जेवर पुलिस द्वारा बताए जाने के आधार पर ही मुकदमे में लिखाए गए थे। इसके अलावा, मामले के विवेचक ने आरोपियों की कोई औपचारिक शिनाख्त (पहचान परेड) नहीं कराई थी और न ही आरोपियों की गिरफ्तारी विवेचक के अपने सामने हुई थी। साक्ष्यों की इसी कमी और तकनीकी कमजोरियों के चलते अदालत ने सभी आरोपियों को संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया।

चोरी का सरिया खरीदने वाला दिल्ली का कबाड़ी गिरफ्तार

एजेंसी

नोएडा। सेक्टर-58 पुलिस ने चोरी का सरिया खरीदने के आरोप में वांछित कबाड़ी सब्बीर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर सेक्टर-62 स्थित छोटा डी-पार्क के पास से चोरी के दो बंडल सरिया बरामद किए। एसीपी मयंक तिवारी ने बताया कि रविवार को गोपनीय सूचना के आधार पर आरोपी सब्बीर को सेक्टर-58 के लेबर चौक से गिरफ्तार किया गया। वह दिल्ली के कल्याणपुरी का रहने वाला है। उसकी निशानदेही पर

सेक्टर-62 स्थित छोटा डी-पार्क के पास से चोरी का सरिया बरामद किया गया। सरिये का वजन करीब 170 किलोग्राम है। 57 वर्षीय आरोपी ने पूछताछ में पुलिस को बताया कि उसने राजू और उसके साथियों से चोरी का सरिया खरीदा था। उसे जब पता चला कि राजू और उसके साथी पकड़े गए हैं तो वह अपने घर से फरार हो गया था।आरोपी ने यह भी बताया कि वह राजू और उसके साथियों से कई बार चोरी का सरिया खरीद चुका है। वह सरिया खरीदने के लिए उन्हें अपने गोदाम पर नहीं बुलाता था, बल्कि सेक्टर-62 या खोड़ा के आसपास सरिया रखने के लिए कहता था। इसके बाद वह वहां से सरिया उठाकर बेच देता था। शनिवार शाम को पुलिस ने सरिया चोर राजू और उसके तीन अन्य साथियों को मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया था। मुख्य आरोपी राजू को गोली लगी थी। वह चोरी की बाइक से रेकी करने निकला था,तभी पुलिस से उसकी मुठभेड़ हो गई थी। पूछताछ में कबाड़ी ने अपने कुछ अन्य साथियों के नाम भी पुलिस को बताए हैं।

यमुना सिटी में पुलिस और यातायात बूथ बनेंगे

कई स्थानों पर सुरक्षा व यातायात प्रबंधन को लेकर होगी तैयारी

एजेंसी

ग्रेटर नोएडा। यमुना सिटी में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और यातायात को सुचारु बनाने के लिए पुलिस व यातायात बूथ बनाए जाएंगे। इसके लिए कई प्रमुख स्थानों को चिह्नित किया है। इन बूथों के बनने से क्षेत्र में निगरानी बढ़ेगी और लोगों को बेहतर सुरक्षा व्यवस्था मिलेगी।यमुना विकास प्राधिकरण के महाप्रबंधक परियोजना राजेंद्र भाटी ने बताया कि यमुना सिटी में तेजी से विकसित हो रहे क्षेत्रों और बढ़ते यातायात को देखते हुए पुलिस और यातायात बूथों की व्यवस्था की जाएगी। शहर के प्रमुख चौराहों, कट और अंडरपास के आसपास पुलिस व यातायात बूथों की व्यवस्था करने के लिए टेंडर जारी किया गया है। इसके तहत गलगोटिया विश्वविद्यालय तिराहा, खेड़ा मोड़ रबूपुरा, फलैदा कट,

सबौता अंडरपास और खुर्जा व यमुना गौर सिटी (रोनीजा) अंडरपास समेत कई स्थानों को चिह्नित किया गया है। इन बूथों के बनने से प्रमुख मार्गों पर पुलिस की मौजूदगी बढ़ाने और यातायात की निगरानी करने में मदद मिलेगी। साथ ही, जरूरत पड़ने पर पुलिसकर्मियों को मौके पर तैनात करने और यातायात संबंधी समस्याओं से निपटने में भी सहूलियत होगी।

NAME CHANGE
I, MONU GARG S/O JAGDISH PRASAD R/O Nai Anaz Mandi, Shop No.13, Palwal, Faridabad, Haryana-121102 have changed the name of my minor daughter TANIYA, aged 15 years and she shall here-after be known as TANYA GARG

संदिग्ध परिस्थितियों में छत से गिरकर युवक की मौत

एजेंसी

नोएडा। फेज-वन थाना क्षेत्र के हरौला गांव में रहने वाले एक युवक सोमवार सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में छत से नीचे गिर गया। परिजनों ने गंभीर हालत में उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया। इलाज के दौरान युवक मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि 46 वर्षीय भोला मूलरूप से देवरिया के रहने वाले थे। वह पिछले कई वर्षों से परिवार के साथ हरौला गांव में रहते थे। वह एक फैक्टरी में काम करते थे। वह शराब पीने के आदि थे। सोमवार सुबह वह संदिग्ध परिस्थितियों में अपने मकान की छत से नीचे गिर गए। उनके भाई और आस-पड़ोस के लोगों ने उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती करवाया। उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उन्होंने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सनटेक रियल्टी का मुनाफा 17 प्रतिशत बढ़कर 57 करोड़ हुआ

नई दिल्ली ।

चालू वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही में सनटेक रियल्टी लिमिटेड का मुनाफा 17 प्रतिशत बढ़कर 57.11 करोड़ रुपये रहा। कंपनी का मुनाफा वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी (जुलाई-सितंबर) तिमाही में 48.96 करोड़ रुपये था। रियल एस्टेट कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि वित्त वर्ष 2026-27 की जुलाई-सितंबर तिमाही में कंपनी की कुल आय 27 प्रतिशत बढ़कर 333.82 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 262.16 करोड़ रुपये थी।चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) में कंपनी का मुनाफा बढ़कर 99.07 करोड़ रुपये हो गया, जो एक साल पहले की समान अवधि में 82.39 करोड़ रुपये था। अप्रैल-सितंबर अवधि में कंपनी की कुल आय बढ़कर 535.85 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले साल की समान अवधि में 463.69 करोड़ रुपये थी। परिचालन के मोर्चे पर, सनटेक रियल्टी ने बताया कि दूसरी तिमाही में उसकी पूर्व-बिक्री 17 प्रतिशत बढ़कर 824 करोड़ रुपये रही। वहीं, चालू वित्त वर्ष के पहले छह महीनों में पूर्व-बिक्री 19 प्रतिशत बढ़कर 1,611 करोड़ रुपये हो गई। मुंबई स्थित सनटेक रियल्टी देश की प्रमुख रियल एस्टेट कंपनियों में से एक है।

विशालकाय एयरबस ए340-600 ने भरी अंतिम विदाई उड़ान

नई दिल्ली ।

उड्डयन इतिहास के एक स्वर्णिम अध्याय का अंत हो गया है। विशालकाय एयरबस ए340-600 ने अपनी अंतिम व्यावसायिक यात्री उड़ान पूरी कर हमेशा के लिए आसमान को अलविदा कह दिया। जर्मन विमानन कंपनी लुफ्थांसा की वाशिंगटन से फ्रैंकफर्ट पहुंची फ्लाइट एलएच419 इस ऐतिहासिक चार-इंजन वाले विमान की अंतिम नियमित यात्री सेवा रही। वर्ष 2002 में अपनी पहली व्यावसायिक उड़ान भरने वाला एयरबस ए340-600 लगभग 75.3 मीटर लंबा था, जिसने इसे एक समय दुनिया का सबसे लंबा यात्री विमान बनाया था। चार शक्तिशाली रोल्स-रॉयस इंजनों से लैस इस विमान को अत्यधिक लंबी अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया था। इसकी एक अनूठी विशेषता लुफ्थांसा के कुछ विमानों में मुख्य यात्री केबिन के नीचे स्थित शौचालय थे, जहां सीढ़ियों से पहुंचा जाता था, जिससे केबिन में बैठने की अधिक जगह मिलती थी। करीब 23 वर्षों के कार्यकाल में लुफ्थांसा ने इस मॉडल के 24 विमानों का संचालन किया और चार करोड़ से अधिक यात्रियों को सेवाएं दीं। हालांकि, चार इंजन होने के कारण इसका ईंधन खर्च और रखरखाव बहुत महंगा साबित हो रहा था। आधुनिक और अधिक किफायती दो-इंजन वाले विमानों जैसे बोइंग 777 और एयरबस ए350 के आगमन से इसकी मांग घट गई। लुफ्थांसा अब अपने पुराने विमानों को हटाकर नए और पर्यावरण-अनुकूल विमानों को अपने बेड़े में शामिल कर रही है।

दिल्ली के लग्जरी रेस्टोरेंट पर एक लाख का जुर्माना

नई दिल्ली ।

केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने दिल्ली के एक लग्जरी पांच सितारा रेस्टोरेंट पर ग्राहकों के बिल में जबरन 10 प्रतिशत सर्विस चार्ज जोड़ने के लिए 1 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। प्राधिकरण ने इसे उपभोक्ता अधिकारों का हनन और अनुचित व्यापार प्रथा मानते हुए रेस्टोरेंट को भविष्य में ऐसी गतिविधियों पर तत्काल रोक लगाने का आदेश दिया है। यह कार्रवाई दो ग्राहकों की शिकायतों के बाद की गई, जिन्होंने बताया कि उनके बिल में बिना सहमति के सर्विस चार्ज पहले से जोड़ दिया गया था। सीसीपीए की जांच में सामने आया कि रेस्टोरेंट के बिलिंग सॉफ्टवेयर में सर्विस चार्ज स्वचालित रूप से शामिल होता था, जिससे ग्राहक इसे अनिवार्य भुगतान समझते थे। प्राधिकरण ने स्पष्ट किया कि सर्विस चार्ज या टिप पूरी तरह से ग्राहक की इच्छा पर निर्भर करता है और इसे किसी भी सूरत में बिल में थोपा नहीं जा सकता। सीसीपीए ने रेस्टोरेंट को अपनी बिलिंग प्रणाली में तुरंत सुधार करने के निर्देश भी दिए हैं।

शेयर बाजार हल्की गिरावट के साथ बंद

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को हल्की गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी होने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 8.08 अंकों की गिरावट के साथ 73,598.67 अंकों पर बंद हुआ। जबकि 50 शेयरों पर आधारित एनएसई का निफ्टी 50 इंडेक्स 3.45 अंक नीचे आकर 22,749.75 अंकों पर बंद हुआ। आज भारती एयरटेल, ट्रेंट, मारुति सुजुकी, पावर ग्रिड के शेयर जोरदार तेजी के साथ बंद हुए। जबकि, एसबीआई, एक्सिस बैंक, टीसीएस के शेयरों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई।

आज निफ्टी की 50 में से 25-25 कंपनियों के शेयर लाभ में जबकि इतने ही गिरावट पर बंद हुए। आज सेंसेक्स की 30 में से 17 कंपनियों के शेयर बढ़त पर बंद हुए जबकि शेष 12 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ नीचे आये हैं। में बंद हुए और 1 कंपनी का शेयर बिना किसी बदलाव के बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर, निफ्टी 50 की 50 में से 25 कंपनियों के शेयर तेजी के साथ हरे निशान में बंद हुए और बाकी की सभी 25 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए।

सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल टेलीकॉम कंपनी भारती एयरटेल के शेयर आज सबसे ज्यादा बढ़त के साथ बंद हुए। जबकि एसबीआई का शेयर आज सबसे ज्यादा गिरावट के साथ बंद हुआ।

इसके अलावा हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर लगातार दूसरे दिन बिना किसी बदलाव के बंद हुए।

सेंसेक्स की अन्य कंपनियों की बात करें तो आज अल्ट्राटेक सीमेंट, ट्रेंट , मारुति सुजुकी , पावर ग्रिड , एटरनल , बीईएल , टाटा स्टील , एनटीपीसी आदि शेयरा के शेयर बढ़त लेकर बंद हुए।

वहीं दूसरी ओर एक्सिस बैंक, टीसीएस , एशियन पेंट्स , एचडीएफसी बैंक , आईसीआईसीआई बैंक , बजाज फाइनेंस के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार हल्की बढ़त पर शुरु हुआ। बाजार के शुरुआती आंकड़ों के अनुसार सेंसेक्स 73400 और निफ्टी 22750 के ऊपर कारोबार कर रहे थे।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया मंगलवार को 16 पैसी की बढ़त के साथ बंद हुआ। वहीं शुरुआती कारोबार में सात पैसे टूटकर 95.22 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि कच्चे तेल की ऊंची कीमतों, भू-राजनीतिक अनिश्चितता तथा अमेरिकी फेडरल रिजर्व के नीतिगत फैसले से पहले डॉलर के मजबूत होने के कारण घरेलू मुद्रा में उतार-चढ़ाव रहा। भारतीय मुद्रा में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के संभावित हस्तक्षेप से कुछ सुधार दिखा, लेकिन घरेलू शेयर बाजार में कमजोर धारणा के बीच विदेशी पूंजी की निकासी के दबाव को यह झेल नहीं सकी। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.17 प्रति डॉलर पर खुला। इसके बाद नुकसान कम करते हुए 95.11 प्रति डॉलर तक पहुंचा। हालांकि, जल्द ही फिर टूटकर 95.22 प्रति डॉलर पर कारोबार करने लगा जो पिछले बंद भाव से सात पैसे कम है। सोमवार को रुपया लगातार तीसरे कारोबारी दिन गिरावट के साथ 22 पैसे टूटकर 95.15 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। रुपये में पिछले तीन कारोबारी सत्रों में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 77 पैसे की गिरावट आई है। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.06 प्रतिशत बढ़कर 101.86 पर रहा।

कमजोर मानसून का असर- रबी फसलों की बुवाई धीमी, गेहूं रकबा घटा

अक्टूबर अंत तक गेहूं की बुवाई में 50 फीसदी से अधिक की कमी

नई दिल्ली ।

कृषि मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार कमजोर दक्षिण-पश्चिम मानसून के कारण इस साल रबी फसलों की बुवाई धीमी गति से चल रही है। 23 अक्टूबर तक गेहूं का रकबा पिछले साल के मुकाबले 50 फीसदी से अधिक घटकर मात्र 11,000 हेक्टेयर रह गया है, जबकि पिछले वर्ष यह 27,000 हेक्टेयर था। इस स्थिति ने आगामी फसल उत्पादन पर चिंता बढ़ा दी है। प्रमुख रबी फसल गेहूं की बुवाई आम तौर पर अक्टूबर-नवंबर में होती है, लेकिन जून-सितंबर के दौरान 13 फीसदी कम मानसून वर्षा ने मिट्टी की नमी और जलाशयों के जलस्तर को बुरी तरह प्रभावित किया है। सिंचाई की आवश्यकता वाली इस फसल के लिए पानी की कमी से बुवाई में देरी, रकबे में कमी और अंततः पैदावार पर असर पड़ने की आशंका है। मंत्रालय ने 2026-27 के लिए 12.1 करोड़ टन गेहूं उत्पादन का लक्ष्य रखा है, जो पिछले साल के रिकॉर्ड उत्पादन से थोड़ा अधिक है। पंजाब और राजस्थान, जो देश के कुल गेहूं रकबे का लगभग 31 फीसदी हिस्सा हैं, क्रमशः 38 फीसदी और 22 फीसदी कम बारिश का सामना कर रहे हैं। इन क्षेत्रों में सिंचाई की कमी राष्ट्रीय स्तर पर गेहूं बुवाई को प्रभावित कर सकती है। इसके अतिरिक्त, वर्षा आधारित क्षेत्रों जैसे राजस्थान, मध्य प्रदेश और बुंदेलखंड में भी जोखिम बढ़ गया है।

एंथ्रोपिक आईपीओ की ओर अग्रसर- शानदार राजस्व वृद्धि के साथ भारी घाटे का खुलासा

वाशिंगटन।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) कंपनी एंथ्रोपिक ने अमेरिका में अपना इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) लाने के लिए आवेदन कर दिया है। कंपनी ने अपनी वित्तीय रिपोर्ट में जहाँ आय में प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की है, वहीं दूसरी ओर भारी घाटे का खुलासा किया है। सैन फ्रांसिस्को स्थित कंपनी नैस्डैक स्टॉक एक्सचेंज पर एएनटी प्रतीक के तहत सूचीबद्ध होने की तैयारी में है। एंथ्रोपिक ने यूएस सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन (एसईसी) के पास फॉर्म एम-1 के तहत आवेदन दाखिल किया है, जो क्लास ए सामान्य शेयरों की प्रस्तावित बिक्री से संबंधित है, हालांकि अभी तक बिकने वाले शेयरों की संख्या या उनकी कीमत का खुलासा नहीं किया है।

कंपनी की फाइलिंग के अनुसार, एंथ्रोपिक का राजस्व 2023 में 4.1 करोड़ डालर से बढ़कर 2024 में 38.6 डालर करोड़ और 2025 में 4.6 अरब डालर तक पहुंच गया। 30 जून 2026 को समाप्त हुए छह महीनों में, राजस्व 16.3 अरब डालर तक जा पहुंचा, जो पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 1,300 प्रतिशत की अभूतपूर्व वृद्धि को दर्शाता है। हालांकि, एंथ्रोपिक ने निवेशकों को आगाह किया है कि भविष्य में इतनी तेज वृद्धि जारी रहना आवश्यक नहीं है।

राजस्व में इस विस्फोटक वृद्धि के बावजूद, कंपनी को भारी घाटा उठाना पड़ा है। फाइलिंग से पता चलता है कि 2025 में कंपनी को 41.97 अरब डालर का शुद्ध नुकसान हुआ और 2026 के पहले 6 महीनों में यह नुकसान 80.75 अरब डालर रहा। यह दर्शाता है कि कारोबार तेजी से बढ़ने के बावजूद, भारी निवेश और परिचालन खर्चों के कारण कंपनी अभी भी बड़े घाटे में है। इस प्रस्तावित आईपीओ को गोल्डमैन सैक्स, मॉर्गन स्टेनली और जेपी मॉर्गन जैसे कई प्रमुख वित्तीय संस्थान संभालने वाले है।

2021 में स्थापित एंथ्रोपिक एक पब्लिक बेनिफिट कॉरपोरेशन है, जहाँ इसके लॉन्ग-टर्म बेनिफिट ट्रस्ट के पास बोर्ड के अधिकांश सदस्यों को चुनने की शक्ति है।

पीएनबी का फैसला-10 नवंबर के बाद बंद होंगे निष्क्रिय खाते

शून्य-बैलेंस वाले वे खाते होंगे बंद जिनमें तीन साल से नहीं हुआ कोई लेनदेन

नई दिल्ली ।

पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने अपने करोड़ों ग्राहकों के लिए एक बेहद अहम सूचना जारी की है, जिसके तहत 10 नवंबर के बाद कुछ निष्क्रिय खातों को स्थायी रूप से बंद कर दिया जाएगा। बैंक ने स्पष्ट किया है कि यह कार्रवाई उन खातों पर होगी जिनमें पिछले तीन साल से कोई लेनदेन नहीं हुआ है और जिनका बैलेंस भी शून्य है। बैंक का यह कदम वित्तीय सुरक्षा बढ़ाने और बैंकिंग प्रणाली को अधिक पारदर्शी बनाने की दिशा में उठाया गया है। पीएनबी द्वारा जारी आधिकारिक जानकारी के अनुसार, यह नियम केवल उन खातों पर लागू होगा जिनमें 30 सितंबर 2026 तक पिछले लगातार तीन वर्षों (यानी सितंबर 2023 से) कोई वित्तीय या गैर-वित्तीय लेनदेन नहीं हुआ है, और साथ ही खाते में बैलेंस भी शून्य है। स्पष्ट किया गया है कि यदि किसी खाते में पैसा जमा है, तो भले ही वह लंबे समय से इस्तेमाल न हुआ हो, उसे इस अभियान के तहत स्वतः बंद नहीं किया जाएगा। प्रायः ऐसा देखा जाता है कि लोग नौकरी बदलने, स्थान परिवर्तन या अन्य बैंकों में नया खाता खुलवाने के बाद अपने पुराने खातों का उपयोग बंद कर देते हैं। पीएनबी का यह निर्णय ऐसे ही लावारिस या निष्क्रिय खातों की समीक्षा करने के लिए है ताकि बैंकिंग प्रणाली को अधिक सुरक्षित और व्यवस्थित बनाया जा सके। बैंक अधिकारियों के अनुसार लंबे समय से निष्क्रिय और शून्य बैलेंस वाले खाते वित्तीय सुरक्षा के लिए जोखिम पैदा कर सकते हैं और इनके गलत इस्तेमाल की संभावना बनी रहती है।

अनूप बागची से एचडीएफसी बैंक के सीईओ एवं एमडी का पद संभाला

नई दिल्ली।

अनूप बागची ने एचडीएफसी बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) का पदभार संभाल लिया है। बैंक ने मंगलवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि उनके पूर्ववर्ती शशिधर जगदीशन ने अपना कार्यकाल पूरा होने के बाद सोमवार को पद छोड़ दिया। आईसीआईसीआई समूह में लंबे समय तक काम कर चुके बागची, एचडीएफसी बैंक के तीन दशक से अधिक के इतिहास में इस पद पर पहुंचने वाले पहले बाहरी व्यक्ति हैं। इससे पहले वह आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ थे।

बागची ऐसे समय में एचडीएफसी बैंक से जुड़े हैं, जब बैंक कई चुनौतियों से जूझ रहा है। इनमें मुख्य आय में वृद्धि एवं 'मार्जिन' से जुड़ी चुनौतियां भी शामिल हैं जिनके कारण निवेशक सतर्क हो गए हैं। बागची ने बैंक की आय पर आयोजित एक बैठक में कहा कि आवास वित्त क्षेत्र की प्रमुख कंपनी एचडीएफसी के साथ 2023 में हुए विलय से जुड़ा कुछ काम अभी पूरा किया जाना बाकी है। उन्होंने कहा कि वह बैंक को बेहतर ढंग से समझने के लिए सभी संबंधित पक्षों से मुलाकात करेंगे।

ऊर्जा सुरक्षा और विविधता पर भारत का जोर-मंत्री नाइक

वैश्विक व्यवधानों के बीच विश्वसनीय, सस्ती आपूर्ति आर्थिक प्रगति के लिए जरूरी

सिंगापुर ।

बिजली एवं नवीन तथा नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री श्रीपद येसो नाइक ने सिंगापुर अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा सप्ताह में ऊर्जा सुरक्षा और आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि वैश्विक व्यवधानों के मद्देनजर ऊर्जा आपूर्ति के स्रोतों में विविधता लाना भारत की प्राथमिकता है। नाइक ने कहा कि ऊर्जा सुरक्षा का आर्थिक प्रगति, औद्योगिक प्रतिस्पर्धा और सामाजिक विकास से गहरा संबंध है, इसलिए विश्वसनीय और किफायती ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है। उन्होंने देशों से जोखिमों का अनुमान लगाने, आपूर्ति के स्रोतों में विविधता लाने और पूरी ऊर्जा मूल्य श्रृंखला को मजबूत करने का आग्रह किया। मंत्री ने बताया कि ऊर्जा सुरक्षा अब केवल अधिक उत्पादन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उभरती प्रौद्योगिकियों और बदलती खपत के अनुरूप ढलने वाली कुशल प्रणालियों के विकास से संबंधित है।

उन्होंने कहा कि खनिज खदानों या परिवहन मार्गों में व्यवधान दूरस्थ ऊर्जा प्रणालियों को प्रभावित कर सकते हैं, जिससे राष्ट्रीय तैयारी और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग की आवश्यकता बढ़ जाती है।

पारे से सोना बनाने का दावा,क्या हीरों जैसा होगा अंजाम?

मुंबई ।

सोने के भविष्य को लेकर एक सनसनीखेज दावा सामने आया है। अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को की स्टार्टअप मैराथन फ्यूजन ने परमाणु प्रक्रिया के जरिए पारे (मर्करी) को स्थिर सोने में बदलने का तरीका विकसित करने का दावा किया है। हालांकि, अभी तक विस्तृत आंकड़े सार्वजनिक नहीं हुए हैं, लेकिन इस घोषणा ने सोने की सप्लाई और कीमतों पर संभावित प्रभाव को लेकर ज्वेलरी बाजार में एक नई बहस छेड़ दी है। सवाल उठ रहा है कि क्या यह तकनीक पारंपरिक सोने के लिए वैसी ही चुनौती बनेगी, जैसी लैब-ग्रोन हीरों ने प्राकृतिक हीरों के सामने खड़ी की है? लैब-ग्रोन डायमंड्स (एलजीडी) ने पहले ही इस ट्रेंड का उदाहरण पेश किया है। ये हीरे नियंत्रित परिस्थितियों में तकनीकी रूप से बनाए जाते हैं, जिनकी रासायनिक संरचना प्राकृतिक हीरों जैसी होती है, पर इनकी उत्पादन लागत कम होती है। इनकी लोकप्रियता बढ़ने के साथ ही चीन और भारत जैसे देशों में उत्पादन में भारी वृद्धि हुई। परिणामस्वरूप, बाजार में अत्यधिक आपूर्ति के कारण कीमतें तेजी से गिरीं। डायमंड एनालिस्ट के अनुसार, 2018 के बाद से 1-2 कैरेट के एलजीडी की थोक कीमतें 96 फीसदी तक घट चुकी हैं।

टाटा मोटर्स ने इवेको अधिग्रहण में पार किया अहम पड़ाव

कंपनी ने 3.8 अरब यूरो के सौदे में 89.42 फीसदी हिस्सेदारी हासिल की

जगुआर लैंड रोवर के बाद यह टाटा मोटर्स का सबसे बड़ा अधिग्रहण होगा।

नई दिल्ली ।

टाटा मोटर्स ने इतालवी वाणिज्यिक वाहन विनिर्माता इवेको ग्रुप के अधिग्रहण की दिशा में एक बड़ा मील का पत्थर पार कर लिया है। कंपनी ने अपनी पेशकश के तहत आवश्यक न्यूनतम हिस्सेदारी से अधिक शेयर सफलतापूर्वक हासिल कर लिए हैं, जिससे 3.8 अरब यूरो (लगभग 38,240 करोड़ रुपये) के इस महत्वपूर्ण सौदे के पूरा होने का रास्ता साफ हो गया है। यह अधिग्रहण टाटा मोटर्स को वैश्विक वाणिज्यिक वाहन बाजार में अपनी स्थिति मजबूत करने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करेगा। नियामकीय सूचना के अनुसार, अस्थायी नतीजों से पता चला है कि पेशकशकर्ता (टीएमएल सीवी होल्डिंग्स बीवी) के पास इवेको की 89.42 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी, जो संशोधित 80 प्रतिशत की न्यूनतम सीमा से कहीं अधिक है। 26 अक्टूबर को समाप्त हुई पेशकश अवधि के दौरान, इवेको ग्रुप के कुल 23.816 करोड़ साधारण शेयरों की पेशकश की गई, जो कंपनी की कुल साधारण शेयर पूंजी का लगभग 87.81 प्रतिशत है। यह अधिग्रहण 2008 में फोर्ड से जगुआर लैंड रोवर को खरीदने के बाद टाटा मोटर्स का सबसे बड़ा अधिग्रहण होगा। टाटा मोटर्स ने शुरुआत में इवेको के लिए प्रति शेयर 14.10 यूरो की पेशकश की थी, जिसे बाद में 9 अक्टूबर को बढ़ाकर प्रति शेयर 14.40 यूरो (लाभांश सहित) कर दिया गया था। इस सौदे में इवेको का रक्षा कारोबार शामिल नहीं है और इसका अनुमानित मूल्य लगभग 3.8 अरब यूरो है। इस अधिग्रहण का प्राथमिक उद्देश्य इवेको के स्थापित परिचालन और उत्पाद पोर्टफोलियो के माध्यम से वैश्विक वाणिज्यिक वाहन बाजार में टाटा मोटर्स की मौजूदगी का विस्तार करना है। नियामक सूचना में यह भी बताया गया है कि शुरुआती स्वीकृति अवधि के दौरान पेशकश किए गए शेयरों के लिए कुल भुगतान राशि 3.43 अरब यूरो बैठती है, जिसका भुगतान 30 अक्टूबर को किया जाना है।

जीएसटी नियमों में बदलाव की तैयारी, छोटे कारोबारियों को मिलेगी राहत

1 नवंबर से चरणबद्ध तरीके से लागू होगी पूरी प्र क्रिया

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार माल और सेवा कर (जीएसटी) प्रणाली को सरल बनाने और कारोबारियों का बोझ कम करने के लिए बड़े सुधारों की तैयारी कर रही है। ये बदलाव चरणबद्ध तरीके से लागू होंगे, जिनका उद्देश्य टैक्स रिफंड में तेजी लाना, अनुपालन को आसान बनाना और पूरी कर प्रणाली को अधिक पारदर्शी बनाना है। विशेष रूप से छोटे व्यापारियों को इन सुधारों से बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। सेंट्रल बोर्ड ऑफ इनडायरेक्ट टैक्सेज एंड कस्टम्स (सीबीआईसी) के एक सदस्य के अनुसार जिन सुधारों के लिए कानून में बदलाव की आवश्यकता नहीं है, उन्हें 1 नवंबर से चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा। वहीं कानूनी संशोधनों वाले बदलावों के लिए 1 अप्रैल 2027 का लक्ष्य रखा गया है। 5 करोड़ रुपये से कम टर्नओवर वाले बी2सी (बिजनेस-टू-कंज्यूमर) आपूर्तिकर्ताओं के लिए अब साल में एक बार रिटर्न दाखिल करने और हर तीन महीने में टैक्स का भुगतान करने की नई व्यवस्था को मंजूरी मिली है। 5 करोड़ रुपये तक के टर्नओवर वाले छोटे कारोबारियों पर, जो देय तिथि वाले महीने में रिटर्न दाखिल करते हैं, देरी के बावजूद लेट फीस नहीं लगेगी। पात्र मामलों में रिफंड की स्वचालित मंजूरी की व्यवस्था लागू होगी, जिससे भविष्य के दावों में लगने वाला समय कम होगा।

हालांकि, यह व्यवस्था लंबित पुराने मामलों पर लागू नहीं होगी। 1 अप्रैल 2027 से लागू होने वाले कानूनी संशोधनों में गिरफ्तारी से जुड़े कुछ प्रावधानों को हटाना, अभियोजन की सीमा को तर्कसंगत बनाना और ई-वे बिल के नियमों में बदलाव शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, कारण बताओ नोटिस जारी करने के लिए 10,000 रुपये की न्यूनतम सीमा प्रस्तावित है, जिससे छोटे मामलों में अनावश्यक कानूनी कार्रवाई से बचा जा सकेगा।

स्तरहीनता एवं विरोध की भाषा में उलझती कांग्रेस

ललित गर्ग

खड़गे कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हैं और लंबे राजनीतिक अनुभव के साथ पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष की जिम्मेदारी निभा रहे हैं। ऐसे व्यक्ति से सार्वजनिक मंच पर अधिक संयम और विवेक की अपेक्षा स्वाभाविक है। राजनीतिक सभा में कोई प्रतिकूल टिप्पणी हो जाए, तो उसका उत्तर तर्क, तथ्य और आत्मविश्वास से दिया जा सकता है।

लोकतंत्र में सत्ता और विपक्ष एक-दूसरे के विरोधी अवश्य होते हैं, लेकिन उनकी भाषा शत्रुता की नहीं, वैचारिक प्रतिस्पर्धा की होनी चाहिए। राजनीतिक मतभेद लोकतंत्र की शक्ति हैं, पर जब ये मतभेद व्यक्तिगत कटाक्ष, पारिवारिक टिप्पणियों और अपमानजनक शब्दों में बदलने लगते हैं, तब राजनीति का स्तर गिरता है और लोकतांत्रिक संस्थाओं की गरिमा प्रभावित होती है। भारतीय राजनीति में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति कांग्रेस के अनेक नेताओं की आक्रामक टिप्पणियों और अब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के पटना में दिए गए विवादास्पद बयान ने एक बार फिर भाषाई मर्यादा पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। 25 अक्टूबर 2026 को पटना में बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री डॉ. श्रीकृष्ण सिंह की 139वीं जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में खड़गे की एक टिप्पणी राजनीतिक विवाद का कारण बन गई। कार्यक्रम में उपस्थित एक व्यक्ति की टिप्पणी के जवाब में उन्होंने कहा, ÷मोदी का बाप भी जाएगा।÷ इस बयान की भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने तीखी आलोचना की। दूसरी ओर, कांग्रेस ने इस टिप्पणी को वैचारिक संदर्भ में समझाने का प्रयास किया। समाचारों के अनुसार संबंधित व्यक्ति ने भी बाद में कहा कि उसकी पूरी बात नहीं सुनी गई थी। इस घटनाक्रम के विभिन्न पक्ष अपनी-अपनी व्याख्या प्रस्तुत कर रहे हैं, लेकिन विवाद से अलग एक बुनियादी प्रश्न अपनी जगह कायम है-क्या देश के सर्वोच्च राजनीतिक पद पर आसीन व्यक्ति के प्रति विरोध जताने का यही तरीका होना चाहिए?

खड़गे कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हैं और लंबे राजनीतिक अनुभव के साथ पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष की जिम्मेदारी निभा रहे हैं। ऐसे व्यक्ति से सार्वजनिक मंच पर अधिक संयम और विवेक की अपेक्षा स्वाभाविक है। राजनीतिक सभा में कोई प्रतिकूल टिप्पणी हो जाए, तो उसका उत्तर तर्क, तथ्य और आत्मविश्वास से दिया जा सकता है। लेकिन जब जवाब व्यक्तिगत संबंधों और परिवार तक पहुंच जाए, तब मुद्दे की गंभीरता पीछे छूट जाती है और शब्दों का विवाद मुख्य समाचार बन जाता है। राजनीति में शब्द केवल वक्ता की तत्काल प्रतिक्रिया नहीं होते, वे उसकी सार्वजनिक जिम्मेदारी और लोकतांत्रिक संस्कारों की भी परीक्षा लेते हैं। कांग्रेस की राजनीति में नरेंद्र मोदी को लेकर तीखे और विवादास्पद वक्तव्यों का इतिहास भी इस बहस को व्यापक संदर्भ देता है। वर्ष 2007 में सोनिया गांधी ने गुजरात विधानसभा चुनाव के दौरान मोदी के लिए 'मौत का सौदागर' शब्द का प्रयोग किया था। वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में मणिशंकर अय्यर की 'चायवाला' संबंधी टिप्पणी ने भी बड़ा राजनीतिक विवाद पैदा किया। बाद के वर्षों में राहुल गांधी के 'चौकीदार चोर है' नारे ने राजनीतिक बहस को व्यक्तिगत आरोपों की दिशा में मोड़ा। इन बयानों के पीछे अपने-अपने राजनीतिक संदर्भ और वक्ताओं की दलीलें रही हैं, लेकिन इनका सार्वजनिक प्रभाव इस प्रश्न को सामने लाता है कि क्या किसी नेता की आलोचना उसके कामकाज तक सीमित रखी जा सकती है, अथवा उसे व्यक्तिगत उपहास का विषय बनाना आवश्यक समझा जाने लगा है?

प्रियंका गांधी सहित कांग्रेस के अन्य नेताओं ने भी मोदी और उनकी सरकार के विरुद्ध कई अवसरों पर तीखे राजनीतिक हमले किए हैं। यह ध्यान रखना जरूरी है कि तीखी आलोचना अपने आप में अमर्यादित नहीं होती। सरकार की नीतियों, बेरोजगारी, महंगाई, सामाजिक सद्भाव, लोकतांत्रिक संस्थाओं और प्रशासनिक निर्णयों पर कठोर सवाल उठाना विपक्ष का संवैधानिक दायित्व है। समस्या तब उत्पन्न होती है, जब नीतिगत असहमति को व्यक्तिगत अपमान से जोड़ दिया जाता है और तर्क के स्थान पर कटाक्ष को राजनीतिक प्रभाव का माध्यम बनाया जाने लगता है। किसी नेता के प्रत्येक बयान को एक ही श्रेणी में रखना उचित नहीं, लेकिन बार-बार होने वाले विवादों से राजनीतिक भाषा के स्तर पर विचार करने की आवश्यकता अवश्य पैदा होती है। यहां कांग्रेस के सामने एक बड़ी चुनौती है। विपक्ष के रूप में उसकी सार्थकता इस बात से तय होगी कि वह जनता के जीवन से जुड़े प्रश्नों पर कितना प्रभावी विमर्श खड़ा करती है। किसानों की समस्याएं, युवाओं के रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, आर्थिक असमानता और सामाजिक न्याय जैसे मुद्दों पर ठोस विकल्प प्रस्तुत करना उसकी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। यदि सार्वजनिक चर्चा बार-बार प्रधानमंत्री पर व्यक्तिगत टिप्पणियों तक सिमट जाती है, तो नीतिगत बहस पीछे छूटने का खतरा रहता है। इससे विपक्ष की आलोचना का वास्तविक आधार भी कमजोर पड़ सकता है। राजनीतिक विमर्श में मुद्दों की जगह व्यक्तियों को केंद्र में रख देने से लोकतंत्र को अपेक्षित लाभ नहीं मिलता।

दूसरी ओर नरेंद्र मोदी का व्यक्तित्व और उनकी वैश्विक सक्रियता भारतीय राजनीति के महत्वपूर्ण पहलू हैं। प्रधानमंत्री के रूप में उनकी विदेश यात्राएं, विभिन्न देशों के नेतृत्व के साथ संवाद, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की भागीदारी और आर्थिक एवं रणनीतिक साझेदारियों को आगे बढ़ाने के प्रयास देश की वैश्विक भूमिका से जुड़े हैं। उनके समर्थक इन गतिविधियों को भारत की प्रतिष्ठा और प्रभाव में वृद्धि के रूप में देखते हैं। साथ ही, किसी भी प्रधानमंत्री के कार्यकाल का निष्पक्ष आकलन केवल अंतरराष्ट्रीय छवि से नहीं, बल्कि घरेलू नीतियों, आर्थिक परिणामों, सामाजिक समावेशन और शासन के रिकॉर्ड से भी किया जाना चाहिए। लोकतंत्र की सुंदरता इसी में है कि नेतृत्व की उपलब्धियों का सम्मान हो और उसके निर्णयों की आलोचनात्मक समीक्षा भी संभव बनी रहे। यह भी विचारणीय है कि किसी नेता के विरुद्ध जितनी अधिक व्यक्तिगत और अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल होता है, उतना ही उसके समर्थकों में प्रतिक्रिया की भावना पैदा हो सकती है। नरेंद्र मोदी के संदर्भ में कांग्रेस की आलोचना का राजनीतिक असर हमेशा एक जैसा रहा हो, ऐसा निष्कर्ष निकालना तथ्यों से परे होगा। चुनावी परिणाम अनेक कारणों से प्रभावित होते हैं-नेतृत्व, संगठन, स्थानीय मुद्दे, उम्मीदवार, गठबंधन और मतदाताओं की अपेक्षाएं। फिर भी, यह एक महत्वपूर्ण राजनीतिक जोखिम है कि यदि विपक्ष अपनी आलोचना को प्रमाण और नीतिगत विकल्पों के बजाय व्यक्तिगत टिप्पणियों पर आधारित करता है, तो वह अपनी बात जनता तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने का अवसर खो सकता है। इसके विपरीत भाजपा को भी केवल विरोधियों के विवादास्पद बयानों पर प्रतिक्रिया देने के बजाय अपने कामकाज और नीतियों के आधार पर जनता के सामने जवाबदेह रहना चाहिए।

राजनीति की भाषा समाज के व्यवहार को प्रभावित करती है। जब शीर्ष नेता सार्वजनिक मंचों पर संयम खोते हैं, तब उनके समर्थकों और राजनीतिक कार्यकर्ताओं के बीच भी कटुता बढ़ने की आशंका रहती है। सोशल मीडिया इस प्रवृत्ति को और तेज कर देता है, जहां किसी बयान का छोटा-सा अंश पूरे विमर्श पर हावी हो सकता है। इसलिए नेताओं को बोलने से पहले शब्दों के सामाजिक प्रभाव और पद की गरिमा पर विचार करना चाहिए। राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी को अपमानित करना और उसके तर्क को पराजित करना दो अलग बातें हैं, लोकतंत्र में दूसरी बात अधिक महत्वपूर्ण है। अंततः कांग्रेस हो या भाजपा, किसी भी दल की वास्तविक राजनीतिक शक्ति उसकी भाषा की आक्रामकता से नहीं, बल्कि उसके विचारों, नीतियों, जनसेवा और जनता के विश्वास से निर्धारित होनी चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी की आलोचना लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन आलोचना तथ्यों और तर्कों पर आधारित होनी चाहिए। इसी प्रकार कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे हों या सत्तापक्ष के अन्य नेता सभी से अपेक्षा है कि वे असहमति को अपमान में न बदलें। राजनीति में शब्दों की मर्यादा कोई औपचारिक शिष्टाचार नहीं, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा है। सत्ता बदलेगी, नेता बदलेंगे और दलों की स्थितियां बदलेंगी, लेकिन सार्वजनिक जीवन में बोले गए शब्द लंबे समय तक समाज की स्मृति में रहते हैं। इसलिए राजनीति को कटुता की नहीं, संवाद की भाषा चाहिए, क्योंकि लोकतंत्र में विचारों की विजय होनी चाहिए, व्यक्तिगत अपमान की नहीं।

संपादकीय

पराली की तपिश

यह विडंबना ही है कि जब देश की राजधानी में प्रदूषण की गंभीरता दिखायी देती है तो देश के नीति-नियंता पराली निस्तारण को लेकर बड़ी-बड़ी बातें करने लगते हैं। अभी कोई अंतिम वैज्ञानिक अध्ययन भी सामने नहीं आया है कि पंजाब या अन्य राज्यों में पराली जलाने की प्रदूषण में कितनी फीसदी भूमिका है। लेकिन एक बात तो तय है कि पराली निस्तारण के जो भी विकल्प दिए जाते हैं, वे समय के अनुरूप किसान की सुविधा व आर्थिकी के अनुरूप नहीं हैं। यदि ये उपाय कारगर होते तो पराली प्रबंधन पर खर्च किए जाने वाले हजारों करोड़ रुपयों पर एक छोटी-सी माचिस भारी न पड़ती। किसान अपने खेतों में पराली को बार-बार यदि आग के हवाले करते हैं तो उसके पीछे का कड़वा सच यह भी है कि धान के अवशेषों को वैज्ञानिक तरीके से नष्ट करने की तुलना में, पराली जला देना उसे सुविधाजनक, सस्ता तात्कालिक निस्तारण का विकल्प नजर आता है। निस्संदेह, जब तक आर्थिक रूप से लाभप्रद विकल्प किसान को नहीं दिया जाता, तब तक केवल सब्सिडी देने या दंडात्मक कार्रवाई करने के बहुत सीमित परिणाम ही सामने आएंगे। सूत्रों के अनुसार पंजाब में 15 सितंबर से 24 अक्तूबर के बीच खेतों में पराली जलाने की 574 घटनाएं दर्ज की गई हैं। यदि पिछले साल के आंकड़ों से इसकी तुलना करें तो इसी अवधि में 561 घटनाएं ही सामने आई थीं। आंकड़े बताते हैं कि इस साल 270 घटनाएं अकेले तरनतारन में और 144 घटनाएं अमृतसर के इलाके में सामने आई हैं। जो बताती हैं कि इन दोनों इलाकों में विशेष रूप से ध्यान देने और पराली जलाने से रोकने के लिये ठोस कदम उठाने की जरूरत है। उल्लेखनीय है कि पंजाब में अभी भी धान की फसल काटने का मौसम चल रहा है। यहां यह तथ्य उल्लेखनीय है कि इस साल पराली प्रबंधन के लिये 576 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे। इसके अलावा सब्सिडी वाली लगभग 21,155 मशीनें उपलब्ध कराई गई थीं।

दरअसल, सरकारी आर्थिक मदद के बावजूद किसानों को मशीनों को चलाने के खर्च, धान की कटाई और गेहूं की बुवाई के बीच बहुत कम समय समय मिलने और जरूरत के समय मशीनें न मिल पाने जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। उल्लेखनीय है कि वैज्ञानिक तरीके से पराली प्रबंधन करने में प्रति एकड़ दो हजार से लेकर ढाई हजार रुपये तक खर्च आ सकता है। तभी आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रहे किसानों को पराली जलाना सबसे आसान विकल्प लगता है। हालांकि, शासन व प्रशासन ने पराली जलाने से रोकने के लिये सख्ती बढ़ा दी है। सूत्रों के अनुसार अब तक पराली जलाने के मामले में 113 प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। इसके अलावा जमीन के रिकॉर्ड में 205 रेड एंट्री की गई हैं। साथ ही 11.4 लाख रुपये का पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने का आर्थिक दंड लगाया गया है। निस्संदेह, देश में व्याप्त पर्यावरण संकट के मद्देनजर ऐसी कार्रवाई करना भी जरूरी हो जाता है, क्योंकि खेतों में पराली जलाने से समाज को प्रदूषण के रूप में सेहत के लिये भारी कीमत चुकानी पड़ती है। हालांकि, केवल जुर्माना लगाने से व्यावहारिक विकल्पों की कमी पूरी नहीं हो सकती। साथ ही, साफ हवा बनाये रखने की पूरी कीमत अकेले किसानों को ही नहीं चुकानी चाहिए। दरअसल, प्राथमिकता यह रहे कि फसल अवशेषों का प्रबंधन सस्ता और सहज-सुलभ हो। इसके लिये पराली एकत्र करने और उसे ढोने के लिये जरूरी मशीनों यानी बेलर्स की कमी को भी दूर किया जाना चाहिए। किसानों को बायोमास पॉवर प्लांट, ईंट-भट्टों और अन्य उद्योगों से जोड़ने वाले भरोसेमंद बाजार उपलब्ध कराकर, कृषि अवशेषों को एक आर्थिक संसाधन में बदला जा सकता है। इसके साथ ही बिना आग लगाए पराली प्रबंधन करने वाले किसानों को प्रोत्साहन देने पर भी विचार किया जाना चाहिए। सही मायने में सफलता को इस आधार पर मापा जाना चाहिए कि कितने खेतों को बिना जलाये साफ किया गया, न कि इस आधार पर कि कितना पैसा खर्च हुआ। या फिर कितनी मशीनें बांटी गई। इस दिशा में पंजाब में केंद्र सरकार, राज्य सरकार,उद्योगों और किसानों को तालमेल के साथ काम करना चाहिए।

सूक्ति

जिस मनुष्य में आत्मविश्वास नहीं है, वह शक्तिमान होकर भी कायर है और पंडित होकर भी मूर्ख है।
- रामप्रताप

विश्व के निर्माण में जिसने सबसे अधिक संघर्ष किया है और सबसे अधिक कष्ट उठाए हैं वह माँ है।
- हर्ष मोहन

पाकिस्तान की पैरवी से कश्मीर का भला कैसे होगा

कांतिलाल मांडोत

फारूक अब्दुल्ला के विवादित बयानों से उठते सवाल और राष्ट्रीय हितों की कसौटी

कश्मीर की पहचान और सुरक्षा का आधार भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था है या पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय बयानबाजी...

जम्मू-कश्मीर की राजनीति में फारूक अब्दुल्ला लंबे समय से प्रभावशाली चेहरा रहे हैं। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष और तीन बार जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री रह चुके फारूक अब्दुल्ला के राजनीतिक बयानों का असर केवल प्रदेश तक सीमित नहीं रहता, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति और भारत-पाकिस्तान संबंधों पर भी पड़ता है। उनके बेटे उमर अब्दुल्ला इस समय जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री हैं। ऐसे में फारूक अब्दुल्ला का हर बयान राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण हो जाता है। हाल ही में उन्होंने कहा कि पाकिस्तान कश्मीर का मुद्दा उठाता है, इसलिए कश्मीर के लोग बचे हुए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि दिल्ली से न्याय की उम्मीद नहीं है और दुनिया के दबाव के कारण दिल्ली चुप है। उनके इस बयान ने एक बार फिर राष्ट्रीय हितों, कश्मीर की पहचान और पाकिस्तान की भूमिका को लेकर बहस छेड़ दी है।

सवाल यह है कि पाकिस्तान द्वारा कश्मीर का मुद्दा उठाने से कश्मीर के लोगों का अस्तित्व कैसे सुरक्षित रहता है? क्या पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय बयानबाजी कश्मीरियों की सुरक्षा, रोजगार, शिक्षा और विकास की गारंटी है? पाकिस्तान दशकों से कश्मीर का मुद्दा उठाता रहा है, लेकिन सीमा पार आतंकवाद, घुसपैठ और हिंसा की घटनाओं ने जम्मू-कश्मीर के सामाजिक ताने-बाने को गहरी चोट पहुंचाई है। ऐसे में पाकिस्तान की पैरवी को कश्मीरियों के बचे रहने का आधार बताना तर्कसंगत नहीं लगता। फारूक अब्दुल्ला को स्पष्ट करना चाहिए कि उनके बयान का वास्तविक आशय क्या है और वे किस आधार पर पाकिस्तान की भूमिका को इतना महत्वपूर्ण मानते हैं।

फारूक अब्दुल्ला के विवादित बयान कोई नई बात नहीं हैं। नवंबर 2017 में पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर को लेकर उन्होंने कहा था कि वह पाकिस्तान के पास है और युद्ध करने से भी स्थिति नहीं बदलेगी। इसी दौरान उन्होंने पाकिस्तान की सैन्य क्षमता और उसके परमाणु हथियारों का उल्लेख करते हुए भी बयान दिया था। इन टिप्पणियों पर देशभर में राजनीतिक विवाद हुआ। आलोचकों ने आरोप लगाया कि ऐसे बयान पाकिस्तान के पक्ष को मजबूती देते हैं। दूसरी ओर, फारूक अब्दुल्ला ने अपने रुख को वास्तविक परिस्थितियों को स्वीकार करने और युद्ध के बजाय शांति का रास्ता अपनाने की जरूरत से जोड़कर प्रस्तुत किया। यहां यह समझना जरूरी है कि शांति की वकालत करना और पाकिस्तान के दावों को स्वीकार करने का संकेत देना दो अलग-अलग बातें हैं। जुलाई 2017 में कश्मीर विवाद के समाधान के लिए अमेरिका और चीन जैसे देशों की भूमिका पर चर्चा करने संबंधी उनके बयान ने भी राजनीतिक बहस को जन्म दिया था। भारत का आधिकारिक रुख रहा है कि जम्मू-कश्मीर से जुड़े मुद्दे भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय बातचीत से सुलझाए जाने चाहिए। ऐसे में तीसरे देशों की मध्यस्थता का सुझाव भारतीय कूटनीतिक नीति से अलग दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है। किसी भी लोकतंत्र में सरकार की विदेश नीति की आलोचना करना गलत नहीं है, लेकिन राष्ट्रीय संप्रभुता से जुड़े विषयों पर बयान देते समय तथ्यों और संवैधानिक स्थिति का ध्यान रखना आवश्यक है। अप्रैल 2017 में कश्मीर में पत्थरबाजी करने वाले युवाओं को लेकर फारूक अब्दुल्ला के बयान भी विवाद का विषय बने थे। उन्होंने युवाओं की नाराजगी और उनकी शिकायतों को समझने की जरूरत पर जोर दिया था। निश्चित रूप से युवाओं की समस्याओं को सुनना और उनके भविष्य के लिए अवसर उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी है। बेरोजगारी, शिक्षा और राजनीतिक भागीदारी जैसे मुद्दों पर गंभीरता से काम होना चाहिए। लेकिन युवाओं की समस्याओं को समझने और हिंसक गतिविधियों को उचित ठहराने के बीच अंतर बनाए रखना भी जरूरी है। राजनीतिक नेतृत्व का दायित्व युवाओं को हिंसा से दूर करके लोकतांत्रिक रास्ते पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना है।

फारूक अब्दुल्ला ने हालिया बयान में कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोगों ने कभी भारतीय होने से इनकार नहीं किया और उनका भारत से जुड़ाव महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू तथा मौलाना आजाद के भारत से रहा है। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि सत्ता के लिए हिंदू-मुसलमान को आमने-सामने किया गया। सांप्रदायिक सद्भाव बनाए रखना देश के प्रत्येक राजनीतिक दल की जिम्मेदारी है। लेकिन किसी भी नेता को धार्मिक आधार पर राजनीति के आरोप लगाने से पहले अपने राजनीतिक कार्यकाल और अपनी पार्टी की भूमिका पर भी आत्ममंथन करना चाहिए। कश्मीर की पहचान किसी एक धर्म, दल या नेता तक सीमित नहीं है। इसमें कश्मीरी पंडितों का विस्थापन, आतंकवाद से प्रभावित परिवारों की पीड़ा, सीमावर्ती नागरिकों की कठिनाइयां और सभी समुदायों की आकांक्षाएं शामिल हैं।

फारूक अब्दुल्ला के बयानों की आलोचना करते समय उनके राजनीतिक विचारों और उनके समुदाय के प्रति भावनाओं को एक ही नजरिये से देखना भी उचित नहीं होगा। किसी नेता की मंशा पर व्यक्तिगत टिप्पणी करने के बजाय उसके सार्वजनिक बयानों, नीतियों और उनके प्रभावों का तथ्यात्मक विश्लेषण होना चाहिए। लोकतंत्र में असहमति का अधिकार सभी को है, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे संवेदनशील विषयों पर जिम्मेदार भाषा का प्रयोग भी उतना ही महत्वपूर्ण है। जम्मू-कश्मीर की समस्याओं का समाधान केवल राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से नहीं निकलेगा। केंद्र सरकार को नागरिकों की शिकायतों का निष्पक्ष समाधान करना चाहिए, रोजगार के अवसर बढ़ाने चाहिए और विकास योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना चाहिए। प्रदेश के राजनीतिक नेतृत्व को भी जनता के प्रति अपनी जवाबदेही सुनिश्चित करनी होगी। युवाओं को शिक्षा, कौशल विकास, खेल और उद्यमिता से जोड़ना चाहिए, ताकि वे हिंसा तथा कट्टरता के प्रभाव से दूर रह सकें। आतंकवाद और सीमा पार से होने वाली हिंसा के खिलाफ कठोर कार्रवाई के साथ निर्दोष नागरिकों के अधिकारों की रक्षा भी सुनिश्चित होनी चाहिए।

संवाद, शांति और सहयोग से वैश्विक चुनौतियों का समाधानः ओम बिरला

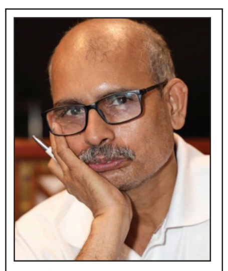

विनोद सिंह 'तकियावाला'

12 वें ब्रिक्स संसदीय मंच का समापन; संयुक्त घोषणा पत्र में आतंकवाद के विरुद्ध समन्वित कार्रवाई और समावेशी वैश्विक व्यवस्था पर बल...

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा है कि विश्व की गंभीर चुनौतियों का स्थायी समाधान संघर्ष में नहीं, बल्कि संवाद में, युद्ध में नहीं बल्कि शांति में और प्रतिस्पर्धा से अधिक सहयोग में निहित है। नई दिल्ली में आयोजित 12वें ब्रिक्स संसदीय मंच के समापन सत्र को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि विभिन्न देशों के विचार, परिस्थितियाँ और चुनौतियाँ अलग-अलग हो सकती हैं, लेकिन मानवता के कल्याण, शांति और समृद्धि के प्रति उनकी प्रतिबद्धता समान है। यही ब्रिक्स की सबसे बड़ी शक्ति है।ओम बिरला ने सदस्य एवं भागीदार देशों के संसदीय प्रतिनिधिमंडलों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पिछले दो दिनों में मंच पर अनेक महत्त्वपूर्ण विषयों पर सार्थक विचार-विमर्श हुआ। प्रतिनिधियों ने न केवल वर्तमान वैश्विक चुनौतियों पर चर्चा की, बल्कि भविष्य में सहयोग की नई संभावनाओं पर भी विचार साझा किए।उन्होंने कहा कि आज विश्व के विभिन्न क्षेत्रों में संघर्ष और अस्थिरता के साथ आर्थिक अनिश्चितताएँ भी बनी हुई हैं। ऐसे समय में संवाद, विश्वास और सहयोग का महत्त्व पहले से कहीं अधिक बढ़ गया है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय को ऐसा विश्व बनाने के लिए मिलकर काम करना चाहिए, जहाँ प्रत्येक राष्ट्र की संप्रभुता का सम्मान हो, विवादों का समाधान शांतिपूर्ण तरीकों से किया जाए और विकास के अवसर सभी को समान रूप से उपलब्ध हों।

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि वैश्विक शांति का वास्तविक अर्थ सभी के लिए सुरक्षा, सम्मान, न्याय और बेहतर भविष्य सुनिश्चित करना है। युवा पीढ़ी सहित विश्व का प्रत्येक नागरिक नेतृत्व से इसी प्रकार के भविष्य की अपेक्षा करता है। आने वाली पीढ़ियाँ देशों और उनके नेताओं का मूल्यांकन इस आधार पर करेंगी कि उन्होंने उनके लिए कितना सुरक्षित, शांतिपूर्ण और समृद्ध विश्व बनाया।संसदों की भूमिका को रेखांकित करते हुए बिरला ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में संसद जनता की आशाओं और आकांक्षाओं की अभिव्यक्ति का सबसे महत्त्वपूर्ण केंद्र है। संसद केवल कानून बनाने का मंच नहीं, बल्कि संवाद, सहमति, जवाबदेही और जनविश्वास की संस्था भी है। विभिन्न संसदीय व्यवस्थाओं के बावजूद नागरिकों के हितों की रक्षा करना और जनता का विश्वास जीतना सभी देशों की साझा जिम्मेदारी है। इसके लिए संसदों को बदलते समय के अनुरूप अधिक प्रभावी, पारदर्शी और जन-केंद्रित बनाना आवश्यक है।कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल तकनीक के बढ़ते प्रभाव पर उन्होंने कहा कि इनका जिम्मेदारीपूर्ण उपयोग संसदीय कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी बना सकता है। इससे नागरिकों की सहभागिता मजबूत होने के साथ सांसदों की दक्षता और कार्यकुशलता भी बढ़ सकती है। हालांकि, तकनीक का विकास मानवीय मूल्यों के अनुरूप होना चाहिए। कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग नैतिकता, पारदर्शिता, जवाबदेही और मानव कल्याण के सिद्धांतों पर आधारित होना चाहिए। इस दिशा में विभिन्न देशों की संसदें अपने अनुभव और श्रेष्ठ कार्यप्रणालियाँ साझा कर महत्त्वपूर्ण योगदान दे सकती हैं।

समापन सत्र में बिरला ने संयुक्त घोषणा पत्र पर सहमति बनने को सम्मेलन की महत्त्वपूर्ण उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि घोषणा पत्र में संयुक्त राष्ट्र चार्टर के सिद्धांतों, राष्ट्रों की संप्रभु समानता, पारस्परिक सम्मान, आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करने और अंतरराष्ट्रीय विवादों के शांतिपूर्ण समाधान के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई गई है। इसमें आतंकवाद के सभी कृत्यों की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए संयुक्त राष्ट्र द्वारा नामित आतंकवादियों और आतंकवादी संगठनों के विरुद्ध समन्वित एवं ठोस कार्रवाई का आह्वान भी किया गया है। घोषणा पत्र में संसदीय सहयोग, डिजिटल तकनीक के उपयोग तथा अधिक समावेशी और प्रतिनिधिक वैश्विक व्यवस्था के महत्त्व को भी रेखांकित किया गया है।

ब्रिक्स की व्यापक भूमिका पर उन्होंने कहा कि यह संगठन विभिन्न क्षेत्रों, संस्कृतियों और विकास के अनुभवों को एक मंच पर लाता है। इसकी सफलता केवल सदस्य देशों की प्रगति तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि इसका सकारात्मक प्रभाव व्यापक विश्व समुदाय तक पहुँचना चाहिए। विशेष रूप से ग्लोबल साउथ के देशों की आकांक्षाओं को वैश्विक निर्णय प्रक्रियाओं में उचित स्थान मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि उद्देश्य किसी के विरुद्ध खड़ा होना नहीं, बल्कि सभी को साथ लेकर आगे बढ़ना होना चाहिए। ब्रिक्स अधिक समावेशी, संतुलित और न्यायसंगत विश्व व्यवस्था के निर्माण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।ओम बिरला ने कहा कि सम्मेलन का समापन हो रहा है, लेकिन सहयोग की साझा यात्रा जारी रहेगी। नई दिल्ली से दुनिया को यह संदेश जाना चाहिए कि संवाद निरंतर बना रहे, विश्वास मजबूत हो और सहयोग ठोस परिणामों में बदले। उन्होंने वर्ष 2027 के लिए ब्रिक्स की अध्यक्षता ग्रहण करने वाले चीन को शुभकामनाएँ देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि सहयोग की यह यात्रा आगे बढ़ेगी।अंत में लोकसभा अध्यक्ष ने सभी पीठासीन अधिकारियों, प्रतिनिधिमंडलों और विशिष्ट अतिथियों को उनकी सक्रिय सहभागिता के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने साझा संकल्प व्यक्त किया कि विकास मानवता की सेवा करे, तकनीक मानवीय मूल्यों को मजबूत बनाए और संसदें शांति, सहयोग तथा समृद्धि की सशक्त आवाज बनें।

संक्षिप्त समाचार

परदेस में भारतीय महिलाओं का सहारा बनी लेडीज कॉर्नर, सुशीला शर्मा हक की अगुवाई

बर्लिन, एजेंसी। परदेस में अकेलेपन का दर्द समझने वाली चार भारतीय महिलाओं ने 40 साल पहले जो एक संस्था बनाई थी, उसका पूरा सफर अब एक किताब में दर्ज हो चुका है। मुंबई से बर्लिन पहुंचीं सुशीला शर्मा हक की अगुवाई में लेडीज कॉर्नर बर्लिन ने चार दशक पूरे कर लिए हैं। इस मौके पर संस्था की सदस्य कविता पाल ने विशेष स्मारिका 40 ग्लोरियस ईयर्स ऑफ लेडीज कॉर्नर बर्लिन तैयार की और इसे केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल को खुद भेंट किया। स्मारिका जर्मनी में भारत के राजदूत अजित गुप्ते को भी सौंपी गई। सुशीला शर्मा हक ने भारत में टाटा इंस्टीट्यूट से समाजसेवा की पढ़ाई की थी। बर्लिन पहुंचकर उन्होंने देखा कि वहां भारतीय समुदाय की गतिविधियां भारत मजलिस के इर्द–गिर्द सिमटी थीं, जिसे यूरोप की पहली भारतीय संस्था माना जाता है। वहां ज्यादातर पुरुष ही जुटते थे और महिलाओं को केवल तीज त्योहारों पर बुलाया जाता था। सुशीला ने उन पुरुषों की पत्नियों और महिला मित्रों से एक–एक कर संपर्क साधा। 1985 में सुशीला ने सुधा कोठारी, डोरा सैमुएल और छाया सेनगुप्ता के साथ मिलकर लेडीज कॉर्नर की नींव रखी। यहां अब वे धार्मिक उत्सव, मनोरंजन से लेकर रोजमर्रा की परेशानियों पर खुलकर चर्चा कर सकती थीं। संस्था का दायरा बढ़ता गया। भारतीय महिलाओं को हर तरह की मदद दी गई और विदेश में भाषा, संस्कृति, त्योहार व संस्कार जीवित रखे गए। सुशीला कहती हैं कि चार दशक पूरे कर चुकी संस्था लेडीज कॉर्नर जर्मनी की एक अंतरराष्ट्रीय संस्था का हिस्सा है। कविता पाल ने स्मारिका में इन चार दशक की यादें, तस्वीरें, प्रेरक कहानियां और उपलब्धियां पिरोई हैं। वह कहती हैं, यह स्मारिका आने वाली पीढ़ियों के लिए एक धरोहर है।

सेना का दावा- 218 लड़ाके और कमांडर मारे गए, अब तक 78 सैन्य वाहन भी तबाह

अदन, एजेंसी। यमन में हूती विद्रोहियों के खिलाफ सेना ने बड़े पैमाने पर सैन्य कार्रवाई करने का दावा किया है। यमन के सशस्त्र बलों के सैन्य प्रवक्ता

माजिद अब्दुल्ला अल–नुजैली के मुताबिक, 'डॉन ऑफ यमन' अभियान के तहत पिछले 24 घंटे में 753 सटीक हमले किए गए। इन हमलों में करीब 218 हूती लड़ाकों और मैदानी कमांडरों को मार गिराने का दावा किया गया है। सैन्य प्रवक्ता ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अभियान की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सेना ने हूती विद्रोहियों के सैन्य ठिकानों, आपूर्ति मार्गों और उनके कमांड नेटवर्क को निशाना बनाया। इन कार्रवाइयों का उद्देश्य विद्रोहियों की सैन्य गतिविधियों और दोबारा संगठित होने की क्षमता को कमजोर करना था। अल–नुजैली ने बताया कि हमलों में मैदानी कमांड और नियंत्रण केंद्रों, सैन्य ठिकानों, किलेबंदी, हथियारबंद समूहों और विद्रोहियों की मदद के लिए भेजे जा रहे अतिरिक्त बलों को निशाना बनाया गया। इसके अलावा, उनके परिवहन और आपूर्ति के साधनों पर भी कार्रवाई की गई। सेना के प्रवक्ता के अनुसार, इन हमलों से हूती विद्रोहियों की आवाजाही और युद्ध के मोर्चों तक सैन्य संसाधन पहुंचाने की क्षमता प्रभावित हुई। इससे सरकारी बलों को अलग–अलग मोर्चों पर आगे बढ़ने और अभियान चलाने में मदद मिली। यमन की सेना ने अभियान में हूती विद्रोहियों को भारी नुकसान पहुंचाने का दावा किया है।

छात्रों ने पलटी बाजी: वुसिक की सत्ता खत्म, राष्ट्रपति ने खुद मानी हार; 2017 में संभाली थी कमान

बेलग्रेड, एजेंसी। सर्बिया की राजनीति में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। करीब दो साल से सरकार के खिलाफ आंदोलन कर रहे छात्रों ने चुनाव में शानदार प्रदर्शन किया है। शुरुआती नतीजों के आधार पर लंबे समय से सत्ता में काबिज अलेक्जेंडर वुसिक ने हार मान ली है। इस चुनाव को सर्बिया के भविष्य के लिए बेहद अहम माना जा रहा है। छात्रों की अगुवाई वाले समूह को संसद में बहुमत मिलने के आसार हैं। नतीजों के शुरुआती संकेत मिलते ही राजधानी बेलग्रेड में लोगों ने जश्न मनाना शुरू कर दिया।

वुसिक ने खुद स्वीकार की हार

वुसिक ने रविवार को बेलग्रेड में अपनी पार्टी के मुख्यालय में समर्थकों को संबोधित करते हुए कहा कि शुरुआती आंकड़ों से साफ है कि उनकी पार्टी चुनाव हार रही है। वुसिक के मुताबिक, 250 सीटों वाली संसद में छात्र समर्थित समूह को 135 से 140 सीटें मिल सकती हैं, जबकि उनकी पार्टी को करीब 105 सीटों से संतोष करना पड़ सकता है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अभी अंतिम नतीजे आने बाकी हैं। चुनाव सर्वेक्षण एजेंसी के शुरुआती अनुमानों ने भी छात्रों की बढ़त के संकेत दिए। सर्वे के मुताबिक, छात्र आंदोलन से जुड़े उम्मीदवारों को करीब 138 सीटें मिल सकती हैं। वहीं, वुसिक की सर्बियन प्रोग्रेसिव पार्टी को 104 सीटें मिलने का अनुमान जताया गया। बाकी सीटें जातीय अल्पसंख्यकों की पार्टियों के खाते में जा सकती हैं। अगर ये अनुमान अंतिम नतीजों में बदलते हैं, तो सर्बिया की राजनीति में एक नए दौर की शुरुआत हो सकती है।

चुनाव के शुरुआती नतीजे सामने आते ही बेलग्रेड में छात्रों और उनके समर्थकों के बीच खुशी की लहर दौड़ गई। छात्र आंदोलन के मुख्यालय में लोग 'जीत, जीत' के नारे लगाते दिखे। कहीं तालियां बज रही थीं, तो कहीं लोग एक-दूसरे को गले लगाकर खुशी जाहिर कर रहे थे। बेलग्रेड विश्वविद्यालय के प्रोफेसर रादोमिर साइचिक ने समर्थकों को संबोधित करते हुए कहा कि आज लोगों की आवाज सुनी जा रही है। उन्होंने कहा कि जीत का जश्न मनाने के बाद अब देश के भविष्य को बेहतर बनाने की जिम्मेदारी भी उठानी होगी।

इस चुनाव की एक बड़ी खासियत भारी मतदान रहा। चुनाव निगरानी संस्थाओं ष्टश्वस्ढ्ढष्ट और ढ्ढक्क्स्ह्र के मुताबिक, रविवार शाम सात बजे तक 67.6 प्रतिशत मतदाता वोट डाल चुके थे। बताया गया कि 1992 में यूगोस्लाविया के विघटन के बाद यह सबसे अधिक मतदान था। चुनाव से पहले आए सर्वेक्षणों में तस्वीर साफ नहीं थी। माना जा रहा था कि मुकाबला कड़ा होगा और छात्रों के आंदोलन को चुनाव में कितनी सफलता मिलेगी, यह कहना मुश्किल है। लेकिन बड़ी संख्या में लोगों के मतदान के लिए बाहर निकलने से सत्ता परिवर्तन की संभावनाएं मजबूत होती दिखाई दीं।

छात्र आंदोलन पिछले दो साल से वुसिक सरकार के खिलाफ आवाज उठा रहा था। आंदोलन ने युवाओं के साथ समाज के दूसरे वर्गों का भी ध्यान खींचा। सरकार के कामकाज और वुसिक की बढ़ती सत्तावादी शैली को लेकर असंतोष इस चुनाव का अहम मुद्दा बना। वुसिक एक दशक से ज्यादा समय तक सर्बिया की राजनीति में प्रभावशाली बने रहे। पिछले महीने छात्रों के बढ़ते दबाव के बीच उन्होंने राष्ट्रपति पद छोड़ने और समय से पहले चुनाव कराने का फैसला किया था। अब शुरुआती नतीजे उनके राजनीतिक भविष्य के लिए बड़ा झटका माने जा रहे हैं।

यूरोप की राजनीति पर भी पड़ सकता है असर

वुसिक की हार के संकेतों ने यूरोप में लोकतंत्र और सत्ता परिवर्तन को लेकर नई चर्चा छेड़ दी है। उनके करीबी सहयोगी माने जाने वाले हंगरी के नेता विक्टर ओर्बन की राजनीतिक मुश्किलों से भी इस घटनाक्रम की तुलना की जा रही है। हालांकि, सर्बिया में सत्ता परिवर्तन की पूरी तस्वीर अंतिम चुनाव परिणामों और आगे बनने वाली सरकार पर निर्भर करेगी। फिलहाल इतना साफ है कि छात्रों के आंदोलन ने देश की राजनीति में अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराई है।

ब्राजील में राष्ट्रपति चुनाव: अमेरिका और ट्रंप के विरोधी लूला की जीत, दूसरे दौर के मतदान के बाद आए नतीजे

रियो डी जनेरियो, एजेंसी। ब्राजील में रविवार को राष्ट्रपति चुनाव के दूसरे दौर के लिए मतदान

के बाद नतीजे आ चुके हैं। इसमें मौजूदा राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा को बहुमत मिला है। जेल में बंद पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो के बेटे फ्लावियो बोल्सोनारो के साथ कड़े मुकाबले के बीच लूला ने जीत दर्ज की। दोनों उम्मीदवारों को जनवरी में देश का अगला राष्ट्रपति बनने के लिए 50 प्रतिशत से अधिक वोट हासिल करने थे। लूला 50 फीसदी से अधिक वोट हासिल करने में सफल रहे। ब्राजील चुनाव के नतीजे तय करेंगे कि लैटिन अमेरिका में अमेरिका का बढ़ता प्रभाव और मजबूत होगा या वामपंथी नेतृत्व मजबूत रहेगा। मतदान और नतीजों से पहले आए सर्वेक्षणों में दोनों उम्मीदवारों के बीच कांटे की टक्कर दिखाई गई थी। वामपंथी विचारधारा वाले अनुभवी नेता लूला बीते कुछ समय से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का मुखर विरोध करने के कारण सुर्खियों में रहे हैं। चुनाव में प्रतिद्वंद्वी फ्लावियो बोल्सोनारो अमेरिका की तरफ झुकाव रखने के साथ ट्रंप के सहयोगी भी रहे हैं। फ्लावियो, जेल में बंद ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो के बेटे हैं। इस महीने की शुरुआत में हुए चुनाव के पहले चरण में फ्लावियो ने लूला से 22 लाख से अधिक वोट हासिल किए थे। हालांकि, करीब 16 करोड़ मतदाताओं वाले देश में 3.30 करोड़ से अधिक लोगों ने मतदान नहीं किया था, जबकि ब्राजील में मतदान करना अनिवार्य है। अमेरिका के साथ संबंधों, जलवायु परिवर्तन और सामाजिक कल्याण जैसे मुद्दों पर लूला और फ्लावियो के विचार एक-दूसरे से काफी अलग हैं। फ्लावियो की जीत से लैटिन अमेरिका के सबसे अधिक

मतदान से पहले पीएम नेतन्याहू के तेवर बदले, 7 अक्तूबर 2023 की चूक पर देश की जनता कितनी नाराज

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइल में 27 अक्तूबर को होने वाले संसदीय चुनाव से ठीक पहले राजनीतिक सरगर्मी अपने चरम पर है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू अपनी सत्ता बचाने के लिए आक्रामक तेवरों के साथ मैदान में हैं, लेकिन उनके खिलाफ जनता का आक्रोश थमने का नाम नहीं ले रहा है। राजधानी तेल अवीव समेत कई हिस्सों में हजारों प्रदर्शनकारियों ने सड़कों पर उतरकर जोरदार प्रदर्शन किया है। हमास के हमलों और गाजा व ईरान युद्ध के बाद हो रहा पहला चुनाव नेतन्याहू के राजनीतिक भविष्य का जनमत संग्रह माना जा रहा है। नेतन्याहू अपनी सुरक्षा नीतियों और कड़े रुख के जरिये मतदाताओं को साधने में जुटे हैं। कभी सीमित और रक्षात्मक कदमों के पक्षधर रहे नेतन्याहू ने अब गाजा, लेबनान और ईरान के खिलाफ आक्रामक कार्रवाई को अपनी सबसे बड़ी यूएसपी बना लिया है। उन्होंने दक्षिणपंथी मतदाताओं को एकजुट करने पर पूरा जोर दिया है ताकि बहुमत का आंकड़ा (61 सीटें) जुटाया जा सके। सुरक्षा और खुफिया चूक की जवाबदेही चुनाव का सबसे बड़ा मुद्दा बन गई है। बंधक बनाए गए लोगों के परिजनों और आम जनता का आरोप है कि नेतन्याहू 7 अक्तूबर 2023 के हमलों से जुड़ी विफलताओं की स्वतंत्र जांच से बच रहे हैं। इस आंदोलन को विपक्षी दलों का भी पूरा समर्थन मिल रहा है। तेल अवीव के होस्टेज स्क्वायर पर उमड़ी हजारों की भीड़ ने नेतन्याहू के खिलाफ तीखा रोष प्रकट किया। इस दौरान विपक्षी नेता और याशर पार्टी के प्रमुख गादी आइजनकोट को भारी समर्थन मिला, जिन्हें नेतन्याहू का सबसे बड़ा प्रतिद्वंद्वी माना जा रहा है। चुनाव पूर्व सर्वेक्षणों में भी आइजनकोट आगे चल रहे हैं। एजेंसी नेतन्याहू ने रविवार को एआई से बनी इस्राइल पर परमाणु बम गिरने की एक तस्वीर साझा की। उन्होंने लिखा है कि इस्राइल के सामने अस्तित्व का खतरा है। अगर ईरान ने परमाणु हथियार हासिल कर लिए, तो बाकी किसी चीज का कोई मतलब नहीं रह जाएगा। ईरान से पैदा होने वाले खतरे के सामने बाकी सभी मुद्दे मामूली हैं। वहीं, विपक्षी नेता यायर गोलान ने आरोप लगाया कि नेतन्याहू लोगों में डर फैला रहे हैं।

50 साल बाद विदेश में सेना भेजेगा अल्जीरिया

नाइजर में तेल और गैस ठिकानों की सुरक्षा पर नजर, क्या है मामला

अल्जीरियर्स, एजेंसी। अल्जीरिया ने करीब 53 साल बाद विदेश में अपनी सेना भेजने का फैसला किया है। रविवार को देश की संसद ने नाइजर में सैनिकों की तैनाती के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। इससे पहले 1973 में अरब-इजरायल युद्ध के दौरान अल्जीरिया ने मिस्र की मदद के लिए अपने सैनिक भेजे थे। हालांकि, इस बार सेना की तैनाती कब होगी, कितने सैनिक जाएंगे और उन्हें किस इलाके में रखा जाएगा, इस बारे में अभी कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। अल्जीरिया के सीनेटर बेलकासेम बोलघिती ने कहा कि नाइजर में सैनिक भेजने का मुख्य मकसद देश के आर्थिक और रणनीतिक हितों की रक्षा करना है। खास तौर पर वहां मौजूद तेल से जुड़ी सुविधाओं को सुरक्षित रखना जरूरी है। उन्होंने साफ किया कि सेना को नाइजर में युद्ध लड़ने

के लिए नहीं भेजा जा रहा, बल्कि उसे अहम आर्थिक ढांचे की सुरक्षा की जिम्मेदारी दी जाएगी। उनके मुताबिक, साहेल क्षेत्र में बदलते हालात को देखते हुए अल्जीरिया को अपनी रणनीति में बदलाव करना पड़ रहा है। नाइजर में अल्जीरिया की दिलचस्पी की एक बड़ी वजह प्राकृतिक गैस से जुड़ी परियोजना भी है। अल्जीरिया की सरकारी ऊर्जा कंपनी सोनाट्राच नाइजर के साथ मिलकर ट्रांस-सहारा गैस पाइपलाइन परियोजना पर काम कर रही है। इस परियोजना के तहत नाइजीरिया से प्राकृतिक गैस को नाइजर के रास्ते अल्जीरिया तक लाने की योजना है। इसके बाद गैस को यूरोपीय देशों के बाजारों में पहुंचाया जा सकेगा। ऐसे में इस परियोजना से जुड़े बुनियादी ढांचे की सुरक्षा दोनों देशों के लिए काफी अहम है। अफ्रीका के पश्चिमी साहेल इलाके में लंबे समय से हिंसा और अस्थिरता बनी हुई है। नाइजर, माली और बुर्किना फासो जैसे देश अल-कायदा और इस्लामिक स्टेट से जुड़े हथियारबंद गुटों के हमलों का सामना कर रहे हैं। इन संगठनों के हमलों में बड़ी संख्या में लोग मारे गए हैं। इसके अलावा, पिछले कुछ वर्षों में इन तीनों देशों में सैन्य तख्तापलट भी हुए हैं। राजनीतिक उथल-पुथल और लगातार हो रहे हमलों के कारण यहां की सुरक्षा व्यवस्था पर भारी दबाव है। अल्जीरिया का यह फैसला नाइजर के साथ उसके सुधरते रिश्तों का भी संकेत देता है। अगस्त में नाइजर की सैन्य सरकार के खिलाफ बगावत की कोशिश हुई थी। जनरल अब्दौराहमाने त्चियानी के नेतृत्व वाली सत्ता के समर्थन में अल्जीरिया खुलकर सामने आया था।

'खत्म की ईरान की परमाणु क्षमता': ट्रंप का दावा, कहा- होर्मुज से बढ़ी तेल सप्लाई

वॉशिंगटन/रियाद, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई का बचाव करते हुए दावा किया है कि अमेरिकी हमलों ने ईरान की परमाणु क्षमता को पूरी तरह नष्ट कर दिया है। उन्होंने कहा कि ईरान को परमाणु हथियार विकसित करने की अनुमति देना गंभीर खतरा पैदा कर सकता है। ट्रंप के मुताबिक, संभावित परमाणु संघर्ष को रोकने के लिए पहले ही कार्रवाई करना जरूरी था। मिशिगन में रैली से पहले ट्रंप ने कहा, 'आप समस्याएं देखना चाहते हैं आप सिर्फ ऊर्जा से जुड़ी समस्याएं नहीं, बल्कि मौत से जुड़ी समस्याएं भी देखना चाहते हैं उन्हें परमाणु हथियार रखने दीजिए, क्योंकि वे उसका इस्तेमाल करेंगे। मुझे पहले ही यह कार्रवाई करनी थी। जब मैंने यह किया, तब मुझे पता था कि हमने उनकी परमाणु क्षमता को बुरी

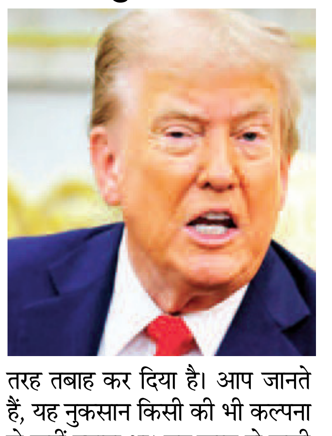

तरह तबाह कर दिया है। आप जानते हैं, यह नुकसान किसी की भी कल्पना से कहीं ज्यादा था। वह खत्म हो चुकी है।' वैश्विक ऊर्जा बाजार में उतार-चढ़ाव की आशंकाओं के बीच ट्रंप ने दावा किया कि रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य से अब युद्ध से पहले के मुकाबले अधिक तेल का परिवहन हो रहा है। उन्होंने इसका श्रेय अमेरिकी नौसेना की नाकेबंदी और सैन्य अभियानों को दिया। ट्रंप ने कहा, 'मुझे पता था कि इससे कीमतों में थोड़ी बढ़ोतरी होगी। अब अगर आप देखें, तो कल वॉल स्ट्रीट जर्नल के पहले पन्ने पर था कि होर्मुज जलडमरूमध्य से निकलने वाला तेल अब युद्ध से पहले के स्तर से भी आगे निकल गया है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि हमने नाकेबंदी की है और हमारी सेना, खासकर हमारी नौसेना ने शानदार काम किया है।' उन्होंने आगे कहा, 'हमने समुद्री नाकेबंदी कर रखी है और इस समय होर्मुज से युद्ध शुरू होने से पहले के मुकाबले ज्यादा तेल निकल रहा है।' इस बीच, ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि भविष्य में युद्ध होता है या नहीं, इससे ईरान की नीतियों पर असर नहीं पड़ेगा। ईरानी समाचार एजेंसी आईएसएनए के मुताबिक, उन्होंने चेतावनी दी कि तेहरान के खिलाफ दोबारा सैन्य कार्रवाई करना तर्कहीन होगा। अराघची ने कहा, 'आज फिर युद्ध की बातें हो रही हैं, लेकिन अब से मैं युद्ध के बारे में सोच रहा हूं। युद्ध हो या न हो, हमारी नीतियां अपनी जगह बनी रहेंगी।' सऊदी अरब में मिसाइल और ड्रोन हमलों के बाद अमेरिका ने अपने गैर-आपातकालीन सरकारी कर्मचारियों और उनके पात्र परिवार के सदस्यों को देश छोड़ने का आदेश दिया है। रियाद स्थित अमेरिकी दूतावास ने इसकी जानकारी दी। अमेरिकी विदेश विभाग ने यह फैसला नागरिक हवाई अड्डों और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों के हमलों से पैदा हुए सुरक्षा जोखिमों को देखते हुए लिया है। रिफाइनरियों और सऊदी अरब के कई अन्य विमानन तथा सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया।

'बीबी को वोट दें': इस्राइल चुनाव से पहले ट्रंप का नेतन्याहू को समर्थन

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस्राइल में होने वाले चुनाव से पहले एक बार फिर प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का खुलकर समर्थन किया है। उन्होंने इस्राइल के नागरिकों से नेतन्याहू को वोट देने की अपील करते हुए उन्हें एक बेहतरीन और साहसी प्रधानमंत्री बताया। ट्रंप ने दोनों नेताओं के करीबी संबंधों और ईरान के खिलाफ संयुक्त सैन्य अभियान का भी जिक्र किया।

ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में नेतन्याहू की तारीफ की। उन्होंने अमेरिकी सैन्य अभियानों का हवाला देते हुए दावा किया कि ईरान की सैन्य ताकत और अर्थव्यवस्था को गंभीर नुकसान पहुंचा है।

ट्रंप ने लिखा, 'इस्राइल के लोगों से, खासकर उन लोगों से जिन्होंने इसे नहीं देखा है, मैं एक सप्ताह पहले आपके प्रधानमंत्री बीबी नेतन्याहू के समर्थन में दिए गए अपने बयान को साझा कर रहा हूं। जैसा कि सभी जानते हैं, यहां तक कि दुश्मन भी जानते हैं कि बीबी और मेरे बीच अच्छे संबंध रहे हैं और हमने मिलकर जीत हासिल की है।' उन्होंने लिखा, 'मैंने वेनेजुएला में हमला किया, जो इतिहास के सबसे सफल सैन्य अभियानों में से एक था। लेकिन उससे पहले हमने ऑपरेशन मिडनाइट हैमर चलाया, जिससे दुनिया के आतंकवाद को प्रायोजित करने वाले सबसे बड़े देश को परमाणु हथियार हासिल करने से रोका गया। इसके बाद हमने ऑपरेशन एपिक फ्यूरी चलाया। अब ईरान के पास न नौसेना है और न वायुसेना। उसकी सेना और अर्थव्यवस्था दोनों बुरी हालत में हैं। ईरान में महंगाई दर भी 301 प्रतिशत है।' ट्रंप ने ईरान की नौसैनिक नाकेबंदी का भी जिक्र किया। उन्होंने दावा किया कि इस नाकेबंदी के कारण ईरान को तेल नहीं मिल पा रहा है और उसके सैन्य तथा अन्य नेतृत्व के दो स्तर खत्म हो चुके हैं। उन्होंने कहा, 'जब आप मतदान करने जाएं, तो याद रखें कि बीबी एक बेहतरीन और साहसी प्रधानमंत्री रहे हैं। कुछ बेहद बुरे लोगों ने इस्राइल को 'छोटा शैतान' और अमेरिका को 'बड़ा शैतान' कहा था।' ट्रंप ने इस्राइल के लोगों से अभियान को पूरा करने की अपील करते हुए कहा, 'दुनिया भर में अब 'अमेरिका की मौत हो, इस्राइल की मौत हो' जैसे नारे नहीं सुनाई देने चाहिए और ऐसा नहीं होगा। प्रधानमंत्री के लिए बीबी नेतन्याहू को वोट दें। हमें उस काम को पूरा करना है, जिसकी शुरुआत हमने की थी।'

ब्राजील में लूला की वापसी: बोल्सोनारो ने हार मानने से किया इनकार, चुनावी नतीजे रद्द करने की उठाई मांग

ब्रासीलिया, एजेंसी। ब्राजील के राष्ट्रपति चुनाव में लुइज इनासियो लूला डा सिल्वा ने अपने प्रतिद्वंद्वी फ्लावियो बोल्सोनारो को हराकर जीत हासिल की। इस जीत के साथ देश की राजनीति में एक बार फिर बड़ा बदलाव देखने को मिला। चुनाव में हार के बाद बोल्सोनारो ने नतीजों को स्वीकार करने से इनकार कर दिया और चुनाव रद्द करने की मांग उठाई। लूला की जीत को लैटिन अमेरिका की राजनीति के लिहाज से भी अहम माना जा रहा है, क्योंकि इससे क्षेत्र में वामपंथी विचारधारा वाले नेताओं की स्थिति मजबूत हुई है।

करीब 44 लाख वोटों से मिली जीत

ब्राजील के चुनाव अधिकारियों के मुताबिक, सभी वोटों की गिनती पूरी होने के बाद लूला को कुल 51.8 फीसदी वोट मिले। उन्होंने बोल्सोनारो को करीब 44 लाख वोटों से पीछे छोड़ दिया। नतीजों की घोषणा के बाद लूला के समर्थकों में जश्न का माहौल बन गया। साओ पाउलो में बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर उतर आए, जबकि रियो डी जनेरियो में गाड़ियों के हॉर्न बजाकर जीत का जश्न मनाया गया। ब्राजील के राष्ट्रपति चुनाव में जीत हासिल करने के बाद लुइज इनासियो लूला डा सिल्वा ने कहा कि उनकी पार्टी ने

लोगों को यह समझाने में सफलता हासिल की कि ब्राजील में लोकतंत्र की रक्षा के लिए मतदान करना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि उनकी जीत के साथ डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए किए गए विदेशी हस्तक्षेप को भी मात मिली है। लूला ने साफ कहा कि ब्राजील किसी दूसरे देश का पिछवाड़ा नहीं है और देश अपने फैसले खुद लेने में सक्षम है। उन्होंने आगे कहा कि उनकी सरकार देश चलाने के तरीके में बदलाव करेगी और फैसले लेने की प्रक्रिया में आम लोगों की भागीदारी बढ़ाई जाएगी, ताकि जनता की आवाज को अधिक महत्व मिल सके। चुनाव में हार के बाद बोल्सोनारो ने मतदान का समय बढ़ाने के फैसले पर सवाल उठाए। उन्होंने इसे असाधारण कदम बताते हुए नतीजों को रद्द करने की मांग की। हालांकि, मतदान का समय बढ़ाने की मांग दोनों उम्मीदवारों की ओर से की गई थी। लूला के समर्थकों ने कुछ शहरों में बसों से मतदान केंद्रों तक पहुंचने में परेशानी की शिकायत की थी, जबकि बोल्सोनारो के समर्थक इलाकों में भारी बारिश के कारण दिक्कतें सामने आई थीं। मतदान खत्म होने से कुछ मिनट पहले ब्राजील के सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस क्रिस्टियानो जैनिन ने मतदान का समय दो घंटे बढ़ाने का आदेश दिया। इस फैसले से कई मतदान केंद्रों पर असमंजस की स्थिति पैदा हो गई। कुछ जगहों पर वोटिंग मशीनें बंद हो चुकी थीं, जबकि कई केंद्रों पर चुनावी प्रक्रिया को लेकर भ्रम बना रहा। इसके चलते मतगणना में भी देरी हुई। बोल्सोनारो के सहयोगियों ने फैसले पर सवाल उठाए और जस्टिस के पुराने राजनीतिक संबंधों का जिक्र किया। इस चुनाव में महंगाई, रोजगार और अपराध जैसे मुद्दों का खास असर देखने को मिला। बोल्सोनारो ने अपराध पर सख्ती बरतने और रोजमर्रा की चीजों की कीमतें कम करने का वादा किया था। दूसरी ओर, लूला ने सामाजिक कल्याण योजनाओं और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा को अपने प्रचार का अहम हिस्सा बनाया। पहले दौर में पिछड़ने के बाद लूला ने अपने अभियान में बदलाव किया और युवाओं समेत अलग-अलग वर्गों के मतदाताओं को अपने पक्ष में करने की कोशिश की।

लटकते पेट को सपाट कर देंगे पोषण से भरे ये 3 फ्रूट्स और ये एक योग

क्या आपका वजन बढ़ गया है, और अब उसे कम करना चाहते/चाहती हैं? ठीक है, तो इसके लिए आपको सबसे पहले ये देखना होगा कि आपका बॉडी मास इंडेक्स या बीएमआई क्या है। भारतीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मानकों के अनुसार सामान्य बीएमआई 23 से कम है, ओवरवेट 23 से ज्यादा है और 25 से ज्यादा बीएमआई वालों को मोटापे की श्रेणी में रखा गया है। अगर आपकी बीएमआई रेट सामान्य से अधिक है तो आपको इसे गंभीरता से लेने की जरूरत है। आपको अपना वजन कम करने के लिए प्रयास करना चाहिए। इसके लिए हम आपकी मदद कर सकते हैं।

वजन को कम करने के लिए सबसे पहले आपको अपने खानपान पर ध्यान देने की जरूरत है। आपको यह ध्यान रखना होगा कि आप कितनी मात्रा में कैलोरी ले रहे हैं। अगर आप अत्यधिक कैलोरी वाले फूड्स का सेवन करते हैं तो यह आपका वजन बढ़ाते हैं। ऐसे में आप अपने ब्रेकफास्ट, लंच और डिनर में हेल्दी फूड को शामिल करें। सुबह के नाश्ते में अंकुरित अनाज, ड्राई फ्रूट्स, पोहा, उत्तपम और फलों का सेवन जरूर करें। सुबह खाली पेट गुनगुना पानी या नींबू पानी शहद के साथ जरूर पिएं। लंच में भी दाल और सब्जी का सेवन करें। रोटी और चावल कम मात्रा में लें। दिन में स्नैक्स के तौर पर फल खाएं। रात का खाना हल्का रखें तले-भुने और जंक फूड से दूरी बनाएं। इसके अलावा यहां हम आपको 3 ऐसे फलों के बारे में बता रहे हैं जो आपका वजन कम करने में मदद करेंगे।

1. सेब

कैलोरी में कम और फाइबर से भरपूर होने के कारण सेब आपको प्रभावी रूप से वजन कम करने में मदद कर सकता है। इतना ही नहीं वे तृप्ति भी बढ़ा सकते हैं और आपको अधिक खाने से भी रोक सकते हैं। एकेडमी ऑफ न्यूट्रिशन एंड डायटेटिक्स के जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन के मुताबिक, सेब फैट बर्न करने और भूख को नियंत्रित करने में मदद करने के लिए भी जाना जाता है।

2. चकोतरा

विटामिन सी ये युक्त चकोतरा आपको एक वर्कआउट सेशन के वसा को कम करने में काफी मदद कर सकता है। इसके साथ ही, कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स होने के कारण, यह आपके रक्त में काफी धीरे-धीरे शर्करा छोड़ता है और वजन कम करने में मदद करता है। फूड साइंस और न्यूट्रीशन में प्रकाशित शोध के अनुसार, ग्रेपफ्रूट्स खाने से इंसुलिन नामक फैट-स्टोरेज हार्मोन के स्तर को कम किया जा सकता है। इसके अलावा, पानी से भरा हुआ, ग्रेपफ्रूट्स आपको लंबे समय तक तृप्त रख सकता है।

3. बेरीज

एंटी-इंफ्लामेट्री गुण होने के कारण बेरीज सूजन को रोकता है, जो पहले से ही वजन बढ़ाने के साथ जुड़ा हुआ है। इतना ही नहीं यह आपके पेट को भी भरा रखता है। इसलिए आपको अधिक खाने से रोक सकते हैं। इसके अतिरिक्त, बेरीज आपके कोलेस्ट्रॉल के स्तर और रक्तचाप को कम करने में भी काफी मददगार साबित हो सकते हैं।

उत्तान पादासन

उत्तान पादासन बहुत ही आसान और अच्छा योगासन है। इसे करने के लिए सबसे पहले पीठ के बल मैट पर लेट जाएं। दोनों हथेलियों को जांघों के बराबर में रखें। अब दोनों पैरों के घुटनों, एड़ियों और अंगूठों को मिलाएं और टांगों को सीधी रेखा में तानकर रखें। अब सांस लेते हुए दोनों पैरों को 45 डिग्री पर ले जाएं। शुरुआत में ऐसा करना काफी दर्द भरा हो सकता है, लेकिन, धीरे-धीरे ये सही हो जाएगा। जैसे-जैसे पैर ऊपर उठते जाएं इसे 90 डिग्री तक ले जा सकते हैं। इस योगासन को करने से पहले स्ट्रिचिंग व्यायाम जरूर कर लें। यह योग आपकी कमर, कुल्हों और जांघों की चर्बी को खत्म करने में मदद करेगा। इसके और भी कई फायदे हैं।

रेसिपी

सूजी पास्ता

सामग्री

- सूजी: 1 कप
- 1 टमाटर
- 11/2 शिमला मिर्च
- 1 गाजर
- 1 प्याज
- टोमैटो सॉस: 1 टेबलस्पून
- लाल मिर्च पाउडर: 1/2 टीस्पून
- हल्दी: 1/2 टीस्पून
- तेल
- पानी: 1 कप
- चाट मसाला: 1/2 टीस्पून
- हरा धनिया: 2 टेबलस्पून
- नमक: स्वाद के अनुसार
- सजावट के लिए धनियापत्ती

विधि

एक बर्तन में सूजी लें। इसमें नमक और 2 चम्मच तेल मिक्स कर लें। अब थोड़ा-थोड़ा पानी डालकर नरम आटा गूंद लें और 10-15 मिनट रख दें। तय समय बाद देखेंगे तो सूजी फूल चुकी होगी, इसमें थोड़ा तेल डालकर हाथेलियों से मसल लें। अब आटे से छोटी-छोटी लोई तोड़कर मनचाहे आकार में डिजाइन दे दें। इसी तरह सारी लोई को पास्ता के डिजाइन में बना लें। अब एक बड़ी छलनी के ऊपर तेल लगाकर सारे पास्ता को रख दें। मीडियम आंच पर पैन में पानी गर्म होने रख दें। इस पर पास्ता वाली छलनी ढककर 15-20 मिनट रख दें। यानी हमें सूजी के पास्ता को स्टीम करना है। तय समय बाद गैस बंद कर दें और देखें कि सूजी के पास्ता पक चुके हैं। इन्हें निकालकर अलग रख दें। अब प्याज, शिमला मिर्च, टमाटर, गाजर और हरा धनिया बारीक काट लें। मीडियम आंच पर पैन में तेल गर्म करें। इसमें प्याज डालकर भून लें। अब शिमला मिर्च, टमाटर, गाजर डालकर हल्का भून लें। अब टोमैटो सॉस डालकर 1-2 मिनट तक पका लें। इसमें हल्दी पाउडर, चाट मसाला, लाल मिर्च पाउडर और नमक डालकर मसाले को पका लें। अब पास्ता डालकर मिक्स कर लें। आंच बंद कर दें और धनियापत्ती से गार्निश कर लें। तैयार है स्वादिष्ट सूजी पास्ता।

हल्दी के लड्डू

सामग्री

- कच्ची हल्दी: 500 ग्राम
- गुड़: 500 ग्राम
- बारीक कटे (बादाम, काजू, किशमिश और पिस्ता): 1 कटोरी
- देसी घी: 2 टेबलस्पून

विधि

हल्दी के लड्डू बनाने के लिए सबसे पहले हल्दी की गांठ को छील लें। हल्दी को कद्दूकस कर लें। आप चाहें तो बारीक पीस भी सकते हैं। इसके बाद पैन में एक चम्मच घी गर्म करें और इसमें हल्दी डालकर 4-5 मिनट तक चलाते हुए भून लें। जब हल्दी का पानी सूख जाए तो इसमें एक और चम्मच घी डालें। साथ ही बारीक कटे मेवे भी डालकर भून लें। पैन को आंच से उतार लें और इसें गुड़ को कद्दूकस करके मिला लें। गुड़ डालने के बाद तुरंत अच्छी तरह मिलाएं लड्डू तैयार करते जाएं। सारे मिश्रण से लड्डू तैयार कर एयरटाइट डिब्बे में रख लें। रात को एक लड्डू खाने के बाद एक गिलास दूध पीने से ठंड में काफी लाभ मिलता है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंग। रुपए पैसों की सुविधा मिल जाएगी। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि व खर्चा बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। बनते हुए कार्यो में बाधा आएगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। शुभांक-3-4-5

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-2-4-5

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। खान-पान में सावधानी रखें। शुभांक-4-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगें। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-4-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानी पूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। कोई धार्मिक यात्रा करेगें। शुभांक-2-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां आज पैदा होगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आमोद-प्रमोद का दिन होगा। व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-2-4-6

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। शुभांक-4-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंग। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। शुभांक-6-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। शुभांक-3-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंग। शुभांक-2-4-6

काकुरो पहेली - 2660

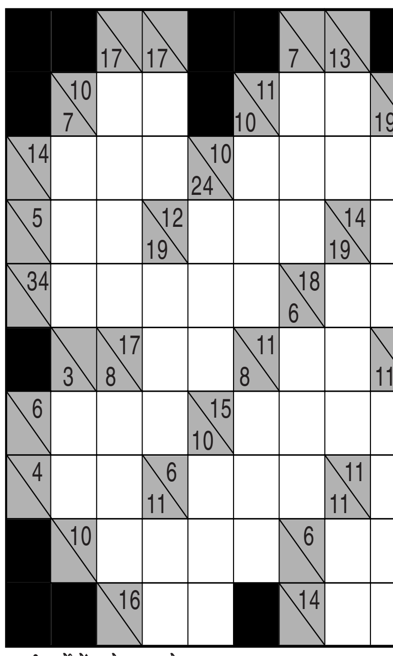

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की ओर की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

1 2 3 5 (7, 11)

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 2659 का हल

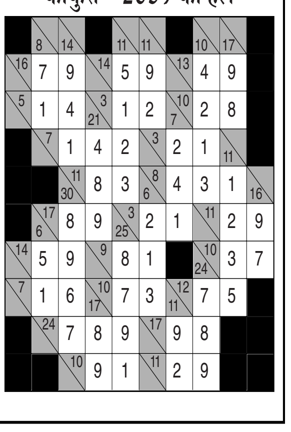

हंसी के फूव्वारें

राज (हरीश से), ''सुनाओ दोस्त क्या हाल है?''

हरीश, ''बहुत बुरा हाल है. सब साथ छोड़ गए है एक बीवी थी वह भी कटी पतंग की तरह आसमान में कहीं उड़ती फिरती है, तुम अपना हाल सुनाओ.''

राज,''मैं तो बड़े मजे में हूं. आजकल कटी पतंगें लूटना ही मेरा काम है, आराम से गुजर रही है.''

□ □ □

एक मशहूर क्रिकेटर का विवाह हुआ. विवाह के कुछ दिन उपरांत वह अपनी ससुराल गया तो उलकी साली शोखी से बोली, ''जीजा जी, दीदी कैसी लगी?''

क्रिकेटर बड़ी गंभीर आवाज में बोला, ''मीडियम फास्ट.''

□ □ □

विजय लक्ष्मी (शारदा से), ''मेरी बेटी का संगीत अभ्यास मेरे लिए बहुत भाग्यशाली साबित हुआ?'' शारदा, ''वह कैसे.''

विजय लक्ष्मी, ''मेरा पड़ोसी इसी कारण अपना मकान आधे दामों पर बेच गया और मैंने खरीद लिया.''

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 2660

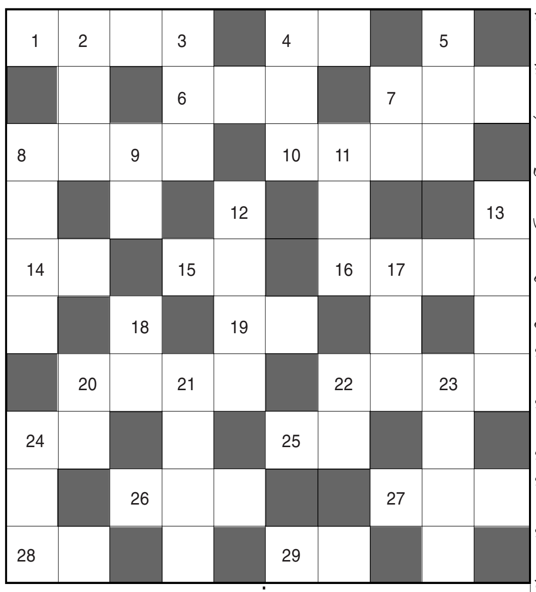

बायें से दायें:-

१. सैफ, चंद्रचूड़, प्रीति की 'इसे खेल ना समझो' गीत वाली फिल्म-१,३
४. 'एक लड़की जिसके' गीत वाली संजय दत्त, जैकी, रवीना की फिल्म-२
६. गोविंदा, रवीना टंडन की 'सासूजी थारो लल्ला' गीत वाली फिल्म-३
७. 'हम दिल दे चुके सनम' में सलमान की माँ की भूमिका किसने की थी-३
८. ऋषि कपूर, जूही चावला वाली फिल्म 'दरार' में सहनायक कौन था-४
१०. 'रंग दे रंग दे' गीत वाली फिल्म 'तक्षक' के संगीत निर्देशक कौन हैं-४
१४. राजकुमार, जीतेंद्र की फिल्म 'मेरे हुजूर' की नायिका कौन थी-२
१५. 'दिल है तुम्हारा' में अर्जुन रामपाल के किरदार का क्या नाम है-२
१६. राजेंद्रकुमार, बी. सरोजादेवी की 'जाना तुम्हारे प्यार में' गीत वाली फिल्म-४
१९. 'इस टूटे दिल' गीत वाली अनिल, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२०. अक्षयकुमार, करिश्मा की 'माथे पे चमके इसके' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'सोला किये थे' गीत वाली मिथुन, शिल्पा शिरोडकर की फिल्म-४
२४. आमिर खान, माधुरी की 'मुझे नींद न आये' गीत वाली फिल्म-२
२५. नाना पाटेकर, जैकी श्रॉफ, कुमार गौरव, जावेद, जूही की फिल्म-२
२६. राजकपूर, दिलीपकुमार की 'उठाये जा उनके' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'ओ मेरे सनम ओ मेरे सनम' गीत वाली फिल्म-३
२८. राजेंद्रकुमार, माला सिन्हा की 'जिसके सपने हमें रोज' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'जाने क्या होगा रामा रे' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

२. आफताब, लिसा रे की 'कितना बेचैन हो के' गीत वाली फिल्म-३
३. 'तेरे बिना मैं कुछ' गीत वाली मिथुन, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की फिल्म-३
४. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'यारी है ईमान मेरा' गीत वाली फिल्म-३
५. 'बोल गोरी बोल तेरा कौन पिया' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-३
७. फिल्म 'रजिया सुल्तान' में शीर्षक भूमिका किसने की थी-२
८. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'मीत ना मिला रे मन का' गीत वाली फिल्म-४
९. संजय दत्त, इंद्रकुमार, मनीषा की फिल्म-२
११. शॉवर अली, तरूण अरोड़ा, मेघना की 'तेरी चाहत में' गीत वाली फिल्म-३
१२. राजेश खन्ना, शबाना की 'चलो बुलावा आया है' गीत वाली फिल्म-४
१३. सनी, रजनीकांत, श्रीदेवी की फिल्म-४
१७. अजय, अक्षय, करिश्मा, नगमा की 'शाबा ये नखरा' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीत वाली अमिताभ, जीनत की फिल्म-२
२०. सनी, तब्बू, रीमा सेन की फिल्म-२
२१. 'दिल का तोहफा लाई हूँ' गीत वाली फिल्म-४
२२. आयशा, दिव्या भारती, कमल सदाना की 'तेरी मुहब्बत' गीत वाली फिल्म-२
२३. 'ये काली काली आँखें' गीत वाली फिल्म-४
२४. सनी, बॉबी, उर्मिला की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 2659

सूडोकु -2660

3	9			1	4			2
1	2		6		3		5	
		5		8	7			9
	7			6	9			8
2	1			5			4	6
4			3	2			9	
9			8	4		5		
	6		9		5		2	4
8			1	7			6	3

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2659 का हल

6	9	2	3	7	4	5	8	1
3	8	5	6	2	1	7	4	9
7	4	1	8	9	5	6	2	3
2	3	9	5	4	6	8	1	7
1	7	4	9	8	3	2	6	5
5	6	8	7	1	2	9	3	4
4	5	7	1	6	8	3	9	2
8	2	3	4	5	9	1	7	6
9	1	6	2	3	7	4	5	8

शब्द पहेली - 2660

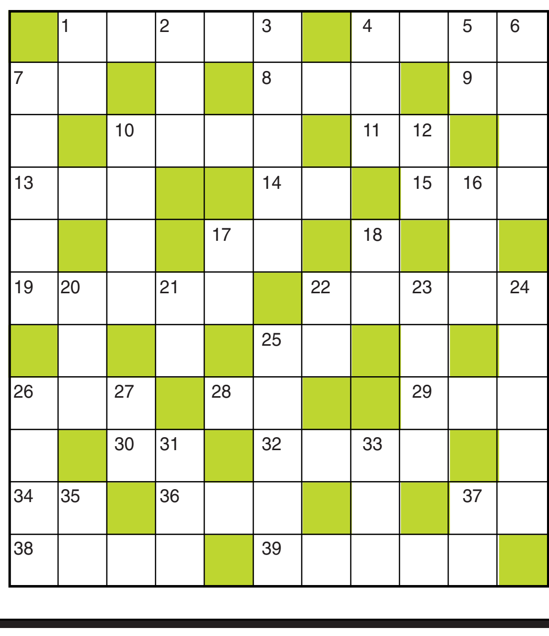

बाएँ से दाएँ

1.असहकार-5
4.शत्रुता,दुश्मनी-4
7.नाच,नृत्य (उर्दू-2)
8.विष्णु का वाहन-3
9.मादा का विलोम-2
10.ईश्वर,शिव-4
11.संज्ञा,संबोधन-2
13.वेग,गति-3
14.महसूल,राहदरी-2
15.अंधकार,अंधेरा-3
17.कुंजी,ताली-2
19.गोलाकार-5
22.इतरता,बेगानापन-5
25.समय,वक्त-2
26.स्याही का पात्र-3
28.अच्छा,सद् पुरुष-2
29.अदृश्य-3
30.मिट्टी,धूल-2
32.नट,बाजीगरी करने वाला-4
34.टैक्स,हाथ-2
36.बोलने का तरीका-3
37.खदान-2
38.जो जायज न हो-4
39.श्री रामचंद्र का नाम-5

ऊपर से नीचे

1.तराजू डंडा,पासा-2
2.पराजित करना-3
3.बहुत लंबा -5
4.रुकना,अड़ जाना-3
5.जंगल,कानन-2
6.तीर रखने का पात्र-4
7.सार-संभाल-2,3
10.पूंजी,धन-4
12.वोट,राय-2
16.राजा,महाराजा-3
17.चतुर्थ,चौथा-2
18.हलवा-2
20.पक्षाघात-3
21.तन,देह-2
22.क्षण-2
23.स्मारक-4
24.चोर,लुटेरा-5
25.जैकी श्राफ, अनिल कपूर,किमी काटकर व फराह अभिनीत फिल्म -5
26.टूटना,बिखरना-4
27.पानी से सराबोर-2
31.कमल,नीरज-3
33.बादलों की गड़गड़ाहट-3
35.छुट्टी,अवकाश-2
37.राख,मिट्टी-2

शब्द पहेली -2659 का हल

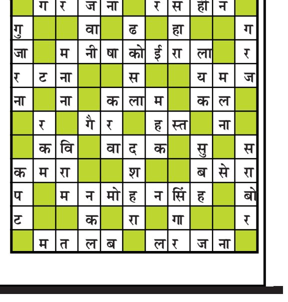

दिलजीत के शो, स्कूलों और पंजाब विधानसभा को बम से उड़ाने की धमकी, सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट

चंडीगढ़, एजेंसी। चंडीगढ़ और मोहाली में बम धमाके की धमकी मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हैं। धमकी भरे ईमेल और संदेशों में कई स्कूलों, पंजाब विधानसभा और पंजाबी गायक व अभिनेता दिलजीत दोसांझ के आगामी शो को निशाना बनाने की बात कही है। मामले की गंभीरता को देखकर संबंधित एजेंसियां संदेशों की सत्यता और उनके स्रोत का पता लगाने में जुटी हैं। जानकारी के अनुसार, वायरल हो रहे धमकी भरे संदेशों में चंडीगढ़ के सेक्टर-42 स्थित एसआर किड्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल और सेक्टर-44 के सेंट जेवियर स्कूल के अलावा मोहाली के कुछ स्कूलों का उल्लेख है। इसके साथ ही पंजाब विधानसभा परिसर को निशाना बनाने की धमकी दिए जाने का दावा है। वायरल ईमेल के स्क्रीनशॉट में अक्टूबर से 27 नवंबर तक अलग-अलग स्थानों पर धमाके करने की चेतावनी होने की बात कही गई है। हालांकि, इन संदेशों में किए गए दावों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। मामले में दिलजीत दोसांझ के आगामी म्यूजिकल शो का जिक्र होने से चिंता बढ़ गई है। संदेशों में कार्यक्रम को निशाना बनाने की धमकी देने का दावा किया गया है। सुरक्षा एजेंसियां संभावित खतरे को ध्यान में रखकर मामले की जांच में जुटी हैं। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि धमकी भरे संदेश किसने भेजा और उनका उद्देश्य क्या है।

मायावती की कांग्रेस को नसीहत: व्यक्तिगत हमले और जहरीली राजनीति देशहित में नहीं

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व सीएम मायावती ने भारतीय राजनीति में व्याप्त कटुता और व्यक्तिगत हमलों पर गहरी चिंता जाहिर की है। उन्होंने बिना किसी का नाम लिए, विशेषकर कांग्रेस को परोक्ष रूप से नसीहत देकर कहा कि ऐसी विषैली और अमर्यादित राजनीति देश के लिए उचित नहीं है। बसपा प्रमुख मायावती ने लिखा कि आज भारतीय राजनीति में आपसी अविश्वास, द्वेष और आरोप-प्रत्यारोप का स्तर व्यक्तिगत हमलों तक पहुंच चुका है। उन्होंने इस व्यवहार को असंसदीय, अमर्यादित, अपमानजनक, संकीर्ण और कभी-कभी हिंसक बयानबाजी तक पहुंचने वाला बताया, जो अत्यंत दुखद और देश की गरिमा व मान-मर्यादा के लिए चिंताजनक है।

बसपा प्रमुख मायावती ने कहा कि यदि शीर्ष पदों पर बैठे लोगों के बीच आपसी सम्मान का अभाव है, तब भी आपत्तिजनक और विषैली राजनीति को किसी भी प्रकार से बढ़ावा नहीं देना चाहिए। उनके मुताबिक, इस तरह की बढ़ती स्वार्थी और संकीर्ण राजनीति से लोगों का भरोसा राजनीतिक व्यवस्था पर कमजोर हो रहा है, जो देश और जनहित के लिए शुभ संकेत नहीं है। मायावती ने देश में बढ़ती गरीबी, बेरोजगारी और महंगाई जैसी ज्वलंत समस्याओं का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि जनता पहले से ही इन मुद्दों से बेचैन है, और इसके बाद नेताओं के बीच की नाक की आपसी लड़ाई स्थिति को और विषम बना रही है। जनता चाहती है कि सभी का ध्यान इन गंभीर समस्याओं के समाधान पर केंद्रित हो। उन्होंने सभी पार्टियों और उनके नेताओं से अशोभनीय टीका-टिप्पणी व बयानबाजी की होड़ से बचने की अपील की। मायावती ने आगाह किया कि यह प्रवृत्ति राजनीतिक माहौल को और अधिक कड़वा व विषैला बनाएगी, जो पूरी तरह अनुचित है। उन्होंने इस दिशा में सभी से समुचित ध्यान देने का आह्वान किया।

जम्मू-कश्मीर: उमर अब्दुल्ला मंत्रिमंडल में चार नए मंत्रियों ने ली शपथ, अधिकतम संख्या हुई नौ

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने मंगलवार को मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार में चार नए मंत्रियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस विस्तार के साथ, राज्य में मुख्यमंत्री सहित जम्मू-कश्मीर कैबिनेट की कुल संख्या नौ हुई है, जो पुनर्गठन अधिनियम 2019 के तहत निर्धारित अधिकतम सीमा है। इस अधिनियम के अनुसार, 90 सदस्यीय विधानसभा में अधिकतम 10 प्रतिशत यानी नौ मंत्री हो सकते हैं। शपथ लेने वाले चारों विधायक सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) से हैं। इसमें श्रीनगर के खानयार से सात बार के विधायक और वरिष्ठ नेता अली मोहम्मद सागर, श्रीनगर के हब्बा कदल से दो बार की विधायक शमीमा फिरदौस, कुपवाड़ा के त्रेहगाम से मीर सैफुल्लाह और अनंतनाग के पहलगाम से अल्ताफ अहमद वानी उर्फ अल्ताफ कालू शामिल हैं। उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी के साथ-साथ सकीना इटू, जावेद राणा और जावेद अहमद डार अपने मंत्री पदों पर बरकरार हैं। पार्टी सूत्रों के अनुसार, मंत्रिमंडल में यह फेरबदल बेहतर शासन और लोगों की शिकायतों के त्वरित निवारण को सुनिश्चित करने के लिए किया गया है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने पार्टी अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला के परामर्श से वरिष्ठ नेताओं को शामिल किया है। शपथ ग्रहण समारोह श्रीनगर शहर के चश्मा शाही इलाके में स्थित लोक भवन ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया। इस मौके पर मुख्यमंत्री उमर, एनसी अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला, अन्य मंत्री, वरिष्ठ नेता, सिविल और पुलिस अधिकारी सहित कई प्रमुख नागरिक उपस्थित थे। अब जम्मू-कश्मीर सरकार में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला सहित कुल नौ मंत्री हैं सकीना इटू, जावेद डार, जावेद राणा, अली सागर, शमीमा फिरदौस, अल्ताफ कालू, मीर सैफुल्लाह और सुरिंदर चौधरी।

नीले ड्रम कांड फांसी की सजा: हाईकोर्ट में मुस्कान-साहिल की अपील मंजूर, 30 नवंबर को सुनवाई

प्रयागराज, एजेंसी। मेरठ के बहुचर्चित नीले ड्रम कांड से जुड़े सौरभ हत्याकांड में आरोपी पत्नी मुस्कान और प्रेमी साहिल की फांसी की सजा के खिलाफ दायर अपील को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने स्वीकार किया है। हाईकोर्ट ने उनकी याचिका पर सुनवाई के लिए सहमति जताकर निचली अदालत से पूरे मामले का रिकॉर्ड तलब किया है। अगली सुनवाई के लिए 30 नवंबर की तारीख तय की है। गौरतलब है कि मेरठ की सत्र अदालत ने जघन्य हत्याकांड को रेयरेस्ट ऑफ रेयर की श्रेणी का मानकर मुस्कान और उसके प्रेमी साहिल को दोषी करार दिया था। साक्ष्यों और गवाहों के बयानों के आधार पर अदालत ने दोनों को फांसी की सजा सुनाई थी। सत्र न्यायालय के इसी फैसले को चुनौती देकर मुस्कान और साहिल ने अपने अधिवक्ताओं के माध्यम से इलाहाबाद हाईकोर्ट में अपील याचिका दायर की थी। याचिका में तर्क दिया गया कि निचली अदालत ने सजा सुनाते समय कई कानूनी पहलुओं को नजरअंदाज किया है, इसलिए उनकी फांसी की सजा को रद्द किया जाए या कम किया जाए। कानूनी विशेषज्ञों के अनुसार, आपराधिक मामलों में जब निचली अदालत फांसी की सजा सुनाती है, तब नियमों के तहत हाईकोर्ट द्वारा उस पर मुहर लगाना अनिवार्य होता है। साथ ही अभियुक्तों को अपील का अधिकार भी मिलता है। पिछले साल मार्च में अंजाम दी गई वारदात में मुस्कान ने अपने प्रेमी साहिल के साथ मिलकर सौरभ की चाकू मारकर हत्या कर दी थी। हत्या के बाद शव के कई टुकड़े कर उन्हें एक नीले ड्रम में डाला गया और फिर उसमें सीमेंट का घोल भर दिया गया था। इस जघन्य अपराध को अंजाम देने के बाद दोनों हिमाचल प्रदेश अय्याशी करने चले गए थे।

चुनावी धांधली के विरोध में रामलीला मैदान में जुटेगा इंडिया गठबंधन

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडिया (इंडिया) गठबंधन 1 नवंबर को नई दिल्ली के रामलीला मैदान में बड़ी रैली की तैयारी कर रहा है। कांग्रेस के नेतृत्व में हो रहा यह आयोजन कथित चुनावी धांधली और मतदाता सूची से जुड़ी चिंताओं के खिलाफ विपक्षी दलों के संयुक्त विरोध प्रदर्शन का मंच बनेगा। इस महत्वपूर्ण शक्ति प्रदर्शन से पहले, कांग्रेस पार्टी तैयारियों में जोर-शोर से जुटी है।

तैयारियों के मद्देनजर, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता के.सी. वेणुगोपाल ने 27 अक्टूबर को दिल्ली के नेताओं के साथ रामलीला मैदान का जायजा लिया। कांग्रेस सांसद पवन खेड़ा ने बताया कि दिल्ली का पूरा नेतृत्व व्यवस्थाओं में जुटा है और वेणुगोपाल के निर्देशानुसार तैयारियां की जा रही हैं। इस रैली में देशभर से इंडिया गठबंधन के सदस्य और नागरिक शामिल होंगे, जिसमें लगभग 21 राजनीतिक दलों के एकजुट होने की उम्मीद है।

हालांकि, वेणुगोपाल ने रैली से पहले पुलिस दखलंदाजी का आरोप लगाया है। उन्होंने बताया कि अशोक होटल के लॉन में 30 अक्टूबर को प्रस्तावित एक तैयारी कार्यक्रम को पुलिस के दखल के कारण अनुमति नहीं मिली, और पुलिसकर्मियों पर पार्टी कार्यकर्ताओं को किसी दूसरी जगह कार्यक्रम की तैयारी करने से रोकने का भी आरोप लगाया। वेणुगोपाल ने केंद्र सरकार पर विपक्षी दलों को मतदाता सूची और चुनावी गड़बड़ियों पर अपनी चिंताएं जाहिर करने से रोकने का प्रयास करने का आरोप लगाया, लेकिन जोर दिया कि इंडिया गठबंधन उनके दबाव के आगे नहीं झुकेगा। उन्होंने कहा कि पार्टी जल्द ही अपने अगले कदमों की घोषणा करेगी। यह रैली इंडिया गठबंधन के वोट चोरी अभियान का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसका उद्देश्य चुनावी प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं के खिलाफ आवाज उठाना है।

हमीरपुर में एलाइड हेल्थकेयर कॉलेज शुरू, सीएम सुक्खू ने किया उद्घाटन... विद्यार्थियों से किया संवाद

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने हमीरपुर के जोलसप्पड़ स्थित डॉ. आरकेजीएमसी एवं अस्पताल परिसर में एलाइड एवं हेल्थकेयर कॉलेज का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने मेडिकल विद्यार्थियों से संवाद कर उनकी पढ़ाई और प्रशिक्षण से जुड़े पहलुओं पर चर्चा की। कॉलेज के शुरू होने से प्रदेश के युवाओं को चिकित्सा क्षेत्र में व्यावसायिक शिक्षा हासिल करने के नए मौके मिलने वाले है। अब तक रेडियोलॉजी, एनेस्थीसिया, प्रयोगशाला तकनीक और डायलिसिस जैसे विषयों की पढ़ाई के लिए विद्यार्थियों को मुख्य रूप से इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, शिमला और टांडा मेडिकल कॉलेज पर निर्भर रहना पड़ता था। हमीरपुर में नया संस्थान शुरू होने से विद्यार्थियों को अपने क्षेत्र में ही प्रशिक्षण प्राप्त करने की सुविधा मिलेगी। अटल आयुर्विज्ञान एवं अनुसंधान विश्वविद्यालय के शैक्षणिक सत्र 2026-27 के प्रवेश संबंधी विवरण के अनुसार, कॉलेज में शुरुआती चरण में चार स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए कुल 210 सीटें निर्धारित की गई हैं। इसमें बैचलर ऑफ मेडिकल रेडियोलॉजी एंड इमेजिंग टेक्नोलॉजी, बैचलर ऑफ मेडिकल लेबोरेटरी साइंस और बैचलर ऑफ एनेस्थीसिया एंड ऑपरेशन थिएटर टेक्नोलॉजी में 60-60 सीटें हैं। वहीं, बैचलर ऑफ डायलिसिस थेरेपी टेक्नोलॉजी में 30 सीटें उपलब्ध होंगी। विद्यार्थियों को सैद्धांतिक शिक्षा के साथ अस्पतालों में जांच, चिकित्सा उपकरणों के संचालन और मरीजों के उपचार में सहयोग से संबंधित व्यावहारिक प्रशिक्षण मिलेगा। कॉलेज के संचालन के लिए आवश्यक मशीनरी और उपकरण खरीदने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने 6.87 करोड़ रुपये जारी करने का निर्णय लिया है। हिमाचल सरकार ने भविष्य में छह पाठ्यक्रमों के माध्यम से कुल 330 सीटें उपलब्ध कराने की योजना भी घोषित की है। इसमें प्रयोगशाला विज्ञान, रेडियोलॉजी, एनेस्थीसिया, ऑप्टोमेट्री और फिजियोथेरेपी में 60-60 सीटें तथा डायलिसिस तकनीशियन पाठ्यक्रम में 30 सीटें प्रस्तावित हैं। इसके अलावा, शैक्षणिक सत्र 2026-27 से आईजीएमसी शिमला और टांडा मेडिकल कॉलेज में बैचलर ऑफ रेडिएशन थेरेपी टेक्नोलॉजी शुरू करने का निर्णय लिया गया है। दोनों संस्थानों में 30-30 सीटें होंगी। स्टेट एलाइड एवं हेल्थकेयर काउंसिल के चेयरमैन विनोद चौहान ने सरकारी क्षेत्र में देश का पहला एलाइड हेल्थकेयर कॉलेज बताकर अन्य पाठ्यक्रम शुरू करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

टाइगर श्रॉफ पर हमले का खुलासा, बिश्नोई गैंग ने दहशत फैलाने रची थी साजिश

मुंबई,एजेंसी। बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर हुए जानलेवा हमले की गुत्थी को मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच ने सुलझा लेने का दावा किया है। पुलिस जांच में यह आधिकारिक पुष्टि हो चुकी है कि इस हमले के पीछे किसी व्यक्तिगत दुश्मनी का मामला नहीं, बल्कि कुख्यात लॉरेंस बिश्नोई गैंग का हाथ था। क्राइम ब्रांच के मुताबिक बिश्नोई गैंग ने फिल्म उद्योग में अपना वर्चस्व स्थापित करने, भारी रकम की रंगदारी वसूलने और समाज तथा सेलिब्रिटीज के बीच दहशत का माहौल पैदा करने के सोचे-समझे मकसद से इस वारदात को अंजाम दिया था। यह हमला एक संगठित अंतरराज्यीय आपराधिक गिरोह द्वारा अवैध और घातक हथियारों की मदद से पूरी योजना बनाकर किया गया था। यह सनसनीखेज घटना 18 अक्टूबर की शाम को मुंबई के पॉश इलाके जुहू में घटी थी। टाइगर श्रॉफ अपनी कार से एक फुटबॉल ग्राउंड के परिसर से बाहर निकल रहे थे, तभी हमलावरों ने उनकी गाड़ी पर कई राउंड गोलियां चला दीं। इस गोलीबारी में टाइगर श्रॉफ बाल-बाल बच गए, हालांकि कार के कांच टूटने से उनके हाथ और छाती पर हल्की खरोंचें आई थीं। इस हमले में टाइगर का ड्राइवर और पास में खड़ा एक अन्य ऑटो वाला गोली लगने से घायल हो गए थे, जिन्हें अस्पताल ले जाया गया था। घटना के बाद मुंबई पुलिस ने विभिन्न राज्यों की पुलिस टीमों और विशेष जांच इकाइयों के साथ मिलकर एक व्यापक तलाश अभियान शुरू किया। मामले की जांच करते हुए पुलिस ने एक बड़े अंतरराज्यीय नेटवर्क का पर्दाफाश किया और अब तक कुल 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

200 सीटें मांग रही कांग्रेस पर आप का तंज... फिर सपा को 1000 सीटें मिलनी चाहिए

पिछले चुनाव में कांग्रेस को महज ढाई प्रतिशत वोट और सिर्फ दो सीटें मिली

लखनऊ , एजेंसी। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 में समाजवादी पार्टी (सपा) से 200 सीटों की मांग कर रही कांग्रेस की अब आम आदमी पार्टी (आप) ने खुलकर खिल्ली उड़ाई है। आप सांसद संजय सिंह ने कांग्रेस के दावों को पूरी तरह नाजायज और जमीनी हकीकत से दूर बताया है। आप नेता संजय सिंह ने कहा कि राजनीति में तर्कसंगत बातें करना ही ठीक होता है और उन्होंने कांग्रेस के पिछले विधानसभा प्रदर्शन का हवाला दिया।

आप सांसद सिंह ने बताया कि बीते यूपी चुनाव में कांग्रेस को महज ढाई प्रतिशत वोट और सिर्फ दो सीटें मिली थीं। इस आधार पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा, अगर दो सीटों के आधार पर आप 200 सीटें मांग रहे हैं, तब 111 सीटें जीतने वाली समाजवादी पार्टी को 1000 सीटें मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में, यूपी में नया परिसीमन कराना पड़ेगा और जब विधानसभा में डेढ़-दो हजार सीटें होंगी, तब जाकर 1000 सीट पर सपा और 200 पर कांग्रेस लड़ पाएगी। संजय सिंह ने नेताओं को ऐसी बात नहीं करने की नसीहत दी जो व्यावहारिक ना लगे।

आप सांसद ने कांग्रेस को अपराधबोध से बाहर निकलने की सलाह देकर उसकी कार्यप्रणाली पर कई राज्यों के चुनावी नतीजों का जिक्र किया। उन्होंने हरियाणा का उदाहरण देकर कहा कि आप और कांग्रेस के बीच गठबंधन की चर्चा कई दौर तक चली, लेकिन कांग्रेस नेताओं ने फोन उठाना बंद कर दिया और आप को अपने दम पर लड़ना पड़ा। उन्होंने मध्य प्रदेश में अखिलेश यादव को नजरअंदाज करने, महाराष्ट्र में लोकसभा जीत के बाद खींचतान के कारण बाजी पलटने और बंगाल में ममता बनर्जी, दिल्ली में केजरीवाल तथा बिहार में तेजस्वी को मुख्यमंत्री चेहरा स्वीकार करने में देरी जैसी गलतियों को पूरे विपक्ष के लिए नुकसानदेह बताया।

भाजपा और संघ पर निशाना साधकर संजय सिंह ने कहा कि बड़े नेता मैदान में उतर चुके हैं और पूरी भाजपा-आरएसएस अस्सी बनाम बीस की नफरत भरी राजनीति में लग गई है। उन्होंने कहा कि चुनाव अस्सी-बीस नहीं, बल्कि बच्चों की फीस, रोजगार, स्कूल, अस्पताल, किसानों की फसल के दाम और पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक (पीडीए) पर हुए अत्याचार जैसे मुद्दों पर लड़ा जाना चाहिए। संजय सिंह ने विपक्षी दलों को सुझाव दिया कि वे भाजपा के हिंदू-मुसलमान और नफरत के एजेंडे में फंसने के बजाय इन वास्तविक मुद्दों पर केंद्रित हों।

सीएम फडणवीस का ऐलान: महाराष्ट्र के 1.5 करोड़ किसानों को मिलेगी 5,000 रुपये की सूखा राहत

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र में सूखे जैसे हालात और फसलों को हुए नुकसान के बीच मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने करीब 1.5 करोड़ किसानों को बड़ी राहत देने का ऐलान किया है। राज्य सरकार पात्र किसानों को अग्रिम सूखा राहत के रूप में 5,000 रुपये प्रति किसान देगी। इसके लिए कुल 7,500 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। मुख्यमंत्री फडणवीस ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि राहत राशि के वितरण में बैंक किसी तरह की कटौती न करें और किसानों को पूरी रकम मिले।

कैबिनेट की बैठक में यह फैसला तब लिया गया है, जब राज्य के कई हिस्सों में किसान सूखे और आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं। वर्धा में सीएम फडणवीस ने कहा कि 5,000 रुपये की सहायता से किसानों के पूरे नुकसान की भरपाई नहीं हो सकती, लेकिन संकट के समय उन्हें तत्काल आर्थिक मदद जरूर मिलेगी। उन्होंने राज्य में किसानों को दी जाने वाली अग्रिम सहायता की महत्वपूर्ण पहल बताया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले कम जमीन वाले किसानों को कई बार केवल 1,000 रुपये तक की सहायता मिलती थी, जबकि अब पात्र किसानों को कम से कम 5,000 रुपये दिए जाएंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह अग्रिम राहत है और किसानों को बाकी मुआवजा बाद में मिलेगा। उन्होंने अधिकारियों से यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि बैंक किसानों की सहायता राशि से किसी प्रकार की कटौती न करें।

सीएम फडणवीस ने विपक्ष की आलोचनाओं का जवाब देकर कहा कि जिस तरह महिलाओं के लिए लाडकी बहिन योजना के तहत 1,500 रुपये की सहायता को लेकर सवाल उठाए थे, उसी तरह किसानों को दी जा रही राशि पर भी आलोचना की जा रही है। उन्होंने कहा कि जरूरत के समय मिलने वाली छोटी आर्थिक मदद भी जरूरतमंद परिवारों के लिए महत्वपूर्ण होती है। इसके पहले मुख्यमंत्री ने बताया था कि राज्य में सूखे की स्थिति घोषित किए गए तालुकों की संख्या 265 से बढ़ाकर 305 कर दी गई है। महायुति सरकार का कहना है कि फसल नुकसान और आर्थिक तंगी से जूझ रहे किसानों को राहत पहुंचाने के लिए इस बार सहायता प्रक्रिया में तेजी लाई गई है। अब किसानों को राहत राशि मिलने और आगे के मुआवजे की प्रक्रिया पर नजर रहेगी।

कर्नाटक में एसआईआर के बाद 1.08 करोड़ मतदाताओं के नाम कटे, अंतिम मतदाता सूची जारी

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के बाद अंतिम मतदाता सूची जारी की गई है। जारी आंकड़ों के मुताबिक, करीब 1.08 करोड़ मतदाताओं के नाम अंतिम सूची में शामिल नहीं किए हैं। इसमें बड़ी संख्या इसतरह के लोगों की है, जिन्होंने एन्यूमरेशन फॉर्म जमा नहीं किया था। यह संख्या राज्य के कुल मतदाताओं का करीब 19.48 प्रतिशत है। वहीं, चुनाव आयोग की जांच और सुनवाई की प्रक्रिया पूरी होने के बाद 61,867 लोगों को मतदाता सूची में शामिल करने के लिए अयोग्य पाया गया है। अंतिम सूची में कुल 4.46 करोड़ मतदाताओं को शामिल किया गया है। चुनाव आयोग ने मतदाता सूची को अधिक सटीक और पारदर्शी बनाने के लिए अनुपस्थित, स्थायी रूप से स्थानांतरित, मृत और डुप्लीकेट मतदाताओं की पहचान की। आंकड़ों के अनुसार, 65,45,679 मतदाता यानी 11.81 प्रतिशत स्थायी रूप से स्थानांतरित मिले।

थेनी जेलब्रेक के बाद स्टालिन का हमला, तमिलनाडु में कानून-व्यवस्था पूरी तरह फेल

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु के थेनी जिले की जेल से 17 कैदियों के फरार होने की घटना ने राज्य की कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं। डीएमके प्रमुख और पूर्व सीएम एमके स्टालिन ने विजय के नेतृत्व वाली तमिलनाडु सरकार पर निशाना साधकर सुरक्षा व्यवस्था में गंभीर खामियों का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राज्य में हालात इसतरह के हैं कि लोगों को अपनी सुरक्षा खुद करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

पूर्व सीएम स्टालिन ने व्यंग्यात्मक पोस्ट के जरिए थलापति सरकार की आलोचना की। उन्होंने 'ब्रेकिंग बैड' और 'प्रिजन ब्रेक' जैसी टीवी सीरीज का जिक्र कर कहा कि तमिलनाडु में अब जेल से कैदियों के भागने की घटनाएं बढ़ रही हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि जब सरकार अपराधियों पर निगरानी रखने में नाकाम है, तब जेल के अंदर बंद कैदी भी आसानी से कैसे फरार हो रहे हैं।

डीएमके प्रमुख ने चेन्नई की पुझल सेंट्रल जेल से हाल ही में दो कैदियों के फरार होने की घटना का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि 1995 के बाद एक साथ इतनी बड़ी संख्या में कैदियों के भागने की यह संभवतः पहली घटना है। स्टालिन ने सवाल किया कि वर्ष 2026 में, जब सुरक्षा और निगरानी के साधन पहले से बेहतर हैं, तब ऐसी घटना कैसे हो सकती है। उन्होंने विजय सरकार को अक्षम बताकर आरोप लगाया कि राज्य में आम लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं हो पा रही है। स्टालिन के मुताबिक, बाहर अपराधी बेखौफ हैं और जेल के भीतर से कैदी फरार हो रहे हैं।

पुलिस के अनुसार, थेनी की जिला जेल से अलग-अलग मामलों में सजा काट रहे 17 कैदी फरार हुए। घटना के बाद पुलिस ने व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया। अधिकारियों ने बताया कि फरार कैदियों में से एक को जेल के पास से ही पकड़ लिया गया। अन्य कैदियों की तलाश जारी है। इस घटना ने जेलों की सुरक्षा व्यवस्था और निगरानी प्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

मुनीबा अली आईसीसी विमेंस इमर्जिंग नेशंस ट्रॉफी में पाकिस्तान की कप्तान होंगी

लाहौर। विकेटकीपर-बल्लेबाज मुनीबा अली आईसीसी विमेंस इमर्जिंग नेशंस ट्रॉफी 2026 में पाकिस्तान की कप्तानी होंगी। आयशा जफर उपकप्तान होंगी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने मंगलवार को टूर्नामेंट के लिए 14 सदस्यीय टीम की घोषणा की। टूर्नामेंट 10 टीमों के बीच 12 से 25 नवंबर तक अजमान, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में खेला जाएगा। पाकिस्तान टीम पहली बार इस टूर्नामेंट में हिस्सा ले रही है। टूर्नामेंट की शुरुआत 2025 में हुई थी। टीम में मुनीबा और आयशा के अलावा पांच और बल्लेबाज–इमान नसीर, इमान फातिमा, सदफ शमास, सायरा जबीन और शवाल जुल्फिकार–हैं। गुल फिरोजा, जिन्हें हाल ही में नेशनल विमेंस टी20 टूर्नामेंट में श्रेष्ठ विकेटकीपर-बल्लेबाज चुना गया था, को भी शामिल किया गया है। लेफ्ट-आर्म स्पिनर नशरा सुंधू गेंदबाजी आक्रमण का नेतृत्व करेंगी। उन्हें स्पिनर मोमिना रियासत, तुबा हसन और उम्म-ए-हानी का सहयोग मिलेगा। तस्मिया रुबाब और वहीदा अख्तर फ्रंटलाइन पेस ऑप्शन हैं। पाकिस्तान अपने नियमित कप्तान फातिमा सना के बिना खेलेगी। सना इस दौरान ऑस्ट्रेलिया में विमेंस बिग बैश लीग खेल रही होंगी। टीम के पिछले असाइनमेंट से 12 खिलाड़ियों ने अपनी जगह बनाए रखी है, जबकि सदफ शमास और वहीदा अख्तर को वापस बुलाया गया है। पाकिस्तान, जिसने हाल ही में जापान में एशियन गेम्स में ब्रॉन्ज मेडल जीता था, को ग्रुप बी में डिफेंडिंग चैंपियन थाईलैंड, बांग्लादेश, नीदरलैंड्स और जिम्बाब्वे के साथ रखा गया है। ग्रुप ए में श्रीलंका, आयरलैंड, स्कॉटलैंड, पापुआ न्यू गिनी और मेजबान यूएई शामिल हैं।

पाकिस्तानी टीम

मुनीबा अली सिद्दीकी (कप्तान, विकेटकीपर), आयशा जफर (उपकप्तान), इमान नसीर, इमान फातिमा, गुल फिरोजा (विकेटकीपर), मोमिना रियासत, नशरा सुंधू, सदफ शमास, सायरा जबीन, शवाल जुल्फिकार, तस्मिया रुबाब, तुबा हसन, उम्म-ए-हानी, वहीदा अख्तर।

अरशद शेख एशियन पैरा गेम्स के दौरान हुई इंजरी से रिकवर कर रहे हैं

नई दिल्ली। जापान के आइची-नागोया में एशियन पैरा गेम्स में पुरुषों के टाइम ट्रायल के दौरान हुए क्रैश में लगी चोटों की सर्जरी के बाद भारतीय पैरा-साइक्लिस्ट अरशद शेख ठीक हो रहे हैं। शेख के बाएं फीमर में डिस्प्लेस्ड फ्रैक्चर के बाद उनका शिजुओका प्रीफेक्चर के चुटोएन जनरल मेडिकल सेंटर में इलाज चल रहा है। यह चोट शेख के लिए

खास तौर पर गंभीर है, जो घुटने के ऊपर से एंप्यूटी (अंगहीन) हैं और चलने-फिरने तथा कॉम्पिटिशन के लिए प्रोस्थेसिस पर निर्भर हैं। जापान में भारतीय एंबेसडर नगमा मोहम्मद मलिक सोमवार को एथलीट से मेडिकल फैसिलिटी में मिलीं और उनके जल्दी ठीक होने की कामना की। उन्होंने शेख और उनकी टीम को यह भी भरोसा दिलाया कि जब तक उन्हें घर लौटने के लिए मेडिकली क्लियर नहीं किया जाता, तब तक भारतीय एंबेसी जरूरी मदद देगी। खेल मंत्रालय और स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई) एंबेसी के साथ कोऑर्डिनेट कर रहे हैं और एथलीट के साथ रेगुलर कॉन्टैक्ट में हैं, ताकि यह पक्का हो सके कि उसे ठीक होने के दौरान जरूरी सपोर्ट मिले।

कोहली ने हैरी केन को 'बैलन डी'ओर' के लिए दी बधाई

कहा- आप इस सम्मान के हकदार हैं

नई दिल्ली। भारतीय टीम के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने इंग्लैंड के फुटबॉल कप्तान हैरी केन को प्रतिष्ठित बैलन डी'ओर अवॉर्ड से सम्मानित होने पर बधाई दी है। विराट ने कहा कि केन इस अवॉर्ड के हकदार हैं।

इंग्लैंड के कप्तान ने फ्रांस के काइलियन एम्बाप्पे और स्पेन के लामिन यामाल जैसे खिलाड़ियों को हराकर यह प्रतिष्ठित अवॉर्ड जीता। केन को यह अवॉर्ड लंदन पैलेडियम थिएटर में हुए समारोह में दिया गया।

वह सर स्टेनली मैथ्यूज (1956), सर बॉबी चार्लटन (1966), केविन कीगन (1978 और 1979), माइकल ओवेन (2001) के बाद यह अवॉर्ड जीतने वाले सिर्फ पांचवें अंग्रेज खिलाड़ी हैं। केन पिछले 25 साल में बैलन डी'ओर का खिताब पाने वाले इंग्लैंड के पहले खिलाड़ी हैं।

केन ने 2025/26 में बुंडेसलीगा में बायर्न म्यूनिख के लिए 36 गोल किए, जिससे स्ट्राइकर को दूसरा यूरोपियन गोल्डन शू मिला, जबकि जर्मन जायंट के लिए सभी कॉम्पिटिशन में उनके 61 गोल ने दुनिया

भर में सुर्खियां बटोरीं।

उन्हें गर्ड मुलर ट्रॉफी भी मिली, जो साल के बेस्ट मेन्स स्ट्राइकर को दी जाती है। यह दूसरी बार है जब उन्होंने यह अवॉर्ड जीता है, इससे पहले 2024 में उन्होंने काइलियन एम्बाप्पे के साथ यह अवॉर्ड साझा किया था। इंग्लिश स्ट्राइकर ने बायर्न म्यूनिख और इंग्लैंड के साथ गोल से भरा सीजन खेला, जिसमें उन्होंने 65 गेम में 73 गोल किए–जिनमें से 61 उनके क्लब के लिए और 12 उनके देश के लिए आए। केन के योगदान से इंग्लैंड फीफा विश्व कप 2026 में तीसरे स्थान पर रहा। 1966 में वर्ल्ड कप जीतने के बाद इंग्लैंड का यह सबसे अच्छा प्रदर्शन था।

'हैरी, मेरे दोस्त...', कोहली ने कही दिल की बात

कोहली ने एक्स पर लिखा, 'हैरी मेरे दोस्त, इतने सालों तक टॉप पर फुटबॉल खेलते हुए जिस लगन, कड़ी मेहनत और ईमानदारी से तुमने खुद को संभाला है, उसके लिए तुम इस अवॉर्ड के हर तरह से हकदार हो। तुम्हारे लिए सच में बहुत खुश हूं। भगवान तुम्हें और तुम्हारे परिवार को आशीर्वाद दें। वे सभी तुम पर बहुत गर्व करते होंगे, जैसे तुम्हें अपने सफर पर गर्व होता होगा। मेरी शुभकामनाएं हमेशा। बधाई हो।'

स्पेन की एलेक्सिया पुटेलस ने महिलाओं का 'बैलन डी'ओर' जीता, बोनमाटी की बराबरी की

नई दिल्ली। स्पेन की मिडफील्डर एलेक्सिया पुटेलस ने 2026 का 'बैलन डी'ओर' पुरस्कार जीता है। एलेक्सिया ने तीसरी बार यह पुरस्कार जीता है। वहीं, यह लगातार छठा साल है, जब स्पेन की किसी महिला फुटबॉलर ने इस सम्मान को हासिल किया है। एलेक्सिया पुटेलस 2021 और 2022 में भी 'बैलन डी'ओर' जीत चुकी हैं। पुटेलस ने स्पेन की अपनी साथी ऐताना बोनमाटी के रिकॉर्ड की बराबरी की। बोनमाटी ने 2023, 2024 और 2025 में लगातार तीन साल यह सम्मान हासिल किया था। पुटेलस को फीफा की टॉप-50 रैंकिंग वाले देशों के पत्रकारों के एक इंटरनेशनल पैनल से सबसे ज्यादा वोट मिले। पुटेलस के साथ सम्मान की रेस में बार्सिलोना की स्ट्राइकर इवा पाजोर और मैनचेस्टर सिटी की फॉरवर्ड खदीजा शॉ भी थीं। पाजोर दूसरे, जबकि खदीजा तीसरे नंबर पर रहीं। पुटेलस ने 2022 में खतरनाक एंटीरियर क्रूशिएट लिगामेंट की चोट से रिकवर करने के बाद यह सम्मान हासिल किया है। यह खेल के प्रति उनके जुनून का ही उदाहरण है। अवॉर्ड मिलने के बाद पुटेलस ने कहा, 'दुनिया भर के सभी लड़के और लड़कियां–अगर आपको फुटबॉल पसंद है और अगर आप फुटबॉल खेलना चाहते हैं, तो फुटबॉल खेलें। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप लड़के हैं या लड़की। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप कहां से आते हैं। अगर कोई आपसे कहे कि आप यह नहीं कर सकते, तो उसकी बात मत सुनो। खुद पर भरोसा रखो। 'पिछले सीजन में पुटेलस ने अपने प्रदर्शन से दिखाया कि वह अभी भी दुनिया की एलीट खिलाड़ियों में से एक हैं। उन्होंने सभी प्रतियोगिताओं में 21 गोल किए और 13 असिस्ट किए।

सूर्यवंशी पर क्लूजनर का बड़ा बयान

'भारत को मिल गया अगला सुपरस्टार'

नई दिल्ली। साउथ अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर लांस क्लूजनर का मानना है कि भारतीय क्रिकेट में अगले दौर में आसानी से प्रवेश करने की क्षमता है। उन्होंने शुभमन गिल का समर्थन करते हुए कहा कि वे आने वाले कई सालों तक टीम का नेतृत्व कर सकते हैं। साथ ही, उन्होंने युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को भविष्य के संभावित सुपरस्टार के रूप में पहचाना है, जो विराट कोहली और रोहित शर्मा के संन्यास लेने के बाद उनकी जगह ले सकते हैं। क्लूजनर ने कहा कि कोहली और रोहित के कद को देखकर भारतीय क्रिकेट को अपनी अगली पीढ़ी को अपनाने से पीछे नहीं हटना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस खेल ने हमेशा ऐसे खिलाड़ी दिए हैं जो अपने पूर्ववर्तियों की विरासत को आगे बढ़ाने में सक्षम रहे हैं। साउथ अफ्रीका के पूर्व ऑलराउंडर, जो वर्तमान में अबू धाबी टी10 लीग में 'अरेबियन एसेस' के मुख्य कोच हैं, ने एक कार्यक्रम के दौरान 'आईएएनएस' से कहा, 'विराट और रोहित अतीत में जितने शानदार रहे हैं, एक न एक दिन उन्हें खेल से विदा लेनी ही होगी। लेकिन क्रिकेट की खूबी यही है कि यह चलता रहता है। कभी-कभी तो यह और भी मजबूत हो जाता है। जब हम खेलते थे, तो लोगों को कभी नहीं लगा था कि सचिन तेंदुलकर के रिकॉर्ड कभी टूट पाएंगे। और अब लोग उन रिकॉर्ड्स को चुनौती दे रहे हैं। इसलिए, खिलाड़ी आते-जाते रहते हैं। यह एक दुखद दिन होता है जब आपके खेल और देश के दिग्गज खिलाड़ी संन्यास लेते हैं। लेकिन अच्छी बात यह है कि हमेशा युवा, अधिक फिट और तेज खिलाड़ी तैयार रहते हैं।' पूर्व ऑलराउंडर ने गिल को बल्लेबाजी में एक 'असली सुपरस्टार' बताया और कहा कि इस युवा कप्तान के लिए अगली चुनौती एक लीडर के रूप में अपनी जिम्मेदारियों को भारत के प्रमुख बल्लेबाज के रूप में अपनी भूमिका से अलग रखना होगा। उन्होंने कहा, 'व्यक्तिगत रूप से, मुझे पूरा यकीन है। मुझे लगता है कि वह इस काम के लिए बिल्कुल सही व्यक्ति हैं। बल्लेबाजी में वह एक असली सुपरस्टार हैं। उनके लिए बस यह सीखना जरूरी है कि एक बल्लेबाज के रूप में शुभमन गिल और एक कप्तान के रूप में शुभमन गिल की भूमिकाओं को कैसे अलग रखा जाए। सभी बेहतरीन कप्तानों ने इन दोनों चीजों को अलग-अलग रखना सीखा है। मुझे यकीन है कि उन्हें ऐसा करने के लिए कई मौके मिलेंगे और कई लोग होंगे जो उनकी मदद करेंगे, लेकिन इसमें कोई शक नहीं कि बल्लेबाजी में वह बेहतरीन हैं। और कप्तानी की बात करें तो, अनुभवी कप्तानों को भी हमेशा कुछ न कुछ नया सीखना पड़ता है। उनके साथ भी ऐसा ही होगा। इसलिए, मैं उनके लिए बहुत उत्साहित हूं। मुझे लगता है कि वह एक सुपरस्टार हैं। उम्मीद है कि वह आने वाले कई सालों तक बहुत साहस और एक बड़े मकसद के साथ भारत के लिए खेलेंगे।' गिल का एक लीडर के रूप में सामने आना ऐसे समय में हुआ है जब भारत कोहली और रोहित के बाद के दौर की तैयारी कर रहा है। इन दोनों खिलाड़ियों ने एक दशक से भी ज्यादा समय तक भारतीय क्रिकेट को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। भले ही उनके संन्यास लेने से एक बड़ी कमी महसूस होगी, लेकिन क्लूसनर का मानना है कि इस बदलाव को खेल के एक स्वाभाविक हिस्से के रूप में देखा जाना चाहिए, न कि भारत की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता के लिए किसी खतरे के रूप में। उन्होंने सूर्यवंशी का उदाहरण देते हुए कहा कि भारतीय प्रतिभा की एक नई पीढ़ी पहले से ही सामने आ रही है।

न्यूजीलैंड 'ए' के खिलाफ तीसरा रेड-बॉल मैच खेल सकते हैं पंत

बुमराह की वापसी के आसार

नई दिल्ली। विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत 7 से 10 नवंबर तक लिंकन में न्यूजीलैंड 'ए' के खिलाफ होने वाले भारत 'ए' के तीसरे रेड-बॉल मैच में खेल सकते हैं, क्योंकि समय रहते पंत के 'साइड स्ट्रेन' से उबरने की उम्मीद है। इस महीने की शुरुआत में श्रीनगर में 'रेस्ट ऑफ इंडिया' टीम की कप्तानी करते हुए जम्मू-कश्मीर के खिलाफ जीत दिलाने के दौरान पंत को बाईं तरफ खिंचाव आ गया था, जिसके बाद से वे मैदान से दूर हैं। इस चोट के कारण वे दिल्ली के लिए रणजी ट्रॉफी मैच नहीं खेल पाए और न्यूजीलैंड 'ए' के खिलाफ शुरुआती दो चार-दिवसीय मैचों से भी बाहर रहे। पता चला है कि पंत बेंगलुरु में बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में रिहैब कर रहे हैं और उन्होंने हल्के स्किल-आधारित अभ्यास शुरू कर दिए हैं। 'आईएएनएस' को एक सूत्र ने बताया, 'पंत ठीक हो रहे हैं और अगर उन्हें फिटनेस सर्टिफिकेट मिल जाता है, तो वे भारत 'ए' के तीसरे मैच के लिए उपलब्ध हो सकते हैं।

अगर सब कुछ योजना के अनुसार रहा, तो वे नवंबर के शुरुआती दिनों में न्यूजीलैंड के लिए रवाना हो सकते हैं। 'पंत की गैरमौजूदगी में, चयनकर्ताओं ने पहले दो चार-दिवसीय मैचों के लिए झारखंड के विकेटकीपर-बल्लेबाज कुमार कुशाग्र को उनकी जगह टीम में शामिल किया था। हाल ही में, जब झारखंड के कप्तान ईशान किशन को न्यूजीलैंड में टी20 सीरीज के लिए चुना गया, तब उन्हें (ईशान को) दाएं पैर के ऊपरी हिस्से (एडक्टर) में हल्की चोट लग गई थी। ऐसे में कुशाग्र को कवर के तौर पर टीम में बुलाया गया। माना जा रहा है कि स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी भारत 'ए' के तीसरे रेड-बॉल मैच में खेलते नजर आ सकते हैं, जो लिंकन के बर्ट सटक्लिफ ओवल में खेला जाना है।

बुमराह ने आखिरी बार अक्टूबर की शुरुआत में एशियन गेम्स में हिस्सा लिया था। इसके बाद, वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू व्हाइट-बॉल सीरीज और न्यूजीलैंड के मौजूदा दौरे पर उन्हें आराम दिया गया। यह भी माना जा रहा है कि त ` ज गेंदबाज प्र सिद्ध क ृ ष ण ा न्यूजीलैंड दौरे पर खेलने के लिए तैयार हैं। गुवाहाटी में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेले गए वनडे मैच के दौरान उन्हें हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई थी, जिसके बाद से वह खेल से दूर थे। पंत, बुमराह और प्रसिद्ध न्यूजीलैंड के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल हैं।

जरमनप्रीत ने संन्यास की अटकलों को नकारा

नई दिल्ली। भारतीय हॉकी डिफेंडर जरमनप्रीत सिंह ने यह स्पष्ट कर दिया है कि एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के बाद उनका संन्यास लेने का कोई इरादा नहीं है, हालांकि ऐसी खबरें हैं कि हॉकी इंडिया 2028 के लॉस एंजिल्स ओलंपिक की तैयारियों के तहत चार वरिष्ठ खिलाड़ियों को चरणबद्ध तरीके से टीम से बाहर करने की तैयारी कर रही है। जारमनप्रीत का नाम उन चार खिलाड़ियों की सूची में शामिल होना है जिन्हें टीम से बाहर किया जा सकता है, यह एक आश्चर्य की बात है, क्योंकि कई पूर्व खिलाड़ियों का मानना था कि 30 वर्षीय खिलाड़ी ने कम से कम लॉस एंजिल्स ओलंपिक तक खेलने के लिए पर्याप्त प्रदर्शन किया है।

विंग-बैक के रूप में उन्होंने अपनी भूमिका में भारत के सबसे भरोसेमंद खिलाड़ियों में से एक के रूप में अपनी पहचान बनाई है, जो उच्च परिश्रम, आक्रामक क्षमता और रक्षात्मक अनुशासन का बेहतरीन संयोजन प्रस्तुत करते हैं।

पेरिस ओलंपिक में भारत को कांस्य पदक दिलाने वाली टीम के सदस्य रहे इस डिफेंडर ने पीटीआई को बताया कि वह भारत के लिए खेलना जारी रखना चाहते हैं और लॉस एंजिल्स ओलंपिक खेलों में देश का प्रतिनिधित्व करना चाहते हैं। जरमनप्रीत, मनदीप सिंह, अमित रोहिदास और नीलाकांता शर्मा सहित कई वरिष्ठ खिलाड़ी एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में भारत के लिए अपना अंतिम मैच खेल सकते हैं । 'मैं खेलना जारी रखना चाहता हूं और लॉस एंजिल्स ओलंपिक में अच्छा प्रदर्शन करना चाहता हूं। मैं टीम के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देना चाहता हूं,' जरमनप्रीत ने पीटीआई को बताया। हॉकी इंडिया कथित तौर पर लॉस एंजिल्स 2028 को ध्यान में रखते हुए टीम में धीरे-धीरे बदलाव करने की योजना बना रही है।

जर्मनप्रीत का मूल्य

जारमनप्रीत को लॉस एंजिल्स ओलंपिक तक टीम में बनाए रखने का उनका दावा उस भूमिका से और मजबूत होता है जिसे उन्होंने अपने पूरे करियर में बखूबी निभाया है। भारत ने विंग–बैक के तौर पर कई अन्य खिलाड़ियों को आजमाया है, लेकिन 30 वर्षीय जारमनप्रीत की कार्यकुशलता, आक्रमण में योगदान और रक्षात्मक कौशल का मेल कुछ ही खिलाड़ी कर पाए हैं। इन्हीं खूबियों के चलते वे मुख्य कोच क्रेग फुल्टन के पसंदीदा खिलाड़ी बन गए थे और जारमनप्रीत का नाम अक्सर टीम में शीर्ष पर होता था। पिच के दोनों छोर पर योगदान देने की उनकी क्षमता ने उन्हें भारतीय टीम का अहम हिस्सा बना दिया है, और इसी वजह से उन्हें टीम से बाहर करने की संभावना पूर्व खिलाड़ियों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है। जारमनप्रीत ने 171 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं और वह पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम के अहम सदस्य थे। उनके नाम दो एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक भी हैं, क्योंकि वह 2022 और 2026 में खिताब जीतने वाली टीमों का हिस्सा थे। अर्जुन पुरस्कार विजेता का मानना है कि एक डिफेंडर के रूप में उनका विकास जारी है और वह अपने अंतरराष्ट्रीय करियर को समाप्त करने के बजाय उन सुधारों को आगे बढ़ाना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'मैंने अपने रक्षात्मक कौशल को बेहतर बनाने, अच्छे अवसर पैदा करने और टीम के प्रदर्शन में योगदान देने की कोशिश की है। मैं एक डिफेंडर के रूप में अपनी जिम्मेदारियों पर काम करना जारी रखूंगा और आगे सुधार करने का प्रयास करूंगा।'

जर्मनप्रीत की नज़रें अधिनियम के शीर्षक पर हैं

पांच बार की चैंपियन और एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में सर्वोच्च रैंकिंग वाली टीम भारत इस टूर्नामेंट में प्रबल दावेदार के रूप में उतरेगी। लेकिन जरमनप्रीत ने आत्मविश्वास में कमी न आने की चेतावनी देते हुए कहा कि एशियाई खेलों में हालिया सफलता के बावजूद टीम को हर मैच में उतनी ही तीव्रता से खेलना होगा। उन्होंने कहा, 'हमने हाल ही में एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीता है, और हम यहां भी अच्छा प्रदर्शन करना चाहते हैं। लेकिन हम किसी भी टीम को हल्के में नहीं ले सकते, हालांकि भारत हॉकी में एक मजबूत टीम है।' उन्होंने आगे कहा, 'हम पूरी ताकत के साथ खेल रहे हैं और एशिया की नंबर एक टीम हैं, लेकिन हम किसी भी प्रतिद्वंदी को कम नहीं आंकेंगे। हम टूर्नामेंट में एक-एक मैच पर ध्यान केंद्रित करेंगे।

ओटीटी के आने से कलाकारों को मिल रहे बेहतर मौके

बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर मनोज बाजपेयी अपनी फिल्म 'गजब रात' को लेकर चर्चा में हैं। यह शुक्रवार, 23 अक्टूबर को रिलीज हो गई है। इसमें उनके साथ दिव्या दत्ता और श्रद्धा दास भी हैं। यह वही फिल्मो है, जो इसी साल फरवरी में अपने टाइटल 'घूसखोर पंडत' को लेकर विवादों में रही थी। अब नए नाम के साथ फिल्म आई है। इस बीच मनोज बाजपेयी ने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में कलाकारों को एक ही तरह के किरदारों तक सीमित रखने की सोच पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि इंडस्ट्री ने कई टैलेंटेड एक्टर्स को सही मौके न देकर उनका टैलेंट बर्बाद कर दिया। उन्होंसने कहा कि यह इंडस्ट्री के 'बुरे कर्म' हैं, जो एक्टर्स को तबाह कर देती है। खुद अपने बारे में उन्हौंने कहा कि उनकी प्रतिभा का 25 प्रतिशत हिस्सा ही अब तक इस्तेमाल हुआ है। 'सत्या' जैसी फिल्मों में अपनी दमदार अदाकारी के लिए पहचाने जाने वाले मनोज बाजपेयी ने कहा कि हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में कई बेहतरीन कलाकारों को एक ही तरह के किरदारों में बांधकर उनकी प्रतिभा का सही इस्तेमाल नहीं किया गया। उन्होंने इंडस्ट्री के 'बुरे कर्मों' का जिक्र करते हुए कहा, 'इस इंडस्ट्री में कई कलाकारों को स्टीरियोटाइप किया जाता है, और ऐसा करके हमने कई बेहतरीन टैलेंट को बर्बाद कर दिया है। मैंने हमेशा कहा है कि इस इंडस्ट्री की बदनामी है और इसके सिर पर ऐसे महान कलाकारों को बर्बाद करने का बुरा कर्म है। सेट पर उन्हें कोई अहमियत न देकर, उनके किरदारों को सीमित करके और उनके साथ खराब बर्ताव करके उन्हें खत्म कर दिया गया। कई लोग तो बिना किसी पहचान के ही गुमनामी में खो गए।'

मनोज बाजपेयी का मानना है कि फिल्म निर्माता अब तक उनकी अभिनय क्षमता का पूरा इस्तेमाल नहीं कर पाए हैं। अपनी प्रतिभा के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, 'मैंने हमेशा यही माना है कि मेरी अभिनय क्षमता का केवल 25 प्रतिशत ही इस्तेमाल हुआ है; अभी बहुत कुछ बाकी है। लेकिन मुझे लगता है कि यह एक कलाकार का लालच या उसकी भूख है, और मुझे खुशी है कि मेरे अंदर अभी भी कुछ कर दिखाने की वह आग बाकी है।' मनोज के मुताबिक, एक कलाकार के अंदर हमेशा कुछ नया करने की चाह होती है। उन्हें खुशी है कि इतने लंबे करियर के बाद भी उनके अंदर बेहतर काम करने और नए किरदार निभाने का जुनून बना हुआ है। मनोज बाजपेयी ने माना कि उन्होंने भी अपने करियर में इस तरह की सोच का सामना किया है और इंडस्ट्री में टिके रहने के लिए उन्हें काफी संघर्ष करना पड़ा। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि यह बेचैनी पूरी तरह से समझ में आती है, क्योंकि हम आज भी काफी हद तक औपनिवेशिक मानसिकता से घिरे हैं और पदानुक्रम में बहुत विश्वास करते हैं। वह मुख्य अभिनेता है, वह मुख्य अभिनेत्री है, यह एक कैरेक्टर एक्टर है, यह एक सपोर्टिंग एक्टर है, इन्हीं आधारों पर हम एक पदानुक्रम तय कर देते हैं। मैं खुद इस दौर से गुजरा हूं और मैंने व्यक्तिगत स्तर पर कई लड़ाइयां लड़ी हैं, लेकिन मुझे खुशी है कि जैसा कि दिव्या ने बिल्कुल सही कहा अब ऐसा नहीं है।'

मनोज बाजपेयी का मानना है कि ओटीटी प्लेटफॉर्म्स के आने से फिल्म इंडस्ट्री में धीरे-धीरे बदलाव हो रहा है। अब छोटे या सहायक किरदार निभाने वाले कलाकारों को भी अपना टैलेंट दिखाने के ज्यादा मौके मिल रहे हैं। मनोज ने कहा, 'पहले, छोटे या सपोर्टिंग रोल करने वाले कई एक्टर्स के साथ काफी नाइंसाफी होती थी, लेकिन अब हालात काफी बेहतर हैं। कई प्रड्यूसर्स अब इस बात का पूरा ध्यान रखते हैं कि सभी को एक जैसा सम्मान और मौके मिलें। खासकर ओटीटी के आने के बाद से चीजें पूरी तरह बदल गई हैं। हमें अपने देश में ओटीटी के आने का शुक्रगुजार होना चाहिए।'

दर्शक अब कहानियों और किरदारों को बारीकी से समझते हैं

ओटीटी के प्रभाव पर बात करते हुए मनोज ने कहा, 'आज परिवार साथ बैठकर कंटेंट देख रहे हैं। वे बहुत बारीकी से चीजों को समझते हैं और उन पर विस्तार से बात करते हैं। उदाहरण के लिए, जब मैं किसी डीएम (डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट) या उनके परिवार के साथ बैठता हूं, तो वे जिस तरह से किसी किरदार और कहानी की बारीकियों पर चर्चा करते हैं, वह वाकई हैरान कर देने वाला होता है। उन्हें बिल्कुल पता होता है कि कहां क्या कमी रह गई। किसी भी क्रिटिक की समीक्षा सुनने के बजाय, मुझे इन आम दर्शकों की बातें सुनना कहीं ज्यादा अच्छा लगता है।' मनोज के मुताबिक, आज दर्शक फिल्मों और वेब सीरीज को पहले से ज्यादा ध्यान से देखते हैं। वे कहानियों और किरदारों की बारीकियों को समझते हैं और अपनी राय खुलकर रखते हैं।

डिजिटल क्रिएटर से एक्ट्रेस बनने तक का सफर

दर्शकों का प्यार देता है कॉन्फिडेंस

एक्ट्रेस प्राजक्ता कोली ने नेहा धूपिया और अंगद बेदी के शो 'डबल डेट' में डिजिटल क्रिएटर से फिल्मों तक के अपने सफर और दर्शकों से मिले प्यार के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया पर उनसे जुड़े लोगों की वजह से उन्हें प्रोफेशनल लाइफ में एक अलग तरह का कॉन्फिडेंस मिलता है। एक्ट्रेस प्राजक्ता कोली ने कहा कि जब वह बड़े कलाकारों के साथ फिल्मों में काम करती हैं, तो उनके मन में यह चिंता नहीं रहती कि दूसरे लोग उन्हें पसंद करेंगे या नहीं। इसके बजाय वह चाहती हैं कि जो दर्शक उनकी फिल्म देखने के लिए टिकट खरीदते हैं, उन्हें भी उनका काम पसंद आए।

प्राजक्ता ने कहा, 'ज्यादातर जगहों पर मैं थोड़े कॉन्फिडेंस के साथ जाती हूं, क्योंकि सोशल मीडिया पर मेरी अपनी कम्युनिटी है। मैं यह बात विनम्रता के साथ कहना चाहती हूं कि मुझे जो काम मिला है, उसके लिए मैं बहुत आभारी हूं। जब मैं 'जुगजुग जिओ' कर रही थी, तब वह मेरी सबसे बड़ी फिल्म थी। उसमें बड़े कलाकार और शानदार स्टारकास्ट थी। लेकिन, मेरे दिमाग में यह नहीं था कि पता नहीं वे लोग मुझे पसंद करेंगे या नहीं।' उन्होंने कहा, ''मेरी सोच यह थी कि जो लोग फिल्म देखने के लिए टिकट खरीदते हैं, वे मुझे पसंद करें। मैं चाहती थी कि दर्शकों को मेरा काम अच्छा लगे, लेकिन इसके लिए दूसरे कलाकारों की अहमियत कम नहीं होनी चाहिए।'' प्राजक्ता ने बताया कि 'जुगजुग जिओ' के सेट पर अनिल कपूर, नीतू कपूर, कियारा आडवाणी, करण जौहर, मनीष पॉल और वरुण धवन समेत सभी लोगों ने उनके साथ अच्छा व्यवहार किया। एक्ट्रेस ने कहा, ''डिजिटल प्लेटफॉर्म पर दर्शकों से मिले प्यार ने मुझे फिल्मों में काम करते समय भी आत्मविश्वास दिया। मेरे लिए यह जरूरी है कि मैं अपने काम से उन लोगों का दिल जीत सकूं, जो लंबे समय से मुझे फॉलो कर रहे हैं और अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर मेरे काम को देखते हैं।''

करण टैकर ने शुरू की नए प्रोजेक्ट की शूटिंग!

मुंबई एक्टर करण टैकर ने अपने नए प्रोजेक्ट की शूटिंग स्कॉटलैंड में शुरू कर दी है और इसकी पहली झलक सोशल मीडिया पर शेयर कर फैंस की एक्साइटमेंट बढ़ा दी है। करण ने शूट के पहले दिन की बिहाइंड द सीन्स तस्वीर पोस्ट करते हुए एक ऐसा नोट लिखा, जिसने उनके नए सफर को लेकर उत्सुकता और बढ़ा दी है। तस्वीर शेयर करते हुए करण ने लिखा, 'एक नया प्रोजेक्ट, एक नया चैप्टर और एक बड़ा रिस्क। अभी ज्यादा कुछ नहीं बता सकता, लेकिन कभी-कभी सबसे बड़े रिस्क ही सबसे रोमांचक सफर की शुरुआत करते हैं। अभी और भी बहुत कुछ आने वाला है।' करण की इस पोस्ट में शूटिंग के शुरुआती दिनों की झलक देखने को मिली। हालांकि, उन्होंने फिलहाल प्रोजेक्ट से जुड़ी डिटेल्स को सीक्रेट ही रखा है, लेकिन उनके कैप्शन से साफ है कि वह इस नई शुरुआत को लेकर काफी एक्साइटेड हैं। स्कॉटलैंड में कैमरा रोल हो चुका है और अब फैंस को इंतजार है कि आखिर इस बार करण क्या नया लेकर आने वाले हैं। इस बार करण का लुक भी काफी बदला-बदला नजर आ रहा है। बढ़े हुए बाल और घनी दाढ़ी के साथ उनका रफ-टफ अंदाज चर्चा में है। नए प्रोजेक्ट के साथ उनका यह नया लुक भी फैंस की उत्सुकता बढ़ा रहा है। हालांकि, प्रोजेक्ट की कहानी और बाकी कलाकारों को लेकर अभी कोई खुलासा नहीं हुआ है। वर्कफ्रंट की बात करें तो स्कॉटलैंड में शूटिंग शुरू होने के साथ करण टैकर के पास कई और प्रोजेक्ट्स भी पाइपलाइन में हैं। यानी आने वाला वक्त उनके लिए काफी बिजी और दिलचस्प रहने वाला है। फिलहाल, फैंस को करण के अगले अपडेट का इंतजार करना होगा, क्योंकि इस नए प्रोजेक्ट के पत्ते अभी पूरी तरह खुले नहीं हैं!

रश्मिका मंदाना ने अपने हिंदी एक्सेंट की आलोचनाओं पर दिया जवाब

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना हाल ही में अपने पति और चर्चित एक्टर विजय देवरकोंडा के साथ करण जौहर के शो 'कॉफी विद करण सीजन 9' में पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने साउथ इंडियन एक्सेंट को लेकर होने वाली अपनी आलोचनाओं पर बात की। अभिनेत्री ने कहा कि वे ऑनलाइन होने वाली ट्रोलिंग को अपनी भाषा या फिल्म इंडस्ट्री चुनने में रुकावट नहीं बनने देंगी। रश्मिका मंदाना ने अपने हिंदी एक्सेंट की आलोचनाओं पर जवाब देते हुए कहा है कि उनसे यह उम्मीद करना गलत है कि वे साउथ इंडियन न लगें। वे इस इलाके से आती हैं। अभिनेत्री ने कहा कि वे अपनी डायलॉग डिलीवरी पर टिप्पणियों को अपनी भाषा या फिल्म इंडस्ट्री चुनने में रुकावट नहीं बनने देंगी। रश्मिका ने कहा कि उन्हें समझ नहीं आता कि साउथ इंडियन एक्सेंट को प्रॉब्लम क्यों माना जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'मुझे इससे कोई खास दिक्कत नहीं थी, क्योंकि उन्होंने कहा कि मेरा साउथ इंडियन एक्सेंट है, लेकिन मैं साउथ इंडिया से हूं। इसलिए मेरा एक्सेंट तो होगा ही। इसके अलावा कुछ और सोचना गलत है'। अभिनेत्री ने कहा कि अगर कोई डायरेक्टर यह मानता है कि किसी दूसरे आर्टिस्ट की आवाज किसी किरदार पर ज्यादा सूट करेगी तो उन्हें कोई दिक्कत नहीं होगी। हालांकि, उनके डायरेक्टर्स ने अब तक यही पसंद किया है कि वह खुद के लिए डब करें।

एक्शन ड्रामा फिल्म 'प्रताप' में नजर आएंगी ईशा देओल

ईशा देओल, फिल्म 'प्रताप' के साथ बड़े पर्दे पर वापसी करने के लिए तैयार हैं। प्रदीप रंगवानी और यूवी फिल्म्स द्वारा प्रस्तुत इस आगामी एक्शन ड्रामा के निर्माताओं ने ईशा देओल का कैरेक्टर पोस्टर जारी किया है, जिसमें वह पूनम के किरदार में नजर आ रही हैं। पूनम की कहानी जीवन में आने वाले अप्रत्याशित मोड़ों, आत्मखोज और मुश्किल हालात में सामने आने वाली अंदरूनी ताकत को दर्शाने का वादा करती है। पूनम के लिए उसका परिवार ही उसकी पूरी दुनिया है और उसने अपनी जिंदगी उन रिश्तों और विश्वास के आधार पर बनाई है, जो उसके लिए सबसे ज्यादा मायने रखते हैं। लेकिन तब क्या होता है, जब जिस सच्चाई पर उसने हमेशा भरोसा किया, वही बिखरने लगती है? ऐसे हालात का सामना करते हुए, जो उसके विश्वास और सोच को चुनौती देते हैं, पूनम को अपने पैरों पर खड़े होकर उस ताकत को पहचानना होगा, जिससे वह अब तक अनजान थी। हालांकि, उसके सफर से जुड़ी ज्यादा जानकारी अभी सामने नहीं आई है, लेकिन उसका किरदार एक ऐसे भावनात्मक बदलाव की ओर इशारा करता है, जो उसकी अब तक की पहचान से कहीं आगे जाती है। ईशा देओल का यह कैरेक्टर पोस्टर हाल ही में जारी किए गए फिल्म के मोशन पोस्टर के बाद सामने आया है, जिसमें अमित साध एक जांबाज एनकाउंटर स्पेशलिस्ट के किरदार में नजर आए हैं, जो खुद कानून के दूसरी तरफ खड़ा हो जाता है। सत्ता, न्याय और अपने फैसलों के परिणामों की पड़ताल करती 'प्रताप' की कहानी में जहाँ व्यक्तिगत संघर्षों के साथ-साथ हाई-स्टेक्स ड्रामा भी देखने को मिलेगा, वहीं, पूनम का सफर फिल्म की कहानी में एक मजबूत भावनात्मक पहलू जोड़ता है। सचिन सराफ के लेखन और निर्देशन में बनी इस फिल्म में अमित साध और ईशा देओल के अलावा तिग्मांशु धूलिया, सीमा बिस्वास और मिलिंद गुणाजी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

05 फरवरी को दस्तक देगी हर्षवर्धन राणे की 'सिला'

नए साल में हर्षवर्धन राणे के नए तेवर देखने को मिलने वाले हैं। हाल ही में उनकी फिल्म 'पुलिस कंपनी' की रिलीज डेट का एलान किया गया था। यह फिल्म अगले साल जून में दस्तक देगी। इस बीच एक और फिल्म की रिलीज डेट सामने आ गई है। अभिनेता की आगामी फिल्मों की लिस्ट में 'सिला' का नाम भी शामिल है। हर्षवर्धन राणे की फिल्म 'सिला' एक्शन से भरपूर एक रोमांटिक फिल्म है। आज इस फिल्म का पोस्टर रिलीज हुआ है, जिसमें हर्षवर्धन इंटेंस लुक में नजर आ रहे हैं। यह अगले साल मोहब्बत वाले महीने यानी फरवरी में रिलीज होगी। पोस्ट के जरिए मिली जानकारी के मुताबिक, यह फिल्म 05 फरवरी 2027 को रिलीज होने वाली है।

कल्पना से भी परे होगी कहानी

फिल्म का पोस्टर शेयर करते हुए मेकर्स ने इसकी कहानी को लेकर संकेत दिया है। यह सस्पेंस और थ्रिलर से भरपूर एक्शन-रोमांटिक फिल्म होगी। पोस्टर के साथ कैप्शन लिखा है, 'किस्मत से परे प्यार। हद से परे एक सफर और कल्पना से भी परे एक कहानी। 'सिला' की तलाश शुरू।

कौन-कौन होगा फिल्म का हिस्सा

बता दें कि फिल्म 'सिला' का निर्देशन उमंग कुमार ने किया है। इसमें 'बिग बॉस 18' के विजेता करण वीर मेहरा भी नजर आने वाले हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक वे फिल्म में नेगेटिव रोल में नजर आएंगे। 'सिला' फिल्म में हर्षवर्धन को विराट नाम के किरदार में देखा जाएगा। वहीं, सादिया खतीब भी फिल्म का हिस्सा हैं।

अवतार के रूप में क्यों आते हैं भगवान

भगवान के अवतार के तीन कारण होते हैं- पहला अनुग्रह अथवा साधुपरित्राण, दूसरा निग्रह अथवा दुष्कृतकारियों का विनाश और तीसरा धर्मसंस्थापन। जिस प्रकार कोई सम्राट अपने साम्राज्य में सज्जनों को पुरस्कार द्वारा प्रोत्साहित करके और दुर्जनों को तिरस्कार द्वारा निरुत्साहित करके प्रजा में अभ्युदयशील सामंजस्य स्थापित करता है, उसी प्रकार श्रीभगवान भी यथासमय अवतीर्ण होकर यथायोग्य निग्रहानुग्रह प्रदर्शित करते हुए अपनी सृष्टि में धर्म की स्थापना किया करते हैं। समस्त धर्मों का पर्यवसान श्रीभगवत साक्षात्कार में ही है। भगवत साक्षात्कार तभी हो सकता है, जब भगवान में निष्ठा हो। निष्ठा तभी होती है जब अनुराग हो, अनुराग उसी में होता है, जिसकी ओर आकर्षण होगा। अतएव जीवजात को अपनी ओर आकृष्ट करने के लिए ही भगवान अवतार रूप में ऐसी-ऐसी मनमोहिनी क्रीड़ाएं करते हैं कि जिन्हें सुनकर श्रोताओं का मन उनमें बलात् आसक्त हो जाता है

बालक, युवक और वृद्ध, पंडित और मूर्ख, राजा और प्रजा, स्त्री और पुरुष, विषयी और विरागी, सभी का भगवल्लीला श्रवण से उधर आकर्षण होता है, जो परिणाम में प्रपंचातीत परमात्मा तक पहुंचा देता है। ज्ञान-विज्ञान विनाशन काम को गीता में आचार्य रामानुज के अनुसार बुद्धि से भी बलवत्तर बताया गया है। उसी महापाप, महावैरी, दुष्पूर काम को भक्तजन अनायास जीत सकें, इसलिए भगवान अपने अवतार चरित्रों द्वारा मदन-दमन लीलाएं करते हैं। उदाहरण के लिए कोटि-कन्दर्पदर्पहा श्रीकृष्ण की योगमाया द्वारा प्रसाधित रासलीला का दर्शन करके उस समय अनेक देवादि भी भगवन्निष्ठ होकर कृतकृत्य हो गये और अब भी उस परम उज्ज्वल लीला का श्रद्धापूर्वक अध्ययन करने वालों के मदनरूपी हृदय रोग का स्वयमेव शमन हो जाता है।

नित्यविभूति से लीलाविभूति में श्रीराम, श्रीकृष्ण आदि रूपों में श्रीभगवान का अवतार आगम ग्रंथों में विभव कहलाता है। श्रीमत्स्य, कूर्म, वराह, नृसिंह, वामन, राम (जामदग्न्य), राम (दाशरथि), कृष्ण, बुद्ध और कल्कि, ये दस अवतार प्रसिद्ध हैं। श्रीवराह, सनकादि, नारद, नर-नारायण, कपिल, दत्तात्रेय, यज्ञ, ऋषभ, पृथु, मत्स्य, कूर्म, धन्वन्तरि, मोहिनी, नृसिंह, वामन, परशुराम, वेदव्यास, राम, बलराम, कृष्ण, बुद्ध, कल्कि- ये 22 अवतार कहलाते हैं। हंस और हयग्रीव की संख्या मिलाने से यह 24 होते हैं। आगम ग्रंथों में अन्यान्य अवतारों के भी नाम उपलब्ध होते हैं।

विभव के दो भेद हैं- स्वरूपावतार और आवेशावतार। जब श्रीभगवान स्वरूप में अर्थात् स्वयं ही अवतीर्ण होते हैं, तब उनका वह रूप स्वरूपावतार कहलाता है, जैसे दाशरथि श्रीराम, किंतु जब किसी जीव विशेष में परमात्मा की शक्ति का आवेश होता है, तब उसे आवेशावतार कहते हैं, जैसे जामदग्न्य राम।

जिस रूप में परब्रम्ह परमात्मा अपने समग्र ऐश्वर्य माधुर्य को लिये हुए ही अवतीर्ण होते हैं, उसे पूर्णावतार कहते हैं। किंतु जिस रूप में आवश्यकतानुसार वे अपने प्रभाव का आंशिक प्राकट्य ही दिखलाते हैं, उसको अंशावतार कहते हैं। अंश के तुरीय भाग को कला कहते हैं। अतएव अंशावतार का अवान्तर भेद होने से कलावतार को उसी के अन्तर्भूत समझना चाहिए।

जिस प्रकार कोई सम्राट अपने साम्राज्य में सज्जनों को पुरस्कार द्वारा प्रोत्साहित करके और दुर्जनों को तिरस्कार द्वारा निरुत्साहित करके प्रजा में अभ्युदयशील सामंजस्य स्थापित करता है, उसी प्रकार श्रीभगवान भी यथासमय अवतीर्ण होकर यथायोग्य निग्रहानुग्रह प्रदर्शित करते हुए अपनी सृष्टि में धर्म की स्थापना किया करते हैं। समस्त धर्मों का पर्यवसान श्रीभगवत साक्षात्कार में ही है।

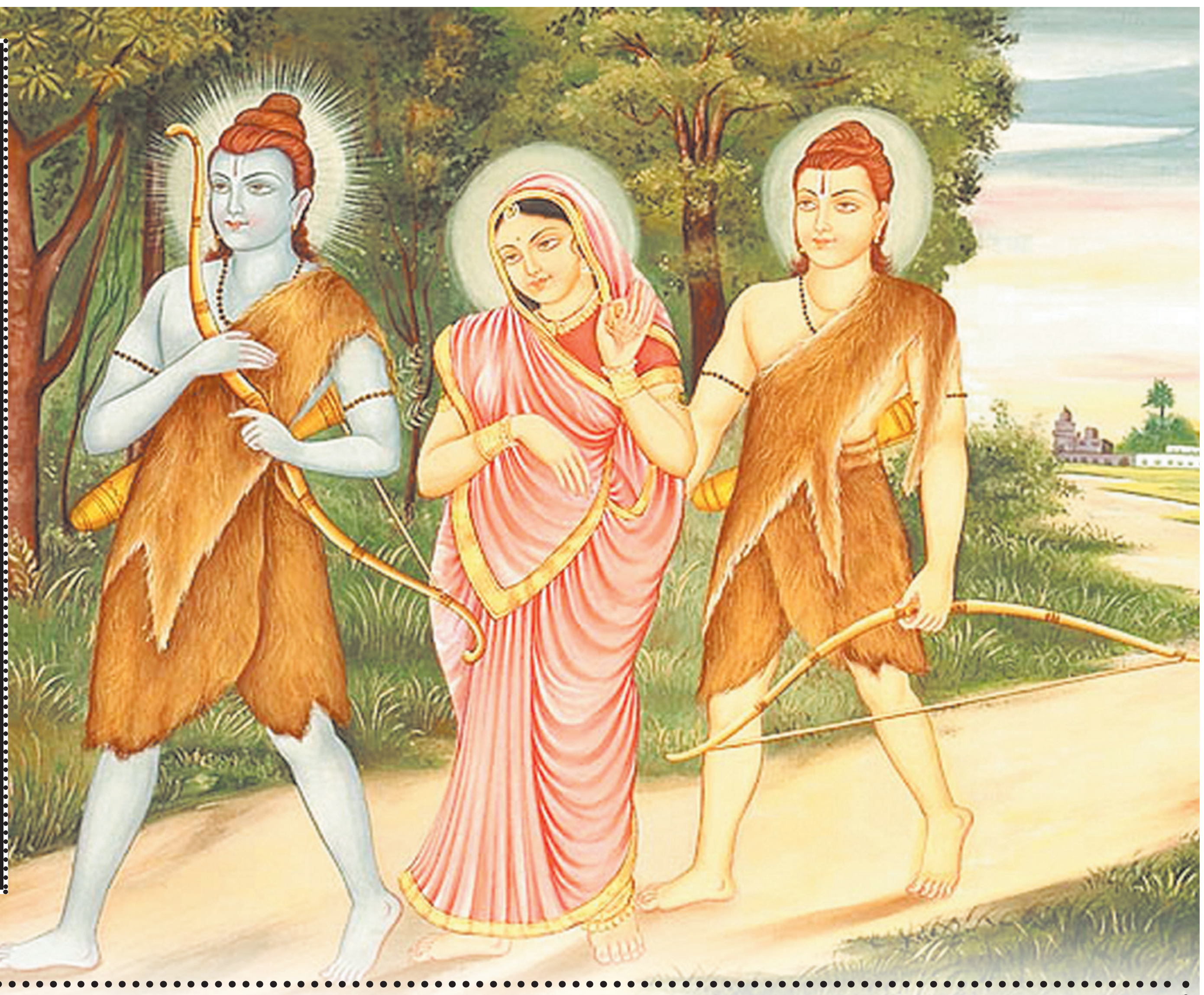

सरल उपाय अपनाएं शर्तिया वास्तुदोष भगाएं

- घर का मुख्य द्वार सदैव पूर्व या उत्तर में ही होना चाहिए किंतु यदि ऐसा न हो पा रहा हो तो घर के मुख्य द्वार पर 'स्वास्तिक' की प्राण प्रतिष्ठा करवाकर लगाने से नकारात्मक ऊर्जा का नाश और सकारात्मक ऊर्जा का विकास होने लगता है। घर की स्थिति अनुकूल होने लगती है।
- घर के मुख्य द्वार पर तुलसी का पौधा रखें। सुबह उसमें जल अर्पित करें तथा शाम को दीपक जलाएं। पूर्व या उत्तर दिशा में तुलसी का पौधा लगाने से घर के सदस्यों में आत्मविश्वास बढ़ता है। घर की छत पर तुलसी का पौधा रखने से घर पर बिजली गिरने का भय नहीं रहता। घर में किसी प्रकार के वास्तु दोष से बचने के लिए घर में पांच तुलसी के पौधे लगाएं तथा उनकी नियमित सेवा करें।
- ध्यान रहे कि घर में खिड़की दरवाजों की संख्या सम हो जैसे (2, 4, 6, 8, 10) तथा दरवाजे खिड़कियां अंदर की तरफ ही खुलें। द्वार खोलते-बंद होते समय किसी भी प्रकार की कर्कश ध्वनि नहीं आनी चाहिए। ये अशुभ सूचक होता है।
- यदि किसी भिक्षुक को भिक्षा देनी हो तो घर से बाहर आकर ही दें अन्यथा अनहोनी होने की संभावना रहती है।
- इस बात का ध्यान रहे कि घर में कभी भी फालतू सामान, टूटे-फूटे फर्नीचर, कूड़ा कबाड़ तथा बिजली का सामान इकट्ठा न होने पाए। अन्यथा घर में बेवजह का तनाव बना रहेगा।
- घर के किसी भी कोने में सीलन नहीं होनी चाहिए और न ही घर के किसी कोने में रात को अंधेरा रहना चाहिए। शाम को कम से कम 15 मिनट पूरे घर की लाइट अवश्य जलानी चाहिए। बिजली के स्विच, मोटर, मेन मीटर, टी.वी., कम्प्यूटर आदि आग्नेय कोण में ही होने चाहिए इससे आर्थिक लाभ सुगमता से होता है।
- घर में पुस्तकें रखने का स्थान उत्तर या पूर्व में ही होना चाहिए तथा पुस्तकों को बंद अलमारी में ही रखना चाहिए।
- घर में कभी भी मकड़ी के जाले नहीं लगने चाहिए नहीं तो राहु खराब होता है तथा राहु के बुरे फल भोगने पड़ते हैं।
- संध्या के समय घर में एक दीपक अवश्य जलाएं तथा ईश्वर से अपने द्वारा किए गए पापों के लिए क्षमा याचना करें।

बृहस्पति जी को देवगुरु पद किसने प्र्रदान किया

पुराणों के अनुसार ब्रह्मा जी के मानस पुत्र अंगिरा ऋषि का विवाह स्मृति से हुआ। जिनसे सिनीवाली, कुहू, राका, अनुमति नाम कि कन्याएं एवं उतथ्य व जीव नामक पुत्र हुए। जीव बचपन से ही शांत एवम जितेन्द्रिय प्रकृति के थे। वे समस्त शास्त्रों तथा नीति के ज्ञाता हुए। अंगिरा नंदन जीव ने प्रभास क्षेत्र में शिवलिंग कि स्थापना कि तथा शिव को प्रसन्न करने के लिए घोर तप किया।

महादेव ने उनकी आराधना एवं तपस्या से प्रसन्न हो कर उन्हें साक्षात दर्शन दिए और कहा, हे द्विज श्रेष्ठ ! तुमने बहुत तप किया है। अतः तुम बृहस्पति नाम से प्रसिद्ध हो कर देवताओं के गुरु बनों और उनका धर्म व नीति के अनुसार मार्गदर्शन करो। इस प्रकार महादेव ने बृहस्पति को देवगुरु पद और नवग्रह मंडल में स्थान प्रदान किया। तभी से जीव, बृहस्पति और गुरु के नाम से विख्यात हुए। देवगुरु कि शुभा,तारा और ममता तीन पत्नियां हैं। उनकी तीसरी पत्नी ममता से भरद्वाज एवं कच नामक दो पुत्र हुए। बृहस्पति ग्रह सब ग्रहों में सबसे अधिक वजनी और पृथ्वी से बहुत नज़दीक 37 करोड़ मील से भी कम दूरी पर हैं। इस ग्रह पर वायु नहीं है इसके धरातल पर हमेशा लावा फूटता रहता है इसलिए जो हमारे गुरुजन है उनके अन्दर जो ज्ञान रूपी लावा है वो हमारे कल्याण के लिए निरंतर बहता रहता है।

शनि देव लंगड़े एवं शनेश्चर क्यों कहलाते हैं?

सूर्यदेव की पत्नी संज्ञा उनका तेज सहन न कर पाने से अपनी प्रतिमूर्ति छाया को प्रकट कर और उन्हें अपने परिवार की जिम्मेदारी सौंप तपस्या करने चली गई। छाया संज्ञा का प्रतिरूप बन सूर्यदेव के साथ सुखी दांपत्य जीवन व्यतित करने लगी। इस दौरान छाया और सूर्यदेव के पांच पुत्र हुए। जब उसके स्वंय के बच्चे हो गए तो उसका मन उनमें ही रम गया और संज्ञा के बच्चों के प्रति उसका विमाता सा व्यवहार हो गया। एक दिन छाया अपने बच्चों को खाना परोस रही थी। शनिदेव भूख से व्याकुल होकर छाया के पास आए और उनसे भोजन परोसने को कहने लगे पर छाया ने उनकी तरफ ध्यान न दिया। अपने बच्चों को प्रेमपूर्वक भोजन कराती रही। छाया के व्यवहार से शनिदेव को बहुत क्रोध आया और उन्होंने छाया को मारने के लिए अपनी टांग उठायी। तभी छाया ने शनिदेव को श्राप देते हुए कहा कि, तेरी यह टांग अभी टूट जाए। उसी समय शनिदेव लंगड़े हो गए। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार शनि देव को क्रू ग्रह माना जाता है। मान्यता है की जिसकी कुण्डली में शनि नकारात्मक भाव में हो उसे बहुत सी मुसिबतों का सामना करना पड़ता है। वह नौ ग्रहों में सबसे धीमे ग्रह हैं क्योंकि ज्योतिष की दृष्टि से शनि लंगड़ा है और एक राशि में करीब ढाई वर्ष तक रुकता है। इसी वजह से इन्हें शनेश्चर भी कहा जाता है क्योंकि ये श्नै: श्नै: चलते हैं।

गणेश मंत्र करेगा सभी कामनाओं की पूर्ति

गणपति जी का बीज मंत्र गं है। इनसे युक्त मंत्र- ऊँ गं गणपतये नमः का जप करने से सभी कामनाओं की पूर्ति होती है।

- बुद्धि का विकास करना चाहते हैं तो श्री गणेश जी के मंत्र ऊँ गं गणपतये नमः का एक माला जाप करें और 11 मोदक या लड्डू का भोग लगाएं।
- बच्चे का मन पढाई में न लग रहा हो तो प्रत्येक बुधवार ऊँ गं गणपतये नमः मंत्र के साथ 11 दूर्वा 6 हरी घास 8 गणेश जी को आर्पित करें।
- व्यवसाय न चल रहा हो या घाटे पड़ रहे हो तो प्रत्येक बुधवार 11 दूर्वा ऊँ गं गणपतये नमः मंत्र के साथ चढ़ावे तथा 21 लड्डू का भोग लगा कर ग्राहकों में बांटे।
- चूहों से परेशान हैं तो एक कटोरी में जल लेकर ऊँ गं गणपतये नमः मंत्र को पढकर कटोरी को रात भर जमीन पर रख दें सुबह जल पौधों में डाल दें। चूहे भाग जाएंगे।
- अगर आपका व्यवसाय बन्द होने के कगार पर है तो 108 लड्डू 108 दूर्वा के साथ गणेश जी का अभिषेक कराएं।

इस मंत्र जाप के अतिरिक्त गणपति अथर्वशीर्ष, संकटनाशक गणेश स्त्रोत, गणेशकवच, संतान गणपति स्त्रोत, ऋणहर्ता गणपति स्त्रोत, मयूरेश स्त्रोत, गणेश चालीसा का पाठ करने से गणेश जी की कृपा शीघ्र प्राप्त होती है ।